सुविचार

यात्रा साहित्य खोज और विश्लेषण से जुड़ा है। हर लेखक अपने तरीके से इसमें अलग-अलग चीजों को महत्व देता है।

-रघुवीर सहाय

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज *Published from Ranchi*

Ranchi • Tuesday, 31 December 2024 • Year : 02 • Issue : 338 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12 Kriti Sanon Attends Rahat Fateh...

SHARE

संसेक्स	:	82,948.23
निफ्टी	:	25,377.55

SARAFA

सोना	:	6,795
चांदी	:	98.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

साउथ कोरिया में 7 दिनों का राष्ट्रीय शोक

NEW DELHI : रविवार को साउथ कोरिया में हुए प्लेन क्रैश हादसे के बाद सोमवार को कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने देश में 7 दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने सभी एयरलाइन सिस्टम की जांच के आदेश दिया है। रविवार को बैंकॉक से आ रहा जेजू एयर का बोइंग 737-800 प्लेन मुआन एयरपोर्ट पर लैंड कर रहा था, लेकिन गियर में खराबी की वजह से इसके पहिए नहीं खुले। बेली लैंडिंग की कोशिश में प्लेन क्रैश कर गया, जिसमें 179 लोगों की मौत हो गई। हादसे वाली जगह से दो ब्लैक बॉक्स, फ्लाइट डेटा और वॉयस रिकॉर्डर बरामद कर लिए गए हैं। हालांकि इन्हें काफी ज्यादा नुकसान पहुंचा है, जिस वजह से इसे राजधानी सियोल के एलनाइज सेंटर भेजा जाएगा। जरूरत पढ़ने पर इसे अमेरिका भी भेजा जा सकता है।

संजीव रंजन होंगे आईओआरए के अगले महासचिव

NEW DELHI : भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के 1993 बैच के संजीव रंजन इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (आईओआरए) के अगले महासचिव होंगे। वे जल्द ही कार्यभार संभालेंगे। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि संजीव रंजन हिंद महासागर रिम एसोसिएशन के अगले महासचिव होंगे। वे 1993 बैच के भारतीय विदेश सेवा अधिकारी हैं और वर्तमान में मंत्रालय में विशेष कार्य अधिकारी हैं। बयान में कहा गया है कि संजीव रंजन शीघ्र ही कार्यभार संभालेंगे।

एनसीसी ऑफिसर पर हमला, दो लोग गिरफ्तार

KOCCHI : कोच्चि में पिछले सप्ताह थ्रिक्काकारा स्थित केएमएम कॉलेज में एनसीसी कैडेट के लिए आयोजित शिविर में सेना के एक अधिकारी पर हमला करने के आरोप में सोमवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। कोच्चि नगर पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान फोर्ट कोच्चि निवासी निषाद और पल्लुरुथी निवासी नवस के रूप में हुई है। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी के अनुसार आरोपियों को उनके आवास से हिरासत में लिया गया और एनसीसी अधिकारियों द्वारा उनकी पहचान करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

नौसेना प्रमुख ने उपराष्ट्रपति से की मुलाकात

NEW DELHI : सोमवार को नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने नौसेना प्रमुख से मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए बताया, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने आज उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की।

रांची के पंडरा स्थित ओटीसी ग्राउंड के पास आईसीआईसीआई बैंक के बाहर की घटना

दिनदहाड़े शख्स से 13 लाख की लूट, बीच बचाव करने आए युवक को मार दी गोली

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी रांची में अपराधियों का हौसला चौथे आसमान पर है। हर दिन नई घटना को अंजाम दिया जा रहा है। सोमवार को फिर अपराधियों ने पुलिस को खुली चुनौती दी है। रांची के पंडरा ओपी क्षेत्र में दोपहर अपराधियों ने सुमित कुमार गुप्ता से 13 लाख रुपये लूट लिए। इस दौरान बीच-बचाव करने आए एक युवक को गोली मार दी। घायल युवक का नाम सुमित कुमार है। उसे मेडिका में भर्ती कराया गया है। उसके पेट में गोली लगी है। फिलहाल सुमित कुमार खतरे से बाहर है। यह घटना ओटीसी ग्राउंड के पास स्थित आईसीआईसीआई बैंक के गेट के पास हुई। तीन बाइक सवार अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया। इसके बाद सभी अपराधी फरार हो गए। इधर मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए ने बताया की 13 लाख रुपये की लूट हुई है। सुमित कुमार गुप्ता आशीर्वाद आटा कंपनी का कैशियर है।

अपराधियों को पहले से थी भनक : जानकारी के अनुसार, सुमित कुमार गुप्ता बैंक में पैसा जमा करने के लिए 13 लख रुपये लेकर पहुंचे थे। इसकी भनक अपराधियों को पहले से थी। सुमित पैसा जमा करने बैंक घुसने ही वाले थे, तभी तीन अपराधियों ने उसके साथ लूट की घटना को अंजाम देना चाहा। अपराधी उनका बैग छीनने का प्रयास कर रहे थे। इस दौरान बीच बचाव करने गये सुमित कुमार पर अपराधियों ने गोली चला दी। गोली हाथ से छिटक कर पेट में लग गई। हैरानी की बात यह है कि यह घटना थाने से महज कुछ मीटर की दूरी पर हुई। इससे साफ पता चल रहा है कि अपराधियों में पुलिस का कोई खौफ नहीं है। थाने के पास घटना हो जाने से पुलिस की भी सुस्ती झलक रही है।

हाथ से छिटक कर सुमित के पेट में लगी गोली, मेडिका में चल रहा इलाज, स्थिति खतरे से बाहर

बाइक पर सवार होकर पहुंचे तीन अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

- आशीर्वाद आटा कंपनी का कैशियर है पीड़ित सुमित कुमार गुप्ता, पैसा जमा करने पहुंचा था बैंक
- पिछले दस दिनों के अंदर लूट की यह दूसरी घटना, अपराधियों का बढ़ गया है मनोबल, पुलिस का भी खौफ नहीं

रेकी कर दिया गया घटना को अंजाम

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि अपराधियों को इसकी जानकारी पहले से थी। अपराधियों ने इस घटना को पूरी तरह रेकी करके अंजाम दिया है। पुलिस ने बताया की आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल जा रहा है। जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इधर एक मामले का खुलासा नहीं हो पा रहा, उधर दूसरी घटना को अंजाम दिया जा रहा है। पिछले 26 दिसंबर को रातू स्थित काठीटांड़ के पास रइक बैंक के सामने अपराधियों ने एक शख्स से 13.66 लाख लूट लिए थे। इस घटना को बाइक सवार दो अपराधियों ने अंजाम दिया था। इस मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज भी जारी किया था। फुटेज में दो अपराधी हेलमेट पहने बाइक चलाते दिख रहे थे। जिस शख्स से रुपए लूटे गए थे, वह पेट्रोल पंप का कर्मचारी था। यह घटना दोपहर करीब 2:30 बजे हुई थी। घटना के बाद पुलिस जगह-जगह नाकेबंदी कर जांच में जुड़ गई थी। अब तक अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। सुमित कुमार गुप्ता राजधानी रांची के मधुकम निवासी चर्चित कोराबारी कमल भूषण का किराएदार है। 30 मई 2022 को कमल भूषण की गोली मारकर हत्या कर दी थी। गैलेक्सिया मॉल के समीप एक फास्ट फूड सेंटर के पास खड़ी कार में कमल भूषण बैठे थे, इसी दौरान अपराधियों ने दोनों ओर से ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। इसमें दो गोली कमल के दाहिने हाथ में लगी थी। वहीं, एक गोली उनके पंजरे और एक गोली सिर में लगी थी।

बाबूलाल ने झारखंड में अपराध की बढ़ती घटनाओं पर उठाए सवाल

झारखंड में अपराध का ग्राफ दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। राज्य के नागरिकों के लिए सुरक्षा अब एक बड़ा सवाल बन चुकी है। यह बातें सोमवार को बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखी हैं। उन्होंने **'द फोटोन न्यूज'** अखबार पर छपी खबर को पोस्ट कर राज्य सरकार पर निशाना साधा। कहा कि झारखंड में प्रतिदिन औसतन 5 लोगों की हत्या हो रही है। एससीआरबी द्वारा जारी आंकड़े के मुताबिक, इस वर्ष जनवरी से अक्तूबर तक के बीच 1400 लोगों की हत्या की जा चुकी है।

संजय सेठ बोले- क्राइम सिटी बन गई रांची, जंगलराज की हुई वापसी

इधर, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची में बढ़ते अपराध पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने सोमवार को दिनदहाड़े हुई लूट और गोलीबारी की घटनाओं की कड़ी निंदा की। बयान जारी कर कहा कि रांची अब क्राइम सिटी बन चुकी है। मंत्री ने सवाल उठाया कि रांची की पुलिस क्या कर रही है, जबकि रोजाना अपराध हो रहे हैं और प्रशासन मौन है। संजय सेठ ने सरकार और प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि क्या प्रशासन और अपराधियों का कोई गठजोड़ है। रांची में अब अपराधियों के सामने सरकार और प्रशासन पंगु बन चुके हैं। मंत्री ने 13 लाख की लूट की घटना को बेहद चौंकाने वाला बताया। आरोप लगाया कि प्रशासन अवैध धंधों में लिप्त है। यह स्थिति पूरी व्यवस्था के ध्वस्त होने को दर्शाती है। संजय सेठ ने चेतावनी दी कि यदि सरकार और प्रशासन ने स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया तो इसका खामियाजा भुगतना होगा। सभी वर्गों में आक्रोश है।

सुबह में रहेगी थोड़ी धुंध, छाए रहेंगे आंशिक बादल

नए साल के पहले दिन पांच डिग्री तक गिर सकता पारा

PHOTON NEWS RANCHI : पिछले कुछ दिनों से झारखंड की राजधानी रांची सहित अन्य इलाकों में ठंड की स्थिति सामान्य देखी जा रही है। इस बीच मौसम विभाग की ओर से यह जानकारी दी गई है कि इस साल के अंतिम और नए साल आपके पहले दिन राज्य में ठंड बढ़ने की संभावना है। न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। इससे एक बार फिर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे जा सकता है। इसके बाद अगले तीन दिनों में तापमान में कोई खास बदलाव की उम्मीद नहीं है। इस दौरान सुबह में हल्का कोहरा रहने की संभावना है। इसके बाद आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। विभाग के अनुसार, रविवार को राज्य में मौसम शुष्क रहा। राज्य में अधिकतम तापमान 32.0 डिग्री सेल्सियस सराइकेला में और न्यूनतम तापमान 11.7 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज किया गया। बीते 24 घंटे में राज्य में अलग-अलग जगहों पर मौसम का मिजाज अलग-अलग रहा है। रविवार को कुछ स्थानों पर छिटपुट बारिश हुई। लातेहार में नौ मिमी के आसपास बारिश हुई। गढ़वा और डाल्टेनगंज में भी बारिश हुई है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक चल रहा है। राजधानी का न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री

- इसके अगले तीन दिनों तक तापमान में किसी खास बदलाव की संभावना
- कई जगहों पर हुई हल्की बारिश

मेलबर्न टेस्ट में भारत को ऑस्ट्रेलिया ने 184 रनों से किया पराजित

NEW DELHI : सोमवार को भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया की टीम ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में 184 रनों से पराजित कर दिया। इस हार के बाद भारत की टीम 5 मैचों की सीरीज में 1-2 से पिछड़ गई है। आखिरी मुकाबला सिडनी में 3 जनवरी से खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने जीत के लिए 340 रन का टारगेट दिया था, लेकिन भारतीय टीम आखिरी पारी में 155 रन ही बना सकी। टीम ने एक समय 3 विकेट खोकर 120 रन बना लिए थे और एक सेशन बाकी था। ऐसे में मुकाबला ड्रॉ की ओर जाता दिख रहा था। टीम इंडिया का टॉप ऑर्डर इस मैच में पूरी तरह फ्लॉप रहा। पहली पारी में यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा के बीच पहले विकेट के लिए केवल 8 रन की साझेदारी हुई। रोहित 3 रन बनाकर आउट हुए। केएल राहुल 24 और विराट कोहली ने 36 रन बनाए। दूसरी पारी में यशस्वी के अलावा शुरूआती 3 बल्लेबाज रोहित शर्मा (9), केएल राहुल (0) और विराट कोहली (5) दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए। रोहित-विराट इस मैच में भी फेल रहे। रोहित ने पहली पारी में 3 और दूसरी में 9 रन बनाए। कोहली ने पहली पारी में 36 और दूसरी में 5 रन बनाए। दूसरी पारी में यशस्वी ने 3 कैच ड्रॉप किए।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने हेमंत को लिखा पत्र, कहा

भूमि अधिग्रहण व फॉरेस्ट क्लीयरेंस के मामलों का करें समाधान : नितिन गडकरी

PHOTON NEWS RANCHI : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को खत लिखा है। कहा है कि झारखंड में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास में तेजी लाने के लिए आपके शानदार सहयोग के लिए आभारी हूं। गडकरी ने इसके साथ ही झारखंड में सड़क निर्माण में आ रही बाधाओं का भी उल्लेख किया है और इसके निदान के लिए उचित पहल करने का अनुरोध किया है। मंत्री ने कहा है कि इन मुद्दों पर राज्य के मुख्य सचिव व अन्य वरीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दें, ताकि विकास परियोजनाएं बाधित न हों। गडकरी ने सीएम से व्यक्तिगत पहल का भी अनुरोध किया है। एनएचएआई और विभिन्न हाईवे परियोजनाओं को गति प्रदान करने के लिए सहयोग भी मांगा है।

वन, जमीन व पुलिस की समय पर कार्रवाई नहीं होने से रुक गए हैं हाईवे के 25 प्रोजेक्ट

राजस्व, वन और पुलिस से त्वरित कार्रवाई का अनुरोध

गडकरी ने सीएम का ध्यान कुछ प्रमुख मुद्दों की ओर आकर्षित किया है। राज्य सरकार की विभिन्न विभागों राजस्व, वन विभाग की स्वीकृति, और पुलिस से त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता है। वर्तमान में 25 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ (परिशिष्ट-कक में विवरण) विभिन्न चरणों में रुकी हुई हैं। जमीन अधिग्रहण, मुआवजा वितरण भी समय पर नहीं हो रहा है।

वाराणसी कोलकाता एक्सप्रेसवे के छह पैकेजों का काम शुरू नहीं

गडकरी ने कहा है कि वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेस-वे की छह पैकेजों (कुरु-उदईपुरा पैकेज सहित) का कार्य प्रारंभ नहीं हो सका क्योंकि राजस्व विभाग द्वारा वन स्वीकृति और भूमि हस्तांतरण नहीं हुआ है। ग्यारह चालू और पांच निविदा परियोजनाएं भी वन स्वीकृति, मुआवजा वितरण, और भूमि कब्जा जैसे मुद्दों के कारण रुकी हुई हैं। प्रभावित व्यक्तियों के लिए 1380 करोड़ रुपये के भूमि मुआवजे का वितरण लंबित है। एनएचएआई ने इन मुद्दों के समाधान के लिए बार-बार राज्य प्रशासन से चर्चा की है, लेकिन कई समस्याएं अब भी बनी हुई हैं।

33 परियोजनाओं का काम प्रगति पर

गडकरी ने कहा है की वर्तमान में झारखंड में 33 एनएचएआई परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है, जिनकी लागत 38,500 करोड़ रुपये है। ये परियोजनाएं सुदूर क्षेत्रों में संपर्क बढ़ाने में सहायक हैं। इन परियोजनाओं में चालू, स्वीकृत और वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रस्तावित परियोजनाएं शामिल हैं।

व्यक्तिगत रूप से पहल करने का किया अनुरोध

गडकरी ने सीएम से निवेदन करते हुए कहा है कि आप व्यक्तिगत रूप से इस मामले में हस्तक्षेप करें और भूमि अधिग्रहण व वन स्वीकृति के लंबित मामलों को हल करें। गडकरी ने सीएम से अनुरोध करते हुए कहा है कि वे मुख्य सचिव को सभी संबंधित पक्षों के साथ मासिक बैठक आयोजित करने का निर्देश दें ताकि इन मुद्दों का शीघ्र समाधान हो सके और परियोजनाओं को समय पर पूरा किया जा सके।

चिंताजनक लगातार घट रहे देश के पश्चिमी घाट के जंगल

जंगलों की सेहत बन रही अंधाधुंध शहरीकरण का निवाला

AGENCY NEW DELHI : यदि अंधाधुंध विकास के नाम पर जंगलों की सेहत को बर्बाद करते रहेंगे, तो उसका बुरा नतीजा हमें ही भुगतना पड़ेगा। जंगलों का महत्व पूरे पारिस्थितिक तंत्र को संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण होता है। जंगलों की उपस्थिति से समय पर बारिश होती है, जो हमारे एग्रीकल्चर सिस्टम का आधार है। सबसे बड़ी बात यह है कि जंगल ही वायुमंडल में उपस्थित जहरीले प्रदूषक तत्व कार्बन डाइऑक्साइड को सोखते हैं, ताकि हवा की क्वालिटी सही बनी रहे। हाल के विशेष अध्ययन से यह जानकारी मिली है कि हमारे देश में वन्य जीवन का मुख्य आश्रय स्थल पश्चिमी घाट के घने जंगल बढ़ते शहरीकरण का शिकार हो रहे हैं। यहां देश की 30 फीसदी से ज्यादा वन्य प्रजातियां पाई जाती हैं। ये जंगल वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने में अहम भूमिका निभाते हैं और पश्चिमी घाट की पहाड़ियां भारतीय मानसून के मौसम पैटर्न को प्रभावित करती हैं। लेकिन, अब इनका दायरा सिकुड़ता जा रहा है।

इस इलाके में देश की 30 फीसद से ज्यादा पाई जाती हैं वन्य प्रजातियां

पिछले 10 सालों के दौरान 58.22 वर्ग किमी क्षेत्र में फैले जंगल हो गए गायब

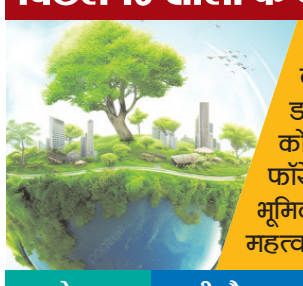

वायुमंडल के कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने में फॉरेस्ट की भूमिका महत्वपूर्ण

- एसओएफआर की रिपोर्ट में दी गई है वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी
- पहाड़ी और ऊंचाई वाले क्षेत्र में भी वनों के क्षेत्रफल का घटना भविष्य के लिए खतरनाक
- पेड़-पौधों के बिना पारिस्थितिक तंत्र को संतुलित बनाए रखना असंभव

नीलगिरी के जंगलों को सर्वाधिक नुकसान

पश्चिमी घाट के आस-पास लगातार शहरीकरण बढ़ रहा है। कृषि विस्तार के साथ सड़क और रेलवे निर्माण के लिए भी जंगलों को काटा जा रहा है। आग लगने के कारण वनों को नुकसान पहुंच रहा है। प्रदूषणकारी उद्योगों, खदानों, और जंगल से सटे क्षेत्रों में बढ़ रहे अवैध निर्माण से भी पश्चिमी घाट को नुकसान पहुंच रहा है। रिपोर्ट के अनुसार तमिलनाडु के नीलगिरी के जंगलों में सबसे अधिक गिरावट देखी गई है। यहां 2013 से 123.44 वर्ग किमी क्षेत्र में फैले जंगल खत्म हो चुके हैं। पुणे में भी 664.9 वर्ग किमी जंगल खत्म हो चुके हैं।

संवेदनशील इलाका

पश्चिमी घाट यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल होने के साथ-साथ दुनिया में जैव विविधता का एक प्रमुख हॉटस्पॉट भी है। यहां के जंगलों में आबनूस, जारूल, बांस, बेंत, सिनकोना और रबड़ जैसे पेड़ पाए जाते हैं। पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार, यह करीब 60,285.61 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है। स्टेट ऑफ फारेस्ट की रिपोर्ट (एसओएफआर) के मुताबिक, पिछले 10 वर्षों के दौरान पश्चिमी घाट से 58.22 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले जंगल गायब हो चुके हैं। पहाड़ी और ऊंचाई वाले क्षेत्र में भी वनों का क्षेत्रफल घटा है।

नहीं रहे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर, 100 साल की उम्र में निधन

NEW DELHI : अमेरिका के 39वें राष्ट्रपति जिमी कार्टर का 100 साल की उम्र में निधन हो गया। वे अमेरिका के सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले राष्ट्रपति रहे। जिमी कार्टर गरीबों व वंचितों की सेवा और उनके अधिकारों की वकालत करने वाले मानवतावादी नेता के रूप में जाने जाते थे। जिमी कार्टर के निधन पर राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शोक व्यक्त करते हुए कहा, अमेरिका और दुनिया ने असाधारण राजनेता और मानवतावादी खो दिया। जिमी कार्टर का जन्म 1 अक्तूबर 1924 को हुआ था। उन्होंने 1977 से 1981 तक संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में कार्यकाल पूरा किया। 100 साल की उम्र तक पहुंचने वाले एकमात्र पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति थे।

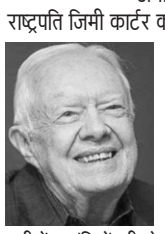

दुश्मन की गतिविधियों पर रखें पैनी नजर

भारत के दुश्मन बाहर भी हैं और अंदर भी : रक्षा मंत्री

BHOPAL @ PTI : सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, सुरक्षा के मोर्चे पर भारत बहुत भाग्यशाली देश नहीं है। हमारी सेना उत्तरी और पश्चिमी सीमा लगातार चुनौतियों का सामना कर रही है। हम शांत, बेफिक्र होकर नहीं बैठ सकते। हमारे दुश्मन, चाहे अंदर हों या बाहर, वे हमेशा एक्टिव रहते हैं। राजनाथ ने आगे कहा कि इन परिस्थितियों में हमें उनकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखनी चाहिए। उनके खिलाफ सही समय पर बेहतर और प्रभावी कदम उठाने चाहिए। रक्षा मंत्री ने ये बातें मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में सेना के जवानों को संबोधित करते हुए कहीं। राजनाथ 200 साल से ज्यादा पुरानी महू छावनी में दो दिन के दौरे पर आए हैं।

- इंदौर दौरे के दूसरे दिन आर्मी वॉर कॉलेज में जवानों को किया संबोधित
- कहा- हम शांत, बेफिक्र होकर नहीं बैठ सकते

गढ़वा विधायक पर एफआईआर, 35 लाख रुपये रंगदारी मांगने का आरोप

ठेकेदार संजय चौबे ने कहा-विधायक ने गाली-गलौज कर काम बंद करने की दी धमकी

AGENCY PALAMU :
गढवा के विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी पर मेराल थाने में एफआईआर दर्ज कराने का मामला रविवार को प्रकाश में आया है। विधायक के अलावा तीसरटेटुका के मुखिया पति जगजीवन राम के विरुद्ध संजय कुमार चौबे ने कथित गाली गलौज करने, धमकी देने और 35 लाख रुपए रंगदारी मांगने का आरोप भी एफआईआर दर्ज कराई है। दोनों के विरुद्ध बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज हुआ है। ठेकेदार संजय चौबे की ओर से दिए गए आवेदन में कहा गया है कि पेशका ऑफिस से बघेसर तक सड़क निर्माण कार्य करा रहे हैं। 27 दिसंबर की दोपहर लगभग ढाई बजे तीसरटेटुका पंचायत के मुखिया पति जगजीवन राम के मोबाइल से उनके पास फोन आया और वे पूछने लगे कि सीमेंट कम्पनी और विभाग से कोई जांच के लिए कोई आया था या नहीं? उनके हां कहने और आगे बातचीत होने के क्रम में गढ़वा विधायक सत्येन्द्र नाथ तिवारी, जो संभवतः उनकी बातें सुन रहे थे, उन्होंने फोन अपने हाथ में लेकर उन्हें गंदी गंदी गाली देने लगे और काम बंद करने की धमकी भी दी।

संजय चौबे ने लिखा है कि पूर्व में भी विधायक सतेन्द्र नाथ तिवारी ने तीसरटेटुका मुखिया पति जगजीवन राम से बात करने के लिए कहा था। जगजीवन राम ने मुझसे मेरे जरिये बनाए जा रहे

विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी

पेशका से बघेसर स्कूल तक रोड निर्माण कार्य का टेंडर राशि करीब सात करोड़ रुपए का पांच प्रतिशत यानी 35 लाख रुपए बतौर रंगदारी विधायक के पास जमा करने को कहा और मेरे मना करने पर सड़क निर्माण काम रोक देने और नहीं रोकने पर बर्बाद करने की धमकी दी थी। विधायक की ओर से काम बंद कराने की धमकी मिलने पर मैं सड़क निर्माण कार्य बंद कर दिया था।

जगजीवन राम ने कई बार विधायक के नाम पर 35 लाख रुपए का डिमांड किया था। विधायक की ओर से पुनः फोन पर धमकी और गाली सुनकर मैं पूरी तरह टूट चुका हूं। मैं तथा मेरे परिवार के सभी सदस्य काफी अपमानित और डरा हुआ महसूस कर रहें हैं और दशहत में जी रहे हैं। इस अपमान और भयादोहन से तंग आकर मेरे दिमाग में कई बार आत्महत्या करने का विचार आ रहा है, क्योंकि इस समय मैं बड़े कर्ज में डूबा हुआ हूं। काम बंद करने के कारण आय पर संकट होने की स्थिति में मेरे पास आत्महत्या के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं रहेगा और इस हालत में इसकी पूरी जिम्मेवारी विधायक सत्येन्द्र नाथ तिवारी की होगी। जगजीवन राम ने मुझे यह भी धमकी दी है कि विधायक का निर्देश है जिसका भी उनके क्षेत्र में काम चल रहा है उनसे पांच प्रतिशत ले रहे हैं, जो नहीं देगा उसको काम नहीं करने नहीं देंगे और हरिजन एक्ट का केस करा कर काम को जांच कराने के बहाने रोकवा देंगे। उग्रवादी के नाम पर मशीन में आग लगवा कर बर्बाद कर देंगे। संजय चौबे ने मुखिया पति जगजीवन व विधायक सत्येन्द्र नाथ तिवारी पर उचित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर उचित कानूनी कार्रवाई करने तथा स्वयं एवं अपने परिवार के जान माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। संजय ने आवेदन के साथ फोन पर दी गई धमकी से संबंधित ऑडियो क्लिप भी पेन ड्राइव में दी है।

इस मामले में पूछे जाने पर थाना प्रभारी विष्णुकांत ने कहा कि संजय चौबे जरिये दिए गए आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर प्रोपर जांच की जा रही है। विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने कहा है कि वह मामले में अनभिज्ञ हैं, जिस ऑडियो की बात की जा रही है, उसमें उनकी आवाज ही नहीं है। यह विरोधियों की साजिश है। साजिश के तहत मिमिक्री की गयी है।

मामले की जानकारी देते एसपी कुमार गौरव ● फोटोन न्यूज

हथियार के साथ गिरफ्तार हुआ भाकपा-माओवादी का नक्सली

AGENCY LATEHAR :
लातेहार एसपी कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना पर पुलिस ने मनिका थाना क्षेत्र के दुंदु जंगल के पास छापेमारी अभियान चलाकर भाकपा माओवादी नक्सली चंद्रदेव सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इस दौरान दो अत्यधिक एके-47 राइफल, 91 गोलियां सहित अन्य सामान भी बरामद किया है। गिरफ्तार नक्सली चंद्रदेव सिंह मनिका थाना क्षेत्र के कुई गांव का रहने वाला है। गिरफ्तार नक्सली चंद्रदेव सिंह माओवादी कमांडर छोटू खरवार की हत्याकांड का भी अभियुक्त है। सोमवार को प्रेस वार्ता करते हुए एसपी कुमार गौरव ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि माओवादियों का एक दस्ता मनिका थाना क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में किसी घटना को अंजाम देने के लिए भ्रमणशील है।

सूचना के बाद डीएसपी के नेतृत्व में टीम गठित की गई और नक्सलियों के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाई गई। हालांकि पुलिस को आता देखकर नक्सली जंगल का लाभ उठाकर भागने लगे। भागने के क्रम में ही पुलिस ने चंद्र देव सिंह को गिरफ्तार कर लिया। बाद में सर्च अभियान चलाया गया तो घटनास्थल से दो एके-47 राइफल, 91 गोलियां सहित अन्य सामान भी बरामद किए गए।

BRIEF NEWS

हटाए गए हजारीबाग के एसडीओ

RANCHI : हजारीबाग के अनुमंडल पदाधिकारी अशोक कुमार को प्रशासनिक कारणों से स्थानांतरित किया गया है। वहीं स्थानांतरण के फलस्वरूप उन्हें कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग झारखण्ड में योगदान देने को कहा गया है। झारखण्ड सरकार के कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, तीन घायल

CHATRA : टंडवा में सोमवार को थाना क्षेत्र के टंडवा-पिपरवार मुख्य पथ पर स्थित मंडेर गांव के समीप अज्ञात कोल वाहन के चपेट में आने से बाईक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को टंडवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया। जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हजारीबाग रेफर कर दिया गया है। घटना में घायल तीनों युवकों की पहचान मंडेर निवासी विष्णु उरांव, रंजीत उरांव एवं अमन उरांव के रूप में की गई। मिली जानकारी के अनुसार तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर अपने घर की ओर जा रहे थे। तभी विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात कोल वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों और परिजनों ने सीसीएल और एनटीपीसी प्रबंधन के विरुद्ध नाराजगी व्यक्त करते हुए मुआवजे की मांग को लेकर टंडवा-पिपरवार मुख्य सड़क को जाम कर दिया है।

चेकिंग में पकड़े गए 32 वाहन, वसूला जुर्माना

LATEHAR : उपायुक्त के आदेशानुसार जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा रविवार को को बालूमाथ थाना अंतर्गत मकियाटांड़ पिकेट के पास व

रविवार को मनिका थाना के पास दोपहिया व चारपहिया वाहनों की जांच की गई। इसमें कुल 86 वाहनों की जांच की गई, जिसमें 32 वाहन मालिकों से एक लाख पांच हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। लातेहार जिला अंतर्गत दिसंबर में सड़क दुर्घटना व उसमें मृत्यु की वद्धि हुई है, जिसकी रोकथाम के लिए जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसमें बगैर हेलमेट, बगैर सीटबेल्ट, ड्रंक एंड ड्राइव करने वाले वाहन चालकों की जांच की जा रही है। इस दौरान दोषी चालकों का चालान काटा जा रहा है।

आनंद स्वांसी को समाज ने दी श्रद्धांजलि

KHUNTI : अमर शहीद भगवान बिरसा मुंडा के गुरु आनंद स्वांसी के समाधि पत्थर पर सोमवार को पुष्प अर्पित की गयी। स्वांसी समाज के लागों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। स्वांसी समाज के महिला-पुरुषों ने उनके व्यक्तित्व को नमन किया। मौके परं गुरु आनंद स्वांसी के वंशज के अलावा रांची जिला कमेटी के विश्वकर्मा स्वांसी, नारायण स्वांसी, राहुल स्वांसी, सुनिता स्वांसी, रंथु स्वांसी, हिरामुनी स्वांसी, संजना स्वांसी, राजेश स्वांसी, लक्ष्मण स्वांसी आदि मौजूद थे।

समाहरणालय सभागार में बैठक करते उपायुक्त चंदन कुमार ● फोटोन न्यूज

देश के विकास में सहकारिता का बहुत बड़ा योगदान : डीसी

RAMGARH : सहकार से समृद्धि योजना अंतर्गत मत्स्यजीवी और दुग्ध उत्पादक सहयोग समितियां एवं कम्प्यूटराइजेशन ऑफ पैक्स पर सोमवार को जिला समाहरणालय के सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान डीसी चंदन कुमार ने कहा कि देश के विकास में सहकारिता का बहुत बड़ा योगदान होना है, पैक्स के माध्यम से विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। लेकिन इसे और भी गति देने के लिए कंप्यूटराइजेशन बेहद जरूरी है। मौके पर उन्होंने कार्यशाला में उपस्थित सभी को बताई जा रही बातों को ध्यानपूर्वक सुनते एवं जल्द से जल्द सभी पैक्स, सहकारी समितियों का कंप्यूटराइजेशन सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। कार्यशाला के दौरान जिला सहकारिता पदाधिकारी मनोज कुमार के द्वारा जानकारी दी गई की सहकार से समृद्धि योजना के तहत योजनाबद्ध तरीके से जिले के सभी पैक्सों का कंप्यूटराइजेशन किया जाना है। इसके उपरांत पैक्स के जरिये किए जाने वाले सभी कार्यों की विभिन्न स्तरों पर मॉनिटरिंग की जा सकेगी।

एमआरएमसीएच में मैनपावर की कमी तीन दिनों में करें दूर, कल से बायोमीट्रिक अटेंडेंस : वित्त मंत्री

AGENCY KHUNTI :
संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सोमवार को मेदिनीनगर के सर्किट हाउस में मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल को लेकर हुई बैठक में सफाई को लेकर विशेष रूप से चर्चा की। पाया गया कि 300 बेड वाले एमआरएमसीएच में 135 सफाई कर्मियों को तीन शिफ्ट में लगाना है लेकिन यहां मात्र 51 कर्मी ही कार्यरत हैं। दिसंबर 2024 तक 47 कर्मियों की ही हाजिरी बनी हुई पाई गई। इसके बाद मंत्री मैनपावर देने वाली कंपनी बालाजी पर भड़क गए और उन्होंने तीन दिनों के भीतर सरकार के एग्रीमेंट के अनुसार 135 कर्मियों को एमआरएमसीएच में लगाने का निर्देश दिया। मंत्री ने यह भी कहा कि एक जनवरी से सारे कर्मियों की अटेंडेंस बायोमीट्रिक बनेगी और उसके अनुसार भुगतान किया जाएगा। जो 47 कर्मी पाए गए, उन्हें भी उचित मजदूरी नहीं मिल रही है। इस मामले में श्रम अधीक्षक को जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री ने कुछ दिन पहले एमआरएमसीएच का औचक निरीक्षण किया था और कई मामलों में सुधार करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया था। इसी के आलोक में मंत्री ने जिले के सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार, डॉक्टर आरके रंजन, एमआरएमसीएच के प्रिंसिपल, नगर आयुक्त मोहम्मद जावेद हुसैन, एडिशनल कलेक्टर, श्रम अधीक्षक और बालाजी कंपनी के सुपरवाइजर के साथ बैठक की।

मंत्री ने यह भी कहा कि बैठक के दौरान सामने आया कि जून 2024 से आयुष्मान में भुगतान नहीं हो पाया है। इस कारण आयुष्मान के रोगियों को स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिल पा रही है। रांची जाकर आयुष्मान के अधिकारियों से बात की जाएगी और एक सप्ताह के भीतर भुगतान करने की कोशिश होगी, ताकि आयुष्मान कार्ड के आधार पर इलाज कराने वाले रोगियों को आर्थिक लाभ मिल सके। वित्त मंत्री ने एमआरएमसीएच परिसर में पुलिस फोर्स की तैनाती करने का निर्देश दिया है। पुलिस से रिलेटेड चाहे पोस्टमार्टम का मामला हो या फिर डॉक्टर को सुरक्षा देने का, सभी में अस्पताल में कार्यरत पुलिसकर्मी ही कार्य करेंगे। अस्पतालकर्मियों को पुलिस केस में थाने का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। अस्पताल में पुलिस की मौजूदगी के लिए मंत्री ने पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन से बात की और जल्द से जल्द पदाधिकारी और जवानों की तैनाती करने का निर्देश दिया।

बैठक करते वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ● फोटोन न्यूज

भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब बरामद, एक गिरफ्तार

AGENCY PALAMU :
नव वर्ष पर शराब के अवैध व्यापार को देखते हुए उत्पाद विभाग की ओर से कार्रवाई तेज की गई है। इसी क्रम में पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र में कार्रवाई कर भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब बरामद किया गया है। विभाग ने छापेमारी कर 45.810 लीटर नकली विदेशी शराब बरामद करते हुए इस गोरख धंधे में शामिल एक आरोपित को गिरफ्तार किया है, जबकि दो फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मनातू बाजार निवासी पवन कुमार गुप्ता (28) के रूप में हुई है। जबकि फरार आरोपित प्रिंस कुमार और मनीष कुमार शामिल हैं। उत्पाद विभाग की ओर से सोमवार सुबह बताया गया कि

नकली विदेशी शराब के साथ पुलिस पदाधिकारी व आरोपी ● फोटोन न्यूज

रविवार को गुप्त सूचना मिली थी कि जिले के मनातू बाजार में मनीष कुमार एवं पवन कुमार गुप्ता के घर पर नकली शराब तैयार की जा रही है और उसे नव वर्ष के मौके पर खपाने की तैयारी है। सूचना के आलोक में उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक अनूप प्रकाश और गृह रक्षकों के दल ने मनातू बाजार में छापेमारी की। यहां से नकली विदेशी शराब इंपीरियल ब्लू व्हिस्की एवं बी सात ब्रांड की शराब एवं भारी मात्रा में खाली बोतल बरामद हुई। मौके से पवन कुमार गुप्ता को गिरफ्तार किया गया, जबकि प्रिंस और मनीष भागने में सफल रहे। उत्पाद विभाग ने बताया कि खाली शराब की बोतले 500 पीस बरामद की गई है। बड़े पैमाने पर शराब बनाने की तैयारी थी, लेकिन उसके पहले ही तस्करों के मंसूबे को विफल कर दिया गया। इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

एसडीओ के विरुद्ध एसआईटी हुई गठित

HAZARIBAG : हजारीबाग सदर एसडीओ अशोक कुमार पर लोहसिंघना थाना में हत्या का मामला दर्ज करते ही एसआईटी का गठन किया गया है। सोमवार शाम पुलिस की टीम ने उनके सरकारी आवास पर जाकर गहन जांच किया। टीम में अमित आनंद, नंदकिशोर साह, संदीप कुमार, सुनील कुमार मेहता, विपिन कुमार, राहुल कुमार का नाम शामिल है। उल्लेखनीय हो कि लोहसिंघना थाना में कांड संख्या 235/24 के तहत पत्नी अनिता कुमारी को जलाकर मारने का मामला दर्ज किया गया है। एसडीओ अशोक कुमार पर उनके साला राजू साव ने अपनी बहन को गत 26 दिसंबर की सुबह आग लगाकर जला देने का मामला दर्ज कराया था। काफी हंगामे के बाद प्रशासन हरकत में आई और कार्रवाई शुरू कर दी है।

अफीम की अवैध खेती के खिलाफ प्रशासन ने चलाया व्यापक अभियान

फसल नष्ट करने पहुंचे प्रशासनिक पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

KHUNTI : उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर, जिले में अफीम की अवैध खेती के खिलाफ सोमवार को व्यापक अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कर्रा, अड़की सहित अन्य प्रखंड में अफीम की अवैध खेती को नष्ट करने की कार्रवाई की गई। जिला प्रशासन ने ट्रैक्टर और अन्य संसाधनों का उपयोग कर इन फसलों को पूरी तरह से नष्ट किया। इस कार्रवाई में अंचल अधिकारी, पुलिस पदाधिकारी समेत अन्य विभागीय अधिकारी शामिल थे। प्रशासन ने इस अभियान के माध्यम से अवैध खेती करने वालों को कड़ा संदेश दिया कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को जिले में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अफीम की अवैध खेती मामले में संलिप्त लोगों को चिह्नित कर एफआइआर सहित अन्य कार्रवाई का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने आम जनता से अपील की है कि वे अवैध गतिविधियों की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें, ताकि जिले को अपराधमुक्त बनाया जा सके।

मकर संक्रांति को लेकर पूरे राज्य में अभी से बिकने लगे तिल से बने सामान

बाजार में फैल रही तिलकुट की सोंधी खुशबू

PHOTON NEWS HAZARIBAG :
मकर संक्रांति की दस्तक के साथ ही झारखंड के रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग सहित अन्य जिलों में तिलकुट की खुशबू बाजारों में फैल गई है। ठंड के इस मौसम में तिलकुट की मांग अपने चरम पर है। बिहार से आए कुशल कारीगरों की सहायता से यहां बड़े पैमाने पर तिलकुट तैयार किया जा रहा है। दुकानों और बाजारों में तिलकुट बनते हुए देखना एक अद्भुत अनुभव है। संक्रांति के पारंपरिक भोजन चूड़ा-दही के साथ तिल खाने की परंपरा को निभाने के लिए लोग तिलकुट की खरीदारी में जुटे हैं।

तिलकूट बनाने में जुटे कारीगर ● फोटोन न्यूज

परंपरा और स्वाद का संगम

मकर संक्रांति के इस अवसर पर तिलकुट की खुशबू और स्वाद झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत बनाते हैं। हर दुकान पर ग्राहकों की भीड़ और तिलकुट की मिठास के साथ त्योहार की उमंग और भी बढ़ जाती है। मकर संक्रांति, टुसू, पोंगल आदि को लेकर बाजार में चूड़ा के साथ खजूर व ईख के गुड़ का बाजार भी सज गया है। वहीं इस अवसर को खास बनाने के लिए तमाम डेयरी कंपनियों ने भी खासी तैयारी की है। वे करीब एक सप्ताह से मिल्क पाउडर का संग्रह कर रहे हैं और उसे तरल दूध में परिवर्तित करके स्टोर भी कर रहे हैं।

तिलकुट की कीमत और विकल्प

व्यापारियों के अनुसार, इस बार तिलकुट की कीमत 175 रुपये से लेकर 500 रुपये प्रति किलो तक है। हर साल की तरह इस बार भी शुगर के मरीजों के लिए शुगर-फ्री तिलकुट उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा बादाम पट्टी और बादाम लड्डू भी ग्राहकों के बीच लोकप्रिय हैं।

थोक और खुदरा व्यापार की सुविधा

झारखंड के विभिन्न बाजारों में तिलकुट का व्यापार थोक और खुदरा दोनों रूपों में किया जा रहा है। यहां की दुकानों से न केवल स्थानीय ग्राहकों बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी तिलकुट की आपूर्ति की जाती है।

एकतरफा प्रेम में लड़की का अपहरण करने का प्रयास, छह गिरफ्तार

KODERMA : एकतरफा प्रेम में लड़की का अपहरण करने के प्रयास में छह लोग गिरफ्तार किये गये हैं। साथ ही देसी कट्टा और गोली बरामद किया गया है। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने सोमवार को बताया कि 29 दिसंबर को उन्हें सूचना मिली थी कि मरकच्चो थाना क्षेत्र के गगरेसिंगा में हथियार के बल पर एक लड़की का अपहरण करने का प्रयास किया गया है। इस मामले में मरकच्चो थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए स्कॉर्पियो वाहन से भाग रहे छह अपराधियों को पकड़ा गया। पकड़े गए अपराधियों से पूछताछ करने पर मामला एक तरफा प्रेम प्रसंग का पाया गया। अपराधी के जरिये हथियार के बल पर लड़की का अपहरण कर शादी करना चाह रहे थे। जबकि अपराधी पूर्व से शादीशुदा है एवं उसकी पत्नी उसे छोड़कर चली गई है। मुख्य अपराधकर्मी मनोज कुमार सिन्हा पीड़िता की दीदी का देवर है। पकड़े गए अपराधी दीपू कुमार सिन्हा के पास से एक जिंदा गोली, मनोज कुमार सिन्हा के पास से दो चिली पाउडर स्प्रे एवं पकड़े गए अपराधियों के निशानदेही पर एक देसी कट्टा और एक जिंदा गोली बरामद किया गया।

परेड व ड्रिल में शामिल हुए पदाधिकारी एसपी ने पुलिस मीट में सुनी समस्या

AGENCY RAMGARH :
झारखंड के डीजीपी के निर्देश पर रामगढ़ पुलिस केंद्र में सोमवार को परेड और ड्रिल का आयोजन किया गया। यह आयोजन पुलिस पदाधिकारी वह कर्मियों में अनुशासन एवं उनकी शारीरिक दक्षता को बनाए रखना के लिए हुआ। इस मौके पर एसपी अजय कुमार ने परेड और ड्रिल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि अब साप्ताहिक परेड और पुलिस मीट आयोजित की जानी है। परेड में जिले के पुलिस पदाधिकारी, कर्मियों, सभी थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी और जवानों ने हिस्सा लिया। परेड की समाप्ति के बाद एसपी ने पुलिस मीट आयोजित की। इस दौरान वहां मौजूद पुलिस पदाधिकारी और जवानों ने अपनी समस्याएं रखी। इसमें मुख्य रूप से पुलिस लाइन में प्रतिनियुक्ति पुलिस पदाधिकारी को अन्यत्र थाना और ओपी में प्रतिनियुक्त करने, पुलिस केंद्र के बैरक की मरम्मती, पुलिस क्लब के निर्माण, मरम्मती और शौचालय निर्माण के लिए आग्रह किया गया। यहां एसीपी और एमएसीपी का लाभ प्रदान करने के लिए मनोनयन भेजने, सभी थानों और ओपी में सीएनओ को बदली करने का अनुरोध पदाधिकारियों ने किया। रामगढ़, बरलंगा, कुजू, वेस्ट बोकारो ओपी के पदाधिकारियों ने एस्कॉर्ट के लिए अतिरिक्त वाहन की मांग रखी। विभिन्न थाना प्रभारी ने थाने में अतिरिक्त पदाधिकारियों के पदस्थापन करने , सभी थानों में महिला पुलिस पदाधिकारियों की पदस्थापना करने, गार्ड बदली, पुलिस केंद्र में नया बैरक निर्माण करने और समय से कमान बदली करने जैसी समस्याओं को रखा गया। एसपी ने सारी समस्याओं को प्राथमिकता के तौर पर निवारण करने का आश्वासन दिया। पुलिस पदाधिकारी ने बेहतर पुलिस केंद्र निर्माण की बात एसपी के समक्ष रखी। इस मुद्दे पर एसपी अजय कुमार ने कहा कि 21 करोड़ रुपये का आवंटन पुलिस केंद्र के निर्माण के लिए किया गया है।

पुलिस जवानों को संबोधित करते एसपी अजय कुमार ● फोटोन न्यूज

BRIEF NEWS

रेलवे ने रांची और हटिया से चलने वाली 40 ट्रेनों का बदला टाइम टेबल

RANCHI : रांची रेल डिविजन से चलने वाली 40 ट्रेनों के आगमन-प्रस्थान के समय में बदलाव किया गया है। इसका टाइम टेबल जारी कर दिया गया है। डिविजन की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया है कि रेलवे की बुनियादी सुविधाओं में बढ़ोतरी हो रही है। हाल के दिनों में इन विकास कार्यों के परिणामस्वरूप विभिन्न महत्वपूर्ण गंतव्यों के लिए ट्रेनों के संचालन की समीक्षा के बाद रांची रेल डिविजन से चलने वाली ट्रेनों के रांची और हटिया स्टेशन से प्रस्थान-आगमन समय में परिवर्तन किया गया है। यह परिवर्तन पहली जनवरी 2025 से लागू होगा।

सबसे बड़े राधा-कृष्ण मंदिर का पोस्टर विमोचन

RANCHI : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल की अध्यक्षता में ट्रस्ट के प्रधान कार्यालय शिवगंज हरमू रोड में पोस्टर विमोचन हुआ। 5 जनवरी 2025 को अरगोड़ा पुंदाग मे उद्घाटन हगा।राज्य का सबसे बड़ा राधा- कृष्ण मंदिर श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम मंदिर का उद्घाटन की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल सचिव मनोज चौधरी ने बताया कि श्री कृष्ण प्रणामी शिव धाम मंदिर का उद्घाटन 5 जनवरी को सुबह 10 बजे होगा। कहा कि यह उदघाटन ट्रस्ट के संस्थापक संत शिरोमणि स्वामी, श्री सदानंद जी महाराज के द्वारा कर कमलों द्वारा तथा प्रणामी समाज के संत महात्माओं की उपस्थिति मे होगा। 5 से 8 जनवरी तक चार दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा शुरू होगी। वाणी चर्चा एवं बीतक कथा का भी होगा।

मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती 3 को

RANCHI : मुंडा सभा केंद्रीय समिति के तत्वावधान में सोमवार को केंद्रीय कार्यालय डिबडीह में बैठक हुई। नवीन मुण्डु की अध्यक्षता वाली बैठक में निर्णय लिया गया कि तीन जनवरी को मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा का जंयती मनाई जाएगी। सबसे पहले मरांग गोमके जयपाल सिंह मुण्डा स्टेडियम में उनके तीनों प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया जाएगा। उसके बाद सिरोम टोली स्थित मरंग गोमके जयपाल सिंह मुण्डा चौक पर उनकी तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की जायेगी। मौके पर महासचिव बिलकन डांग, सुभाष कोनगाड़ी, प्रभु सहाय सांगा समेत अन्य शामिल थे।

एसडीओ रैंक के 8 आइएएस अधिकारियों को मिली प्रोन्नति

RANCHI : राज्य सरकार ने एसडीओ रैंक के आठ आइएएस अफसरों को सीनियर टाइम स्केल में प्रोन्नति दी है। प्रोन्नति पाने वाले अफसरों में शताब्दी मजूमदार, उत्कर्ष कुमार, आशीष गंगवार, श्रीकांत यशवंत, ओमप्रकाश गुप्ता, सन्नी राज, अनिमेश रंजन और रिया सिंह शामिल हैं। इस संबंध में कार्मिक ने आदेश जारी कर दिया है।

न्यू ईयर को लेकर पुलिस अलर्ट, ड्रिंकिंग कर वाहन चलाने पर पाबंदी

SUHAIB ANSARI@RANCHI :

न्यू ईयर सेलिब्रेशन को लेकर पूरी राजधानी तैयार है। क्लब, पब, होटल, पार्क, रेस्टोरेंट, रिजॉर्ट में नए साल की तैयारी चल रही है। युवाओं में खासा उत्साह है। इधर, नए साल पर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट हो गई है। पुलिस ने जांच अभियान तेज कर दिया है। देर रात तक पुलिस शहर की विभिन्न जगहों पर जांच अभियान चला रही है। इस दौरान में रोड, रातू रोड सहित कई इलाकों में एंटी क्राइम और एंटी अल्कोहल चेकिंग अभियान विशेष रूप से चलाया गया। साथ ही कई बार और रेस्टोरेंट को भी चेक किया गया। इस दौरान कोतवाली डीएसपी, सिल्ली डीएसपी सहित लोअर बाजार थानेदार, कोतवाली थानेदार मौजूद रहे। नए साल को ध्यान में रखते हुए मेन रोड में पैदल गश्त भी किया जा रहा है।

देर रात तक पुलिस चला रही अभियान, ब्रेथ एनालाइजर के जरिए हो रही जांच, पुलिस ने की अनेक बार और रेस्टोरेंट की चेकिंग

अब तक 2300 वाहन चालकों की हो चुकी जांच

न्यू ईयर सेलिब्रेशन करते समय होश न खोएं, नहीं तो लेने के देने पड़ जाएंगे। अगर शराब का सेवन कर वाहन चलते पकड़े गए तो आपका वाहन जब्त होगा और जुमार्ना लगेगा ही, आपको भी कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा। पुलिस ब्रेथ एनालाइजर के जरिए नशे में वाहन चलने वालों की जांच कर रही है। अब तक 2300 वाहन चालकों की जांच हो चुकी है। इस दौरान 25 वाहनों को जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने यह कारवाई इसलिए कि क्योंकि इन वाहन को चलानेवालों ने मात्रा से अधिक शराब पी हुई थी।

हर ओर पुलिस की पैनी नजर

नए साल के जश्न के दौरान नशे में वाहन चलानेवालों पर पुलिस की पैनी नजर है। विभिन्न चौक चौराहों पर चेकिंग शुरू कर दी गई है। ब्रेथ एनालाइजर से वाहन चलानेवालों की जांच की जा रही है। 100 एमएल खून में 30 एमजी से अधिक अल्कोहल की मात्रा पाए जाने पर स्ट्रिक्ट एक्शन लिया जाएगा। इसके बाद जुमार्ना और अभियोजन की कार्रवाई होगी। इसका उद्देश्य सड़क हादसों को कम करना है।

इतनी मात्रा में अल्कोहल पाए जाने पर होगी कार्रवाई

प्रति 100 एमएल ब्लड में 0.3 प्रतिशत या 30 एमजी से ज्यादा की मात्रा में अल्कोहल पाया जाएगा तो मोटर व्हीकल एक्ट सेक्शन 185 के तहत जुमार्ना और सजा दोनों का प्रावधान है। पहली बार शराब का सेवन कर वाहन चलाते पकड़े जाने पर 10 हजार का जुमार्ना और 6 महीने सजा का प्रावधान है। तीन साल के अंदर अगर फिर शराब का सेवन कर पकड़े गए तो 15 हजार जुमार्ना और 2 साल तक की जेल हो सकती है। नए साल में सुरक्षा को लेकर रांची पुलिस पूरी तरह तैयार है। जश्न के रंग में भंग न पड़े, इसके लिए थाना प्रभारियों को चौकस रहने का निर्देश दिया गया है। लोगों की सुरक्षा के लिए हर चौक चौराहों पर प्रशासन की ओर से पुलिसकर्मियों को तैनात किया जा रहा है। नियम की अनदेखी करनेवालों पर सख्त

कार्रवाई की जाएगी। बाइक और कार की रेस ड्राइविंग करनेवालों पर रांची पुलिस पैनी नजर रखे हुए है। पुलिस ने साफ कहा है कि अगर कोई भी इस ड्राइविंग करते पकड़ा गया, तो उसका वाहन जब्त कर लिया जाएगा। साथ ही वाहन चलाने वाले पर भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नए साल में इन बातों का भी रखें ध्यान

न्यू ईयर सेलिब्रेशन के अवसर पर युवाओं के पास कई विकल्प हैं। युवतियां अपनी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। घर से निकलते वक्त परिजनों को पार्टी वेन्यू की सही जानकारी दें। वेन्यू में बदलाव भी हो तो, परिवार को इसकी जानकारी जरूर साझा करें। देर रात तक अकेले घर से निकलने से बचें। नए साल की जश्न में अल्कोहल से दूरी बनाए रखें। सड़कों पर देर रात तक शोर-गुल करने से बचें। सड़क पर ट्रैफिक नियमों का पालन करें।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कृषि भवन का किया निरीक्षण, कहा-

एक एकड़ से कम वाले निजी तालाब का भी होगा जीर्णोद्धार

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड सरकार ने एक एकड़ से कम क्षेत्रफल वाले निजी तालाबों के जीर्णोद्धार की योजना को मंजूरी दे दी है। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कांके कृषि भवन में औचक निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को यह निर्देश दिया कि अगले वित्तीय वर्ष से निजी तालाबों के जीर्णोद्धार के दौरान एक तरफ से सीढ़ी का निर्माण भी अनिवार्य किया जाएगा। वर्तमान में केवल 1 से 5 एकड़ क्षेत्रफल वाले तालाबों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। इस नई योजना से छोटे तालाबों का भी जीर्णोद्धार संभव हो सकेगा। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने यह भी कहा कि कृषि विभाग सब्जियों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (टरढ) तय करने के लिए काम कर रहा है, ताकि स्थानीय किसानों को घाटे से बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि कुछ व्यापारी दूसरे राज्यों से आकर सब्जियों के दाम घटा देते हैं, जिससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ता है। मंत्री ने कृषि भवन में

- अगले वित्तीय वर्ष से एक तरफ से सीढ़ी का अनिवार्य रूप से किया जाएगा निर्माण
- मंत्री की उपस्थिति के दौरान आधे से अधिक कर्मी थे छुट्टी पर, जताई नाराजगी

कांके कृषि भवन में औचक निरीक्षण करतीं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की। ● फोटोन न्यूज

अधिकारियों और कर्मियों के अवकाश पर जाने को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि त्योहारों और छुट्टियों का असर कार्यों पर नहीं पड़ना चाहिए। मंत्री ने कहा कि जब मैं यहां पहुंची तो 50 प्रतिशत कर्मी और अधिकारी 15 से 20 दिन के अवकाश पर थे। यह सरकार की कार्य संस्कृति को प्रभावित करता है। मंत्री ने जैविक खेती, पैकेजिंग और शॉर्टिंग के मामलों में सुधार की आवश्यकता जताई। वहीं जेएसएलपीएस के पलाश ब्रांड का उदाहरण देते हुए कहा कि दूसरे विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों को यहां भी लागू किया जा सकता है। इसके साथ ही मंत्री ने उद्यान विभाग को निर्देश दिया कि 27 एकड़ में बनने वाली हाई-टेक नर्सरी से स्थानीय 2-3 हजार ग्रामीणों को रोजगार मुहैया कराया जाए। यह कदम पलायन रोकने में मदद करेगा और ग्रामीणों को उनके घर के पास रोजगार का अवसर मिलेगा।

मांगों को लेकर रिनपास के सिक्योरिटी गार्डों ने निदेशक का किया घेराव

RANCHI : कांके स्थित रिनपास में आउटसोर्स पर कार्यरत सैकड़ो सिक्योरिटी गार्ड सोमवार को अपनी मांगो को लेकर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष संजर खान के नेतृत्व में रिनपास निदेशक कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान सिक्योरिटी इंचार्ज डॉक्टर भुवन ज्योति से वार्ता के दौरान आंदोलन कर रहे सिक्योरिटी गार्ड और डॉ. भुवन ज्योति के बीच धक्कामुक्की भी हुई। जानकारी मिलने पर स्थानीय विधायक सुरेश बैठा भी आंदोलन कर रहे कर्मियों की मांग सुनने रिनपास पहुंचे। मौके पर विधायक सुरेश बैठा ने कर्मियों द्वारा आरोप लगा रहे विनय सिंह को आंदोलनकारियो के समक्ष बुलवा कर फटकार लगाई। मौके पर मौजूद सिक्योरिटी गार्डों ने रिनपास प्रबंधक पर आरोप लगाते हुए कहा कि कई वर्षों से हम लोग रिनपास में आउटसोर्सिंग से सिक्योरिटी गार्ड में कार्य कर रहे हैं, लेकिन रिनपास प्रबंधक हम लोगों से सिक्योरिटी गार्ड के अलावा वार्ड अटेंडेंट का भी कार्य करवाते आ रही हैं। हम लोगों ने भी इसी उम्मीद से कार्य किया कि जब वार्ड अटेंडेंट की बहाली कि जाएगी तो हम लोगों को पहली प्राथमिकता दी जाएगी।

रांची में बिल्ली की मौत पर हुई एफआईआर, जहर देकर मारने का लगाया गया आरोप

PHOTON NEWS RANCHI :

- बहुबाजार के सत्यनारायण शर्मा ने लोअर बाजार थाना में दर्ज कराया मामला

राजधानी रांची में एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। यहां बिल्ली की मौत पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। मामला रांची के लोअर बाजार थाना में दर्ज कराया गया है। अब यह मामला चर्चा का विषय बन गया है। शहर के लोग इसे लेकर तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। वहीं एफआईआर में यह भी लिखा गया है कि एक बिल्ली और उसका एक बच्चा भी लापता है। साथ ही बिल्लियों का पोस्टमार्टम कराने की भी मांग की गई है। यह मामला रांची के बहुबाजार निवासी सत्यनारायण शर्मा की बेटी कीर्ति शर्मा और नम्रता शर्मा ने दर्ज कराया है। एफआईआर में इन्होंने लिखा है कि उनकी तीन बिल्लियों की अचानक मौत हो गई है। आरोप लगाया है कि बिल्ली सहित उसके बच्चों को किसी ने जहर देकर मार दिया है।

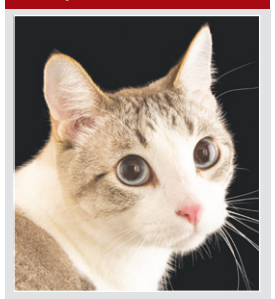

परिवार जैसा था रिश्ता

कीर्ति शर्मा और नम्रता शर्मा ने बताया है कि बिल्ली और उसके बच्चों के उनका परिवार जैसा रिश्ता बन गया था। रात में सोने के समय सभी को चाहरदीवारी के पास रख दिया गया था। किसी ने वहां खाने के साथ जहर मिलाकर रख दिया। इसे खाकर सभी बिल्लियों की जान चली गई। सभी बिल्लियों को पशु के डॉक्टर के पास ले जाने पर बताया गया कि इनकी मौत जहर खाने की वजह से हुई है।

निगम ने कामर्शियल प्रतिष्ठानों को भेजा नोटिस, तीन दिनों का दिया गया समय

PHOTON NEWS RANCHI :

रांची नगर निगम ने शहर के कामर्शियल प्रतिष्ठानों के मालिकों को नोटिस जारी किया है। वहीं उन्हें तीन दिन का समय दिया है। इस दौरान वे अपना पार्किंग स्थल चिह्नित नहीं करते हैं, तो उनके भवन को सील किया जाएगा। इतना ही नहीं एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए भवन को ध्वस्त भी करने का प्रावधान है। बता दें कि शहर के ज्यादातर कामर्शियल प्रतिष्ठानों के पास पार्किंग है, लेकिन वे इसका इस्तेमाल किसी और काम के लिए कर रहे हैं। ऐसे में वाहनों की पार्किंग बेतरतीब ढंग से की जाती है। इससे हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। नोटिस में लिखा गया है कि प्रतिष्ठान संचालक अपने भवन के पास पार्किंग के लिए जगह चिह्नित करे लें। साथ ही अपने वाहनों को पार्किंग स्थल पर ही पार्क करें और निर्धारित पार्किंग स्थान का गलत उपयोग करने से बचें। बता दें कि कई कामर्शियल प्रतिष्ठान अपनी पार्किंग का अन्य कार्यों में उपयोग कर रहे हैं। जिससे सड़क पर वाहनों की पार्किंग और ट्रैफिक में बाधा उत्पन्न हो रही है। साथ ही कई दुकानदारों द्वारा अपने सामान को दुकान के बाहर रखकर व्यवसाय करने से भी दिक्कतें आ रही हैं। ये झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 और बिल्डिंग प्लान एक्ट का उल्लंघन है।

पार्किंग के लिए तय जगह को खाली करने का आदेश

भवनों को किया जाएगा ध्वस्त

रांची नगर निगम ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि प्रतिष्ठान मालिकों ने तीन दिनों के अंदर अपने वाहनों को चिन्हित पार्किंग स्थल पर ही पार्क नहीं किया और पार्किंग स्थल का अन्य कार्यों के लिए उपयोग करना जारी रखा तो निगम उनके भवन को सील करेगा। इसके बाद भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई करेगा। नोटिस में ये भी कहा गया है कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित रखने के लिए ये कदम उठाए जा रहे है। कामर्शियल प्रतिष्ठानों से इस काम में सहयोग की अपील की है, ताकि शहर में यातायात और सफाई व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाया जा सके।

बाजारटांड़ स्थित दुकानों के किराया विवाद का स्थायी समाधान जरूरी : चैंबर

RANCHI : झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स ने नगर निगम प्रशासक संदीप सिंह को पत्राचार किया। चैंबर ने पत्राचार के माध्यम से बाजारटांड स्थित दुकानों के किराया से जुड़े विवाद के स्थायी समाधान करने के संबंध में कहा। किराया समाधान योजना प्रस्तावित करने के लिए वर्षों से बनी इस समस्या के समाधान के लिये चैंबर भवन में बैठक की। जिसमें कहा गया कि अपर बाजार स्थित बाजारटांड में आवंटित दुकानों में अतिरिक्त संरचना निर्माण के कारण किराया, ब्याज व उस पर फाइन की दर जुड़ते-जुड़ते बहुत अधिक हो गई है। जिस कारण यह मामला जटिल हो चुका है। लाइसेंसधारी के निधनोपरांत या परिवार के सदस्य के अलग होने की स्थिति में दुकान के नाम हस्तांतरण के साथ ही दुकानदारों की अन्य कठिनाइयां भी हैं, जिसकी विभागीय समीक्षा जरुरी है। चैंबर के कार्यकारिणी सदस्य अमित शर्मा ने कहा कि तत्कालीन समय में नगर निगम द्वारा आय में वृद्धि के उद्देश्य से दुकानदारों को केवल भूमि का आवंटन किया गया था। जिसमें व्यापारियों ने स्वयं के खर्च से संरचना निर्माण किया।

डीसी स्तर के सात आईएएस अफसरों को मिला प्रमोशन

PHOTON NEWS RANCHI :

भारतीय प्रशासनिक सेवा के उपायुक्त स्तर के सात पदाधिकारियों को कनीय प्रशासनिक कोटि के वेतनमान (लेबल-12, पे-मैट्रिक्स-78800-209200) में प्रमोशन दिया गया है। यह प्रमोशन इस शर्त पर दिया गया है कि वे अगले दो वर्षों में आयोजित होने वाले एमसीटी फेज तीन का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से प्राप्त कर लेंगे। इस संबंध में कार्मिक प्रशासनिक सुधार राजभाषा विभाग ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। सभी अधिकारी प्रमोशन के बाद भी अपने वर्तमान पद पर बने रहेंगे। प्रमोशन पाने वालों अफसरों में गुमला डीसी कर्ण सत्यार्थी, कोडरमा डीसी मेघा भारद्वाज, योजना एवं विकास विभाग की संयुक्त सचिव गरिमा सिंह, रामगढ़ डीसी चंदन कुमार, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, मुख्यमंत्री, लघु एवं कुटीर उद्यम विकास निगम हिमांशु मोहन, देवघर डीसी विशाल सागर व खूंटी डीसी लोकेश मिश्रा शामिल हैं।

दूरिज्म विकास को तैयार करें कार्य योजना : सीएम

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को राज्य में इको टूरिज्म के विकास के लिए एक बेहतर कार्य योजना तैयार करने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। उन्होंने झारखंड मंत्रालय में मुख्य सचिव अलका तिवारी, वन पर्यावरण विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दीकी एवं पर्यटन विभाग के सचिव मनोज कुमार के साथ राज्य में इको टूरिज्म की संभावनाओं एवं उन्हें विकसित करने निमित्त बैठक में कई महत्वपूर्ण सुझाव अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि झारखंड में इको टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। राज्य में इको टूरिज्म को इस प्रकार विकसित किया जाए, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलने के साथ प्रकृति को भी संरक्षित रखा जा सके। सोरेन ने कहा कि वन पर्यावरण विभाग एवं पर्यटन विभाग एक बेहतर समन्वय के साथ इको टूरिज्म के विकास के लिए झारखंड के उन स्थानों को चिन्हित करने का कार्य करे, जहां इको टूरिज्म की संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से राज्य में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने वाली योजनाओं पर विशेष फोकस करने का निर्देश दिया है।

ईयर एंड-2024 : शहर के बारे में लोगों की मानसिकता में दिखने लगा परिवर्तन

नगर निगम के 3 प्रोजेक्ट ने बदली राजधानी की तस्वीर

VIVEK SHARMA@RANCHI :

रांची नगर निगम के जिम्मे शहर के विकास के अलावा कई काम है। सफाई से लेकर रोड, नाली की समस्या भी निगम हल करता है। इसके अलावा शहर के लोगों को बेसिक सुविधाएं भी नगर निगम ही उपलब्ध कराता है। लेकिन, साल 2024 शहर के लोगों लिए ठीक रहा है। रांची नगर निगम के 3 प्रोजेक्ट ने शहर की तस्वीर बदल दी है। इसका परिणाम आने वाले समय में देखने को मिलेगा। इन प्रोजेक्ट्स से आए बदलाव ने लोगों की मानसिकता को भी बदलने का काम किया है। रांची से 13 किलोमीटर दूर झिरी क्षेत्र के निवासियों को कचरे के पहाड़ से फैलने वाली बदबू और मच्छरों के प्रकोप से निजात मिल रही है। गेल इंडिया लिमिटेड ने यहां कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) और जैविक खाद उत्पादन के लिए एक प्लांट स्थापित किया है। इस प्लांट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2024 को ऑनलाइन किया था। गेल ने रांची के झिरी में आठ हेक्टेयर भूमि पर यह प्लांट स्थापित किया है। जहां हर दिन 150 टन गीले कचरे से 5000 किलोग्राम कंप्रेस्ड बायोगैस और 25 टीपीडी जैविक खाद का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा गया है।

कचरे के पहाड़ से फैलने वाली बदबू और मच्छरों के प्रकोप से मिल रही निजात

- जेबीआर टेक्नोलॉजी से किया गया है हाईक्वालिटी एसटीपी का निर्माण

बड़ा तालाब में बनाया गया सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट

रांची के बड़ा तालाब को अब गंदे नालों के पानी से बचाने के लिए 8.20 करोड़ रुपये की लागत से एक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित किया गया है। एसटीपी का ट्रायल सफलतापूर्वक करने के बाद इसे चालू कर दिया गया है। इससे कि तालाब में जल की गुणवत्ता सुधारने में मदद मिलेगी। इस तकनीक से पानी को ट्रीट कर तालाब में छोड़ा जाएगा। वहीं तालाब गंदगी से मुक्त होगा और पानी में ऑक्सीजन की मात्रा भी बढ़ेगी।

कोकर डिस्टिलरी मार्केट से कम हुआ जाम

रांची नगर निगम ने शहर की ट्रैफिक समस्या से निजात दिलाने और अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए एक और कदम बढ़ाया है। लालपुर चौक से डिस्टलरी पुल के बीच सड़क किनारे लगने वाले चिकन, मछली और मटन मार्केट को हटाकर उन्हें डिस्टलरी पुल के पास बने नए वेंडर मार्केट में शिफ्ट कर दिया गया। दुकानों का शिफ्ट होना सड़क किनारे की सफाई और ट्रैफिक की समस्या को सुलझाने में एक बेहतर कदम साबित हुआ। इसके साथ ही लालपुर से डिस्टलरी पुल तक सड़क किनारे अब मांसाहारी दुकानों का कोई अतिक्रमण नहीं दिखता। वहीं सैंकड़ों सब्जी वेंडर्स को भी मार्केट के ऊपर शेड बनाकर दुकानें आवंटित की गई, ताकि अब सड़क पर सब्जी बाजार नहीं लगता।

बकाया बिल के लिए अस्पताल ने रोक रखा था शव, स्वास्थ्य मंत्री की पहल पर छोड़ा

RANCHI : प्राइवेट हॉस्पिटलों की मनमानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने प्राइवेट हॉस्पिटलों को सख्त निर्देश दिया है कि बकाया बिल के लिए शव को नहीं रोका जाएगा। इसके बावजूद सोमवार को पारस हॉस्पिटल ने मरीज की मौत के बाद शव को रोक लिया। बकाया भुगतान के बाद ही शव देने की बात कही। इसके बाद घटना की जानकारी स्वास्थ्य मंत्री इरफानअंसारी को दी गई। उनकी पहल पर देर शाम मरीज का शव उनके परिजनों को सौंप दिया गया। हॉस्पिटल में भर्ती बंडासिंगा के मरीज केदार साव की इलाज के दौरान मौत सोमवार की सुबह 9 बजे हो गई थी। लेकिन, हॉस्पिटल प्रबंधन शव देने को तैयार नहीं था। प्रबंधन का कहना था कि जब तक 1.60 लाख रुपये का बकाया भुगतान नहीं किया जाता, शव नहीं दिया जाएगा। सूचना मिलने के बाद स्वास्थ्य मंत्री के प्रतिनिधि मोबिन अंसारी पारस हॉस्पिटल पहुंचे और प्रबंधन से बात की। इसके बाद शाम 6 बजे शव परिजनों को सौंप दिया गया।

झारखंड के 8 स्क्वैश खिलाड़ी नेशनल के लिए हुए चयनित

PHOTON NEWS RANCHI :

सोमवार को झारखंड राज्य स्क्वैश टीम के सेलेक्शन के लिए ट्रायल का आयोजन रांची के क्रॉस कोर्ट में संपन्न हुआ। ट्रायल झारखंड स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में रांची जिला स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन ने आयोजित किया। ट्रायल में राज्य भर के 50 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। इनमें से 8 खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस ट्रायल में चार पुरुष और चार महिला खिलाड़ियों का सेलेक्शन किया गया। इन खिलाड़ी उत्तराखंड में होने वाले 38वें नेशनल चैंपियनशिप में पार्टिसिपेट करेंगे। यह चैंपियनशिप 28 जनवरी से 14 फरवरी के बीच खेला जाएगा। महिला टीम में आद्या बुधिया, ब्रीया शर्मा, किरीसा जालान और

पीरिसा अग्रवाल शामिल है। पुरुष टीम में विराज गुप्ता, शिवेश कनोइ, वेदांत अग्रवाल और अद्वितीय तनेजा का सेलेक्शन हुआ है। इस अवसर पर रांची जिला स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के सचिव आशीष कुमार बनर्जी, क्रॉस कोर्ट के आर्यन, सुभाष गांगुली और भागवत महतो की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सेलेक्शन के बाद एक्सपर्ट्स ने कहा कि ये खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय खेलों में भाग लेंगे और झारखंड का स्क्वैश में नाम रौशन करेंगे।

समाचार सार

बंगाल क्लब में लगा दो दिवसीय आर्ट एग्जीबिशन

JAMSHEDPUR : शहर के प्रख्यात चित्रकार मानिक शॉ के आर्ट स्कूल आर्ट प्वाइंट द्वारा साकची स्थित बंगाल क्लब में आर्ट एग्जीबिशन लगाया गया है। इसका उद्घाटन सोमवार को समाजसेवी पूरबी घोष ने किया। इसमें लगभग 100 छात्रों की 150 से अधिक पेंटिंग लगी है। इस मौके पर प्रख्यात चित्रकार एलआई सिंह, मूर्तिकार शुभेंदु विश्वास, प्रसिद्ध कलाकार बिप्लब रॉय व अनुपम पाल भी बतौर अतिथि उपस्थित थे। प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक सभी के लिए खुली रहेगी।

वंचित बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा दे रहे सुदाम हेंब्रम

GHATSILA : गुड़ाबांधा प्रखंड के सिंहपुरा गांव निवासी सुदाम हेंब्रम वंचित बच्चों को निःशुल्क शिक्षा पदान कर रहे हैं। सुदाम ने इसकी शुरूआत 2014 में अपने गांव से की थी। वे बताते हैं कि अब तक उन्होंने 500 से अधिक बच्चों को शिक्षित किया है। वर्तमान में 4 निःशुल्क शैक्षणिक केंद्र चला रहे हैं। इसके अंतर्गत बागानडीह में 12, फूलखुंटा में 21, डाहीसाई में 36 और सिंहपुरा में 24 छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

विहंगम योग का विश्वशांति वैदिक महायज्ञ संपन्न

JAMSHEDPUR : विहंगम योग टाटा संत समाज ने वर्ष के अंतिम रविवार को 8, जुबिली रोड, बिष्टुपुर स्थित आश्रम में एक कुंडीय विश्वशांति वैदिक महायज्ञ व भंडारा किया। यज्ञ का संचालन पुरोहित महावीर विद्यार्थी ने कराया, जिसमें बतौर यजमान वियतनाम से पधारे योगाचार्य आकाश प्रसाद सपरिवार शामिल हुए। यज्ञ में झारखंड के परामर्शक कन्हैयालाल अग्रवाल व नगीना सिंह, डॉ. डीपी शुक्ला, गणेश उपाध्याय, समन्वयक नीरज मिश्रा, संयोजक बिजेंदर उपाध्याय व शंभू पंडित ने भी आहूति डाली।

मेघाहातुबुरू ने रायवल क्लब गुवा को हराया

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान में खेले गए सोमवार के मैच में मेघाहातुबुरू क्रिकेट क्लब ने रायवल क्रिकेट क्लब, गुवा को हरा दिया। नौवीं अशोक कुमार जैन नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता में मंगलवार व बुधवार को विश्राम रहेगा। अगला मैच 2 जनवरी को प्रताप क्रिकेट क्लब चाईबासा एवं लक्ष्मण गिलुआ क्रिकेट क्लब चक्रधरपुर के बीच खेला जाएगा।

भाजपा विधायक अमित यादव पर कार्रवाई की मांग

JAMSHEDPUR : बरकट्ठा के भाजपा विधायक अमित यादव ने रविवार को एक सभा में भूमिहार जाति के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग किया। उनकी सभा की बातें थोड़ी ही देर में पूरे झारखंड में आग की तरह फैल गई। ब्रह्मर्षि विकास मंच, जमशेदपुर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उन पर कार्रवाई मंच के महासचिव अनिल ठाकुर ने कहा कि अमित यादव,जिस पार्टी से वर्तमान में विधायक हैं, उस पार्टी में स्थापना से लेकर आज तक बिहार-झारखंड में भूमिहार जाति का योगदान अन्य सभी जातियों को मिला दें, तो उस पर भारी पड़ेगा। विधायक से समाज अपेक्षा नहीं रखता है, परंतु भाजपा के प्रदेश नेतृत्व से अपेक्षा करते हैं कि ऐसे विधायक को पार्टी से तत्काल निलंबित करें, अन्यथा ब्रह्मर्षि समाज पूरे झारखंड में आंदोलन करेगा।

फुटबॉल प्रतियोगिता में अजय एंड ब्रदर्स विजयी

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर सेताहाका टोंकाटोला द्वारा आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन सोमवार को हो गया। इसमें मुख्य अतिथि सन्नी उरांव ने विजेता टीम को 70 हजार, उपविजेता को 45 हजार तथा तृतीय व चतुर्थ विजेता को 18-18 हजार रुपये नकद देकर पुरस्कृत किया।

अलकेमिस्ट में जल्दी शुरू होगी पायलट ट्रेनिंग

JAMSHEDPUR : सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल डैम में हुए विमान हादसे के बाद डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने अलकेमिस्ट एविएशन के सस्पेंड किए गए लाइसेंस को फिर से बहाल कर दिया है। 24 दिसंबर को जारी आदेश की कॉपी शनिवार को अलकेमिस्ट एविएशन को मिली। इसके साथ ही अब संस्थान ने पायलट ट्रेनिंग दोबारा शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी हैं। एविएशन के डायरेक्टर मृणाल कांति पाल ने कहा कि डीजीसीए ने सस्पेंशन वापस ले लिया है। हम जल्द ही सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी कर ट्रेनिंग शुरू करेंगे। हालांकि, इस हादसे ने हमें गहराई से मर्माहत किया है।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री 3 को आएंगे जमशेदपुर

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर महानगर में भाजपा के सदस्यता अभियान को गति देने और अभियान की व्यापक सफलता सुनिश्चित करने के लिए 3 जनवरी को भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू जमशेदपुर प्रवास पर आएंगे। इस दौरान वे महानगर के नेताओं और कार्यकताओं के साथ बैठक कर सदस्यता अभियान की प्रगति की समीक्षा करेंगे और आगामी कार्ययोजना पर मार्गदर्शन देंगे।

शिव मंदिर समिति, गोलमुरी का पुनर्गठन

JAMSHEDPUR : श्री शिव मंदिर समिति, गोलमुरी की वार्षिक आमसभा सोमवार को हुई, जिसमें सर्वसम्मति से नए पदाधिकारियों का चयन किया गया। इसमें कार्यकारी अध्यक्ष ओमप्रकाश देबुका, महासचिव दीपक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विवेक अग्रवाल, सहसचिव कृष्ण पटवारी (मीठू), संरक्षक नवल किशोर मिश्रा व उपाध्यक्ष कैलाश अग्रवाल बनाए गए।

50 फीट की ऊंचाई से रेल पटरी पर गिरा डंपर, चालक गंभीर

बांसपानी लोडिंग सेक्शन में चार घंटे बाधित रहा ट्रेन परिचालन

- रेलवे लाइन के बगल से गुजर रहा था वाहन चालक खो दिया नियंत्रण
- सुबह में हुई दुर्घटना दोपहर 1.30 बजे तक हटा लिया गया वाहन

CHAKRADHARPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल में बांसपानी रेलवे स्टेशन के पास सोमवार को एक डंपर करीब 50 फीट की ऊंचाई से सीधे रेल पटरी पर गिर गया। इस हादसे में डंपर का चालक बुरी तरह जख्मी हो गया है। उसे इलाज के लिए पास के जोड़ा स्थित टिस्को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इस हादसे के कारण सेक्शन में मालगाड़ियों का परिचालन पूरी तरह बाधित हो गया।

रेलवे लाइन पर गिरा डंपर ● फोटोन न्यूज

चैंबर छोड़कर कंट्रोल ऑफिस में डटे रहे डीआरएम

तेजी से हुए राहत व बचाव कार्य के कारण ज्यादा देर तक पटरी बाधित नहीं रही, जिससे मालगाड़ी और यात्री ट्रेनें कम प्रभावित हुईं। इसके लिए चक्रधरपुर रेल मंडल में नवपदस्थापित डीआरएम तरुण हुरिया हादसे के बाद अपना चैंबर छोड़कर सुबह से ही मंडल मुख्यालय के कंट्रोल ऑफिस में डटे रहे। वे वहीं से अधीनस्थ अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे थे।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना बांसपानी स्टेशन के होम सिग्नल के पास रेल पटरी के बगल में ऊंचाई से एक सड़क मार्ग गुजरती है। उसी सड़क से एक हाइवा गुजर रही थी। अचानक डंपर चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण डंपर की दिशा भटक गई और सड़क किनारे ढलान में चली गई। जब तक चालक वाहन को नियंत्रित करता, तब तक डंपर 50-55 फीट नीचे रेल पटरी पर जा गिरा। डंपर चालक की हालत गंभीर बनी हुई है। इधर हादसे के बाद रेलवे द्वारा डंपर को पटरी से हटाने के लिए डंगुवापोशी और बंडामुंडा से रिलीफ ट्रेन 140 टन के क्रेन के साथ रवाना कर दिया गया था। इससे पहले कि रेलवे का क्रेन दुर्घटनाग्रस्त डंपर को घटनास्थल से हटाता, दो पोकलेन मशीन लगाकर डंपर को दोपहर करीब 1.30 बजे रेल पटरी से हटा कर रेल पटरी को खाली कर दिया गया था। बता दें कि जिस जगह यह हादसा हुआ है, वह चक्रधरपुर रेल मंडल का खास रेलवे सेक्शन है। यहां से भारी मात्रा में लौह अयस्क की ढुलाई होती है, जिससे चक्रधरपुर रेल मंडल को काफी राजस्व मिलता है। इस सेक्शन में मालगाड़ी का परिचालन महत्वपूर्ण है। यही वजह रही कि हादसे के बाद पटरी को जल्द से जल्द क्लीयर करने की कवायद तेज कर दी गई थी। बहरहाल यह जांच का भी विषय है कि हादसा कैसे हुआ। अगर पटरी पर ट्रेन चल रही होती और तब डंपर पटरी पर गिरता तो हादसे का मंजर भयावह भी हो सकता था।

बाइक व ऑटो की टक्कर में युवक की हो गई मौत

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर-रांची मुख्य मार्ग पर मतकमबेड़ा गांव के पास सोमवार शाम सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, चक्रधरपुर थाना अंतर्गत लौड़िया गांव निवासी राजू बोदरा (22) और रमेश बोदरा बाइक से कराईकेला गए थे। वापसी के दौरान राजू बोदरा की बाइक और ऑटो में सीधी टक्करा हो गई। इससे बाइक सवार राजू बोदरा, के सिर में गंभीर चोट लगी। दुर्घटना में उसका सिर फट गया, जबकि रमेश बोदरा के सिर व हाथ आदि में चोट लगी। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल राजू व रमेश को अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने राजू बोदरा को मृत घोषित कर दिया, जबकि रमेश बोदरा का इलाज चल रहा है। वह खतरे से बाहर बताया जा रहा है। बताया जाता है कि राजू बोदरा बगैर हेलमेट के बाइक चला रहा था। अगर हेलमेट पहनकर बाइक सवार करता तो शायद उसकी जान बच जाती। इधर, घटना की सूचना पाकर मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं घटना की सूचना पाकर झामुमो नेता दिनेश जेना, विधायक प्रतिनिधि पीरु हेंब्रम अस्पताल पहुंचे और घटना के संबंध में जानकारी ली।

केयू में नीड बेस्ड शिक्षकों की नियुक्ति के लिए जनवरी में होगा इंटरव्यू, 282 की होगी नियुक्ति

PHOTON NEWS JSR: शिक्षकों की कमी से जूझ रहे कोल्हान विश्वविद्यालय के कॉलेजों के लिए अच्छी खबर है। जल्द ही इन कॉलेजों को नए शिक्षक मिल जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए घंटी आधारित शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। नियुक्ति के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों की स्क्रूटनी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही जो आवेदन डाक से आए हैं, उन्हें सूचीबद्ध किया जा रहा है। इसके बाद इंटरव्यू की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके लिए विवि कमेटी बना रही है, जिसका गठन जनवरी के पहले सप्ताह में कर दिया जाएगा। इस कमेटी की निगरानी में ही नियुक्ति की सारी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। वहीं 15 जनवरी के बाद इंटरव्यू

की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. परशुराम स्याल ने कहा कि शिक्षकों की नियुक्ति को हम फरवरी तक हर हाल में पूरा कर लेंगे। हमारा प्रयास है कि जनवरी में ही इंटरव्यू की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए, ताकि शिक्षकों की जो समस्या है, उसे जल्द से जल्द दूर किया जाए। इस नियुक्ति प्रक्रिया के तहत कुल 282 नीड बेस्ड शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। जो शिक्षक नियुक्त होंगे, उन्हें करीब 57 हजार रुपये प्रतिमाह की दर से वेतन मिलेगा।

अगस्त में शुरू हुई थी प्रक्रिया

नीड बेस्ड शिक्षकों की नियुक्ति के लिए कोल्हान विवि में अगस्त में विज्ञापन जारी किया था। इसके तहत आवेदन फॉर्म 20 अगस्त से शुरू होकर 9 सितंबर तक भरा गया। फॉर्म ऑनलाइन डाउनलोड कर भरना था और इसकी हार्ड कॉपी अभ्यर्थी को 20 सितंबर तक विवि कार्यालय में स्पीड पोस्ट के जरिए भेजनी थी। निर्धारित तिथि तक इन पदों के लिए करीब 1500 से अधिक आवेदन आए थे। लेकिन इसी दौरान चुनाव आचार संहिता लगने की वजह से इस प्रक्रिया को रोक दिया गया था। अब जब राज्य में नई सरकार बन गई है जो विवि ने फिर से नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन शिक्षकोंका चयन इंटरव्यू के आधार पर किया जाना है।

हथिनी की मौत, खेत में मिला शव

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोन्टो थाना अंतर्गत दुरुला सेरेंगसिया पंचायत क्षेत्र के पदमपुर गांव की सीमा पर एक हथिनी की मौत हो गई। उसका शव सब्जी के खेत में मिला। हथिनी की मौत किस कारण से हुई, यह अभी साफ नहीं हुआ है। वैसे स्थानीय लोगों ने बताया कि यह हाथियों के एक झुंड में शामिल थी। इधर घटना के सूचना मिलते ही वन विभाग की एक टीम घटनास्थल पहुंची और मामले की जांच पड़ताल कर रही है। इस संबंध में वन विभाग एक मेडिकल टीम से उसका पोस्टमार्टम कराएगा। उम्मीद है कि इससे स्पष्ट हो जाएगा कि हथिनी की मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई। वन विभाग की जानकारी के अनुसार, अभी भी हाथियों का एक झुंड मृत हथिनी के शव के पास से थोड़ी दूर पर खड़ा है। उसके हटते ही मृत हथिनी का पोस्टमार्टम कर के उसे वहीं दफना दिया जाएगा।

वामपंथी दलों ने मनाया विरोध दिवस, किया प्रदर्शन

साकची में बिरसा चौक के पास नुक्कड़ सभा में शामिल कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : वामपंथी दलों ने सोमवार को विरोध दिवस मनाया, जिसमें उन्होंने साकची स्थित बिरसा चौक पर प्रदर्शन व नुक्कड़ सभा की। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-मार्क्सवादी (भाकपा-एम), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन (भाकपा-माले), रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) एवं ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक जैसे प्रमुख वामपंथी दलों के संयुक्त निर्णय पर वामपंथी दलों ने अखिल भारतीय विरोध दिवस मनाया गया। नुक्कड़ सभा में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान वामपथी दलों के वक्ताओं ने कहा कि मनुवादी-फासीवादी विचारधारा हमेशा से ही जातिगत शोषण को खत्म करने के लिए अंबेडकर के जाति उन्मूलन के विचार की प्रबल विरोधी रही है। 17 दिसंबर को राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा डॉ. अंबेडकर पर दिया गया अपमानजनक बयान इसी मनुवादी सोच से प्रभावित था।

खेल से होता शारीरिक व मानसिक विकास : गीता

विजेता टीम को पुरस्कृत करतीं पूर्व सांसद गीता कोड़ा ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : एसएलपी ब्लैक कोर्ट सेलायसाई पटाजैंत जगन्नाथपुर द्वारा 3 दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद गीता कोड़ा शामिल हुईं। मैच से पूर्व खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कोड़ा ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम है, बल्कि यह अनुशासन और अच्छी सोच का भी प्रतीक है। खिलाड़ियों को नशापान से दूर रहने और खेल भावना व अनुशासन के साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता टीम दिशांत एफसी को 1,10,000 रुपये, उपविजेता स्नेहा एफसी हाट कारजैय को 80,000 और तृतीय व चतुर्थ स्थान पर रही मॉर्निंग ग्रुप व संतोष एलेवेन लाखीपाई को 30-30 हजार रुपये दिए। इस मौके विशिष्ट अतिथि प्रखंड प्रमुख जगन्नाथपुर बुधराम पूर्ति, लक्ष्मी सवैयां, सुरेंद्र पूर्ति आदि सदस्य उपस्थित थे।

सरायकेला में आज लगेगा रोजगार शिविर

SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के मॉडल कॅरियर सेंटर सह जिला नियोजनालय, सरायकेला में सुबह 10 बजे से रोजगार शिविर लगाया जाएगा। इसमें 23 से 40 वर्ष के अनुभवी अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। इसमें आईटीआई, डिप्लोमा व इंजीनियरिंग उतीर्ण उम्मीदवारों की भर्ती होगी। जिला नियोजन पदाधिकारी आलोक कुमार टोपनो ने बताया कि इस शिविर में जिले की प्रतिष्ठित संस्था इंफिनिटी इंडस्ट्रियल पार्क प्रा. लि. व श्रीउनहत ऑटो कंपोनेंट्स प्रा. लि. सहित अन्य नियोजकों द्वारा विभिन्न पदों पर नियुक्त करने के लिए युवाओं का चयन किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी द्वारा सम्मानजनक वेतन दिया जाएगा। उन्हें अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। अभ्यर्थियों की उम्र 23 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

वृहद व बेहतर झारखंड को जेपीपी संकल्पित : बेसरा

स्थापना दिवस समारोह में उपस्थित सूर्य सिंह बेसरा व अन्य ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : जादूगोड़ा में सोमवार को ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) के सहयोगी राजनीतिक दल झारखंड पीपुल्स पार्टी (जेपीपी) का 34वां स्थापना दिवस संपन्न हुआ। इस अवसर पर आजसू के संस्थापक सह जेपीपी के केंद्रीय अध्यक्ष सूर्य सिंह बेसरा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जेपीपी वृहद व बेहतर झारखंड के लिए दृढ़.संकल्पित है। इससे पूर्व उन्होंने कहा कि झारखंड भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुका है। झारखंड भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा हुआ है। उन्होंने कहा है कि वन और खनिज संपदा से परिपूर्ण झारखंड अब खोद-खोद कर खंडहर बना दिया गया है। झारखंड वो राज्य है, जहां खोदोगे वहीं खनिज और जहां खोजोगे वहीं भ्रष्टाचार है। पूर्व विधायक बेसरा ने कहा कि हमारे गांवों में हमारा राज संकल्प है और वृहद झारखंड तथा बेहतर झारखंड़ हमारा विकल्प है। इस अवसर पर सलमा हांसदा, श्रवण कुमार गोप, संजय मुर्मू, सूरज मुर्मू बाघराय हो आदि ने भी सभा को संबोधित किया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर महिला घायल

GHATSILA : घाटशिला स्थित काशिदा गांव के समीप सोमवार शाम 6 बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आकर 55 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला को निजी वाहन से अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया। यहां चिकित्सक डॉ. विकास मार्डी ने प्राथमिक उपचार कर एमजीएम अस्पताल, जमशेदपुर रेफर कर दिया। चिकित्सक ने बताया कि महिला के दायें पैर की हड्डी टूट गई है। शरीर के अन्य हिस्से में भी चोट लगी है। घायल महिला नीलिमा चटर्जी की पुत्री ने बताया कि वह घर पर थी। मां दुकान से सामान लेने के लिए बाहर निकली, इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया।

एनजीटी में 8 जनवरी को होगी मरीन ड्राइव स्थित कचरा डंपिंग पर सुनवाई

बारा में निष्पादित होगा मानगो नगर निगम का कचरा : सरयू राय

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय सोमवार को मानगो नगर निगम की समस्याओं को लेकर नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार से मिले। उन्होंने इस संबंध में ही पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव एमआर मीणा से भी वार्ता की। राय ने कहा कि मानगो नगर निगम का कचरा सिदगोड़ा के बारा स्थित प्लांट में निष्पादित किया जाएगा। सरयू राय ने प्रधान सचिव को बताया कि वर्ष 2011-12 से मानगो नगर निगम का कचरा और जमशेदपुर अक्षेस के घरों से निकलने वाला कचरा टाटा स्टील यूआईएसएल के बारा कांप्लेक्स, सिदगोड़ा में गिराया जाता था। इसके बाद टाटा स्टील यूआईएसएल ने सोनारी के मरीन ड्राइव के किनारे एक स्थान चिह्नित किया, जहां जेएनएसी और मानगो नगर निगम क्षेत्र का कचरा डंप किया जाता था। ये जमीन भी टाटा स्टील की थी। अप्रैल 2023 में सोनारी के कतिपय नागरिक इस समस्या को लेकर एनजीटी मे समक्ष गए। वजह था कचरा प्रबंधन का सुचारू नहीं होना। कचरे के ढेर में आग लग जाया करता है और आसपास के रिहायशी इलाकों में लगातार प्रदूषण फैलता था। एनजीटी ने पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त और झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिया कि वे कचरा निष्पादन का वैकल्पिक उपाय करें। दोनों संस्थानों ने एनजीटी के समक्ष शपथ पत्र के माध्यम से अपनी बातें रखीं और कचरा निष्पादन के लिए वैकल्पिक स्थान शीघ्र खोजने का आश्वासन दिया। राय के अनुसार, एनजीटी के

पोस्ट ऑफिस रोड में एकत्र कचरा

निगम का कार्यालय भी होगा स्थानांतरित

सरयू राय के अनुसार, उन्होंने नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव के सामने यह बात रखी कि मानगो नगर निगम का अपना कोई कार्यालय नहीं है। उनकी पहल पर गांधी मैदान के एक कोने में बनाए दो मंजिला गांधी स्मृति भवन को ही इन्होंने कार्यालय बना दिया है। अब चूंकि मानगो नगर निगम का चुनाव कराने के लिए ट्रिपल टेस्ट आरंभ हो गया है तो यह बात ध्यान देने योग्य है कि चुनाव के बाद नगर निगम के मेयर और डिप्टी मेयर एवं 36 वार्डों के सदस्य निर्वाचित होकर आयेंगे तो इनके लिए बैठने की भी जगह होनी चाहिए। इसलिए मानगो नगर निगम के लिए एक अपना कार्यालय होना चाहिए, जिसमें काम करने और नगर निगम के प्रतिनिधि को बैठक करने का पर्याप्त स्थान होना चाहिए। आश्चर्य है कि कपाली जैसे नगर निकाय क्षेत्र में अपना कार्यालय हो गया है, जुगसलाई और आदित्यपुर नगर निकाय क्षेत्र का भी अपना कार्यालय हो गया है, परंतु मानगो नगर निगम की ओर अबतक किसी ने ध्यान नहीं दिया। नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव ने आश्वस्त किया कि वे शीघ्र इसके लिए स्थान का चयन करेंगे और कार्यालय के निर्माण के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराएंगे।

इस आदेश पर पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त और झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा ठोस आश्वासन दिए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई तो इस बारे में एक माह पूर्व पुनः एनजीटी ने शपथ पत्र पर इन संस्थानों से वस्तुस्थिति बताने का निर्देश दिया, जिसकी सुनवाई 8 जनवरी 2025 को होनी है। इस बीच जेएनएसी का कचरा टाटा स्टील यूआईएसएल के बारा कॉम्प्लेक्स में गिरने लगा, परंतु मानगो नगर निगम का कचरा वहां गिराने पर सहमति नहीं बनी। यह आश्चर्यजनक है कि जब 2011-12 से मानगो और जेएनएसी का कचरा एक ही स्थान पर गिराया जाता था तो एनजीटी के आदेश के बाद मानगो का कचरा बारा कॉम्प्लेक्स में नहीं गिराने और जेएनएसी का कचरा वहाँ गिराने की अनुमति देने में पक्षपात का कारण क्या है। राय के अनुसार, उन्होंने नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव से कहा कि मानगो जमशेदपुर का जुड़वा शहर है। मानगो से टाटा स्टील का सीधा संबंध है। मानगो होकर इनका भारी वाहन कंपनी में आता है। मानगो होकर उनके पेयजल का पाइपलाइन डिमना लेक से आता है। मानगो में इनका बहुत बड़ा यातायात डिपो है तथा इनके अन्य हितों से भी मानगो जुड़ा हुआ है। इसलिए यह स्वाभाविक है कि जेएनएसी की तरह मानगो नगर निगम का कचरा भी टाटा स्टील यूआईएसएल के बारा कॉम्प्लेक्स में गिराया जाए। यही इस समस्या का स्थायी समाधान होगा।

BRIEF NEWS

बदमाशों ने लूट के दौरान कारोबारी को मारी गोली

SUPAUL : सुपौल में रविवार की देर शाम को अज्ञात बदमाशों ने एक स्वर्ण व्यवसायी से लूटपाट की। इस दौरान कारोबारी को गोली मारकर उसके पास से आभूषण वाला बैग लेकर बदमाश फरार हो गया। जख्मी युवक की पहचान बरैल वार्ड नंबर 01 निवासी स्वर्णकार नीरज ठाकुर के बहनोई करीब 32 वर्षीय विकास ठाकुर के रूप में हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से जख्मी युवक को जिला मुख्यालय स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं देर रात को सुपौल के एसपी भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। सुपौल के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत बरैल वार्ड नंबर 04 स्थित खादी ग्राम उद्योग के समीप बदमाशों ने कारोबारी से लूटपाट की और इस दौरान कारोबारी को गोली मार दी।जख्मी का इलाज अस्पताल में चल रहा है और स्थिति खतरे से बाहर बतायी जा रही है। वहीं घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने सदर थाना पुलिस सहित वरीय अधिकारी को दी। जिसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अलोक कुमार एवं सुपौल थाना व लौकहा थाना की पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल में जुट गई। वहीं देर रात एसपी शैशव यादव भी घटना स्थल पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

नवादा में 11 साइबर ठग अरेस्ट, कई सामान बरामद

NAWADA : नवादा जिले के वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में सोमवार को पुलिस ने छापेमारी कर 11 साइबर ठगों को गिरफ्तार सलाखों के पीछे भेज दिया। गिरफ्तार सभी साइबर अपराधियों का नया साल का जश्न अब जेल में होगा। सोमवार को साइबर थाना में प्रेसवार्ता का आयोजन कर साइबर थानाध्यक्ष डीएसपी प्रिया ज्योति ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि जिले के वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के फतहा, भेड़िया तथा भवानी बिगहा गांव के बधार में काफी संख्या में युवक जमा होकर ठगी का धंधा कर रहा है, जिसकी सूचना एसपी को दी गई। एसपी ने साइबर डीएसपी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि गठित एसआईटी टीम द्वारा प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से साइबर क्राईम कर रहे नंबरों के तकनीकी साक्ष्य के आधार पर फतहा, भेड़िया तथा भवानी बिगहा में छापेमारी की गई। छापेमारी के क्रम में पुलिस ने उक्त गांव से 11 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया।

सौतेली मां पर किशोरी को गायब करने का आरोप

BETHIA : जिला के नौतन थाना क्षेत्र के पकड़िया पंचायत के मुरतियां गांव से एक किशोरी के घर से गायब होने का मामला प्रकाश में आया है।इस बावत गायब किशोरी बेबी कुमारी 6 वर्ष के नाना चनपटिया निवासी शंभू राम ने स्थानीय थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। नाना ने पुलिस को बताया कि वह अपने पुत्री की शादी मूरतिया गांव के महेश राम से किया था, जिनकी एक बेटी है। कुछ दिनों बाद मेरी बेटी की तबियत खराब होने के कारण उसकी मृत्यु हो गई। बेटी की मौत के बाद दमाद ने दूसरी शादी कर ली, जहां सौतेली मां उनके नतनी को प्रताड़ित किया करती थी।

पंचतत्व में विलीन हुए आचार्य किशोर कुणाल हाजीपुर के कोनहारा घाट पर पुत्र ने दी मुखाग्नि

AGENCY VAISHALI : पूर्व आईपीएस और महावीर मंदिर न्यास समिति के सचिव आचार्य किशोर कुणाल सोमवार 30 दिसंबर को वैशाली के हाजीपुर स्थित कोनहारा घाट पर पंचतत्व में विलीन हो गये। उनके पुत्र शायन कुणाल ने मुखाग्नि दी। मौके पर वैशाली एसपी, महुआ विधायक डॉ मुकेश रौशन, हाजीपुर विधायक अवधेश सिंह, लालगंज विधायक संजय सिंह के अलावे हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। दिन के 1:00 के करीब हाजीपुर के ऐतिहासिक कोनहारा घाट पर आचार्य किशोर कुणाल का पार्थिव शरीर लाया गया था। इसके बाद वैदिक विधान के तहत उनका अंतिम संस्कार किया गया। मौके पर महुआ विधायक डॉ मुकेश रौशन ने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल का निधन एक अपूरणीय क्षति है। उनके द्वारा चलाए जा रहे अस्पतालों में अनेक जरूरतमंद लोगों का इलाज चलता था। समाज निर्माण में ऐसे लोगों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सेवानिवृत्ति आईपीएस आचार्य किशोर कुणाल का रविवार की सुबह 8:00 बजे हृदय गति रुकने से निधन हो गया था। शनिवार देर रात पटना के महावीर वात्सल्य अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर को पटना के गोसाईं टोला स्थित उनके निवास स्थान में रखा गया था। जहां से अंतिम संस्कार के लिए कौनहारा घाट लाया गया। 1972 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। 2001 में स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति ली थी। धर्म ग्रंथो के अनुसार हाजीपुर के कोनहारा घाट, जहां गंगा नदी और गंडक नदी का संगम स्थल भी है वहां स्वयं भगवान श्री हरि विष्णु पधारे थे। गज और ग्राह के युद्ध के बाद गज यानी हाथी की रक्षा ग्राह यानि घड़ियाल से करने के लिए विष्णु भगवान ने अपने सुदर्शन चक्र का प्रयोग किया था। जिससे हाथी की रक्षा हुई थी। यही कारण है कि इस जगह को बेहद पवित्र माना जाता है।

आचार्य को मुखाग्नि देते पुत्र शायन कुणाल, मौजूद मंत्री अशोक चौधरी व अन्य।

आजाद गांधी ने राजद से दिया इस्तीफा पार्टी पर लगाया तानाशाही का आरोप

AGENCY PATNA : पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र पूर्व सदस्य और आरजेडी नेता, आजाद गांधी ने आज राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देते हुए उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर कई गंभीर आरोप लगाए। साथ ही पार्टी पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए सिद्धांतों से भटकने वाली पार्टी करार दिया। गांधी ने कहा कि वह पिछले 35 वर्षों से लालू प्रसाद यादव और राजद से जुड़े हुए थे, लेकिन अब पार्टी का कल्चर बदल चुका है। अब पार्टी में सामान्य कार्यकर्ताओं की आवाज नहीं सुनी जा रही है, और अति पिछड़ा समाज की अनदेखी की जा रही है। गांधी ने आरोप लगाया कि महागठबंधन

की सरकार के 17 महीने के कार्यकाल में अति पिछड़ा वर्ग के कार्यकताओं को सत्ता में कोई हिस्सेदारी नहीं मिली। आजाद गांधी ने राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पार्टी में दोहरी नीति अपनाई जा रही है। गांधी ने आरोप लगाया कि प्रदेश अध्यक्ष अपने परिवार के लोगों को आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं और केवल अमीर कार्यकताओं को ही पार्टी के कार्यालय में बुलाया जाता है। आजाद गांधी ने बिहार विधानसभा में विपक्षी नेता तेजस्वी यादव पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव हरियाणा और दिल्ली के कुछ लोगों से घिरे हुए हैं और इन्हीं के इशारे पर वह यह तय करते हैं कि किससे मिलना है और किससे नहीं। गांधी ने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव के पास कार्यकताओं से मिलने का समय नहीं है, और कार्यकर्ता घंटों उनके कार्यालय के बाहर खड़े रहते हैं, लेकिन उन्हें मिलने का कोई अवसर नहीं मिलता।

राज्यपाल से मिले बीपीएससी के चेयरमैन परमार रवि मनुभाई

बीपीएससी छात्रों का प्रदर्शन जारी, कई जिलों में रोकी ट्रेनें

AGENCY PATNA : बीपीएससी अभ्यर्थियों के प्रदर्शन से बिहार में बवाल मचा है। रविवार को पटना में प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर लाठी चार्ज किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई के खिलाफ बिहार बंद का ऐलान किया था। एआईएसए और युवा राजद की ओर से चक्का जाम किया गया है। बता दें कि अभ्यर्थी 13 दिसंबर को आयोजित बीपीएससी 70वीं पीटी परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। परीक्षा के दिन बापू केंद्र पर प्रश्न पत्र देर से मिलने के आरोप में छात्रों ने परीक्षा बहिष्कार कर दिया था। आयोग ने उस केंद्र की परीक्षा रद्द कर 4 जनवरी को कराने का फैसला किया। वहीं राज्यपाल के बुलावे पर बीपीएससी चेयरमैन परमार रवि मनुभाई राजभवन पहुंचे और उनसे मुलाकात की। ऐसे में सवाल उठ रहे है कि क्या बीपीएससी परीक्षा रद्द होगी। इस बीच, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने बड़ा बयान दिया है। राज्यपाल से मुलाकात के बाद सांसद ने कहा कि राज्यपाल ने आयोग के चेयरमैन, पटना डीएम और एसपी को मिलने के लिए बुलाया है। प्रशांत किशोर ने कहा है कि जिस किसी ने छात्रों पर लाठी चार्ज किया है, उसे छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं किसी वर्दी वाले या फिर कुर्ता पजामा वाले से डरने वाला नहीं हूं। मैं अंतिम दम तक छात्रों की लड़ाई लड़ूंगा। मैं गांधी मैदान से भागा नहीं। पुलिस ने बर्बरता तरीके से लाठीचार्ज किया। इस बीच, पटना में बीपीएससी अभ्यर्थियों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर भोजपुर में रेलवे स्टेशन पर इंकलाबी नौजवान सभा और आइसा द्वारा पैसेंजर ट्रेन को रोककर विरोध प्रदर्शन किया गया। छात्र संगठन ने बीपीएससी 70 वीं पीटी परीक्षा रद्द करने और छात्रों पर हुए लाठीचार्ज का विरोध किया। दरभंगा में एआईएसए के साथ युवा राजद कार्यकताओं ने चक्का जाम किया। दरभंगा रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों ने दरभंगा से दिल्ली जाने वाली बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट एक्सप्रेस को रोक दिया।

प्रदर्शन करते बीपीएससी अभ्यर्थी।

प्रशांत किशोर समेत 700 लोगों के खिलाफ एफआईआर, छात्रों को उकसाने का आरोप

70वीं बीपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा रद्द कराने की मांग को लेकर पटना में बवाल मचा है। सोमवार को एआईएसए ने बिहार बंद करने का ऐलान किया है। दूसरी ओर रविवार को गांधी मैदान में प्रदर्शन के खिलाफ प्रशांत किशोर समेत 700 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है। प्रशांत किशोर पर छात्रों को उकसाने का आरोप लगा है। बता दें कि प्रशांत किशोर रविवार को परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे छात्रों का समर्थन करते हुए प्रदर्शन में भाग लिए थे। पटना गांधी मैदान में अभ्यर्थियों को गोलबंद किया था। इस दौरान गांधी मैदान में भारी बवाल हुआ। इस मामले में पटना डीएम ने रछात्रों की सभा आयोजित करने को लेकर प्रशांत किशोर समेत 700 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। प्रशांत किशोर, जन सुराज के अध्यक्ष मनोज भारती, कोचिंग संचालक रह्लाशु मिश्रा, निखिल मणि तिवारी, सुभाष कुमार ठाकुर, शुभम स्नेहिल, प्रशांत किशोर के 2 बाउंसर, आनंद मिश्रा, आर के मिश्रा, विष्णु कुमार, सुनामी कोचिंग के सुजीत कुमार सहित कुल 21 नामजद और 600-700 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। बीपीएससी अभ्यर्थियों का प्रदर्शन को लेकर पटना डीएम डॉ चंद्रशेखर सिंह ने मीडिया को बताया कि गांधी मैदान में प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गयी थी। इसके बावजूद अभ्यर्थी गांधी मैदान में मौजूद हुए थे। बता दें कि 28 दिसंबर को जनसुराज ने गांधी मैदान में बीपीएससी के खिलाफ छात्र संसद को लेकर आवेदन दिया था, लेकिन पटना प्रशासन से द्वारा आवेदन स्वीकार नहीं किया गया था। जिला प्रशासन का कहना था कि किसी भी कार्यक्रम और प्रदर्शन के लिए 45 दिन पहले आवेदन करना अनिवार्य है।

गया एयरपोर्ट से आठ करोड़ के ड्रग्स बरामद

AGENCY GAYA : बिहार के गया के इंटरनेशनल हवाई अड्डे से बड़े पैमाने पर ड्रग्स बरामद किया गया है। कस्टम के अधिकारी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बड़ी कार्रवाई करते हुए थाईलैंड के यात्री सचिन नारायणी के बैग से 8.8 किलोग्राम मादक द्रव्य हाइड्रोपोनिक बिड्स (मारिजुआना) को जब्त किया है। थाईलैंड के यात्री सचिन नारायणी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं बरामद ड्रग्स मारिजुआना का अनुमानित मूल्य 8 करोड़ रुपए से भी ज्यादा बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि यात्री सचिन नारायणी थाइलैंड के रहने वाले हैं। उसके पास से कस्टम अधिकारियों की तरफ से एयरपोर्ट पर यह सबसे बड़ी रिकवरी है। जानकारी के अनुसार बैंकॉक से थाईलैंड का यात्री 28 दिसंबर की शाम गया एयरपोर्ट पर पहुंचा था। वहीं इस दौरान जब गया एयरपोर्ट पर यात्री के सूटकेस की स्कैनर से तलाशी ली जा रही थी तभी एक संदिग्ध सामग्री देखी गई। पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि सीमा शुल्क आयुक्तालय पटना के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा गया के अधिकारियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बीते शनिवार को जांच के दौरान बैंकाक, थाईलैंड से आने वाले एक यात्री के सूटकेस से मादक द्रव्य बरामद किया। बताया जा रहा है कि कस्टम के द्वारा मादक पदार्थ हाइड्रोपोनिक वीडस की यह अब तक की सबसे बड़ी जब्ती है।

- बैंकाक के यात्री के सूटकेस में मिला 8.8 किलोग्राम मादक द्रव्य मारिजुआना

रैकेट का पता लगाने में जुटी कस्टम टीम

कस्टम के अधिकारी फिलहाल यह पता किया जा रहा है कि मादक द्रव्य कहां ले जाया जा रहा था और इसके रैकेट में कौन-कौन लोग शामिल हैं। वही, जानकारी के अनुसार मारिजुआना एक खतरनाक नशीला मादक द्रव्य है। फिलहाल इतने बड़े पैमाने पर इस खतरनाक मादक द्रव्य की बरामदगी के बाद अग्रतर कार्रवाई कस्टम के द्वारा की जा रही है।

हत्या के विरोध में किन्नरों ने बंद कराया नंदगंज बाजार

PHOTON NEWS GAZIPUR : गंगा किन्नर के हत्या के विरोध में सोमवार सुबह किन्नरों ने नंदनगंज बाजार को बंद कराया। 11 बजे के करीब सभी किन्नर जुलूस निकाल कर बाईपास पर हाईवे जाम करने के लिए प्रस्थान कर गए। उनके पीछे बड़ी संख्या में आसपास के लोग भी थे। कुछ समय तक हाईवे जाम की स्थिति बनी रही। कुछ ही समय के बाद किन्नरों के महामंडलेश्वर कौशल्यानंद गिरी उर्फ टीना मां पहुंची और उन्होंने हाईवे से जाम हटवा कर थाने चलने के लिए किन्नरों से कहा। सभी किन्नर व आम जनता उनके पीछे पीछे थाने तक पहुंची। गौरतलब है कि रविवार को बरहपुर निवासी हर्ष उर्फ गंगा किन्नर की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। नंदगंज थाने में सभी किन्नरों के साथ महामंडलेश्वर टीना मां ने सीओ सिटी तथा अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ वार्ता किया। इस दौरान पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिए दो हफ्ते का समय मांगा। जिसपर किन्नर समाज ने सहमति जताई। पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है। पूरे बाजार में पुलिस सुरक्षा में लगी रही।

गंगा किन्नर हत्याकांड

- अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने मांगा दो हफ्ते का समय

नवादा में हादसा, बाइक सवार तीन युवकों को वाहन ने रौंदा, दो की मौत

NAWADA : बिहार के नवादा से बड़ी खबर है। बाइक सवार तीन युवकों को अज्ञान वाहन ने रौंद दिया। इस घटना में दो युवक की मौत हो गयी जबकि की हालत गंभीर बनी हुई है। जख्मी युवक को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों युवकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना नवादा नगर थाना क्षेत्र के सोभिया मंदिर के निकट की घटना है। रविवार की देर रात घटना हुई सूचना मिलने पर नगर थाना प्रभारी अविनाश कुमार और 112 आपातकालीन सेवा पुलिस के द्वारा तुरंत जख्मी को सरकारी अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया। दोनों मृतक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के गोपाल नगर मोहल्ले के रहने वाले स्वर्गीय देवनंदन सिंह के पुत्र 25 वर्षीय सौरभ कुमार और सुबह लाल का पुत्र 25 वर्षीय आकाश कुमार के रूप में की गयी है।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी : भोजपुरी केवल भाषा नहीं हमारी संस्कृति और अस्मिता का प्रतीक : कुलपति

PHOTON NEWS GORAKHPUR : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संवाद भवन में रविवार को भोजपुरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया और अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय भोजपुरी संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस दौरान भोजपुरी भाषा, साहित्य और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर सारगर्भित चर्चा हुई। संगोष्ठी का उद्घाटन कुलपति पूनम टंडन ने किया। कुलपति ने कहा कि भोजपुरी केवल भाषा नहीं, यह हमारी संस्कृति, परंपरा और अस्मिता का प्रतीक है। मुख्य अतिथि भोजपुरी स्पीकिंग यूनियन मॉरीशस की पूर्व अध्यक्ष डॉ. सरिता बुधु ने भोजपुरी भाषा को गायन की भाषा बताया। भावनाओं के रूप में इसे परिभाषित करते हुए उन्होंने ने कहा कि कहा कि भोजपुरी गीतों में वह ताकत है,जो लोगों के दिलों को जोड़ सकती है। उन्होंने भोजपुरी को मान्यता प्राप्त भाषा का दर्जा दिलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। मॉरीशस में भोजपुरी भाषा के प्रचार-प्रसार के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने विश्वविद्यालय में डायस्पोरा केंद्र खोलने के लिए कुलपति से अनुरोध भी किया। विशिष्ट अतिथि भाषा आयोग नेपाल के अध्यक्ष डॉ. गोपाल ठाकुर ने भोजपुरी को साहित्यिक दृष्टिकोण से प्रासंगिक बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की अपील की। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव ने भोजपुरी भाषा और संस्कृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कहा कि भोजपुरी को न केवल संरक्षित करने की जरूरत है, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के प्रयास भी जरूरी है। कार्यक्रम में आदित्य कुमार बांसुल की पुस्तक का विमोचन हुआ। माटी के लाल सम्मान समारोह भी किया गया। सुप्रसिद्ध नाट्य निर्देशक मानवेंद्र त्रिपाठी के निर्देशन में भोजपुरी के शेक्सपीयर कहे जाने वाले भिखारी ठाकुर की अमर कृति 'विदेसिया' का मंचन हुआ।

संगोष्ठी में मंचासीन अतिथि।

राहत की बात : राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने जुलाई 2025 तक दिया मौका

जमीन सर्वे के लिए सेल्फ डिक्लेरेशन की डेडलाइन बढ़ी

AGENCY PATNA : राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने 30 दिसंबर सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि बिहार में भूमि सर्वे का कार्य लगातार तेजी से चल रहा है। बहुत जल्द ही हजारों पंचायत में भूमि सर्वेक्षण का कार्य को पूरा कर लिया जाएगा। जिन लोगों ने अबतक सेल्फ डिक्लेरेशन नहीं दिया है वो जुलाई 2025 तक सेल्फ डिक्लेरेशन दे सकते हैं। सरकार ने यह व्यवस्था की है। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि जमीन सर्वे के पहला चरण का काम 20 जिला में चल रहा था, जो अंतिम चरण में है। दूसरे चरण में बाकी के 18 जिला में सर्वे का काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि लैंड सर्वे के लिए किसी को घर आने की जरूरत नहीं है। जो जहां हैं वही से ऑन लाइन कर सकते हैं। सरकारी पोर्टल पर सभी जमीन के कागज उपलब्ध हैं, उसकी सहायता भी ले सकते हैं। राज्य में भूमि सर्वे को लेकर जो संसाधन की कमी थी उसको पूरा कर लिया गया है। सरकारी अमीन लगातार इस कार्य को कर रहे हैं। जितनी भी पंचायत है उसके आधार पर अमीन को बहाल किया गया है। 8035 अमीन सिर्फ सर्वे के लिए रखा गया है। एक अमीन को चार पंचायत का कार्य दिया गया है, इसलिए भूमि सर्वे में अब कोई दिक्कत नहीं होगी। सरकार इस काम को पूरा करने के लिए लेकर पूरी तरह से तैयार है। दीपक कुमार ने कहा कि भूमि सर्वेक्षण का काम जब शुरू किया गया था तो जो नियम बने थे उसमें कई बार सुधार भी किए गए हैं। लोगों को कई सुविधाएं भी दी गई हैं। जो रैयत और जमीन के कम से कम पेपर भी हैं तो जमीन बिहार सरकार की नहीं हो सकती है, इसके लिए कई प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 45 हजार हजार गांव में सर्वे का काम 1 साल में पूरा करने का लक्ष्य है।

इस संबंध में अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने बताया कि अगर किसी अधिकारी को लेकर लापरवाही की शिकायत आती है तो विभाग उसे पर तुरंत संज्ञान लेता है। अभी तक बिहार में 1400 राजस्व पदाधिकारी में 458 से अधिक पदाधिकारी पर करवाई हुई है। 4 पदाधिकारियों की टीम मुख्यालय में शिकायत देखने के लिए बैठाए गये हैं।

बिस चुनाव से पहले होगा एक और एमएलसी उपचुनाव, 23 जनवरी को मतदान

PATNA : बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले एक और एमएलसी उपचुनाव होने वाला है। बिहार विधान परिषद में विधानसभा कोटे की एक सीट के लिए उपचुनाव की घोषणा सोमवार को की गई है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के एमएलसी रहे सुनील कुमार की सदस्यता रद्द होने के कारण यह सीट खाली हुई थी। चुनाव आयोग के अनुसार एमएलसी उपचुनाव के लिए 23 जनवरी को मतदान होगा। उसी दिन वोटों की गिनती कर परिणाम जारी कर दिया जाएगा। चुनाव आयोग ने सोमवार को बताया कि एमएलसी उपचुनाव के लिए सीट के 8 जनवरी 2025 को अधिसूचना जारी की जाएगी और इसके साथ ही नामांकन शुरू होंगे। 13 जनवरी तक नामांकन पत्र दाखिल होंगे। 14 जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी।

मंडलायुक्त ने गोरखपुर महोत्सव की तैयारियों का लिया जायजा

PHOTON NEWS GORAKHPUR : मंडलायुक्त अनिल ढींगरा ने आयुक्त सभागार में 10 जनवरी से 12 जनवरी तक आयोजित होने वाले गोरखपुर महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी तैयारियां पांच जनवरी, 2025 तक पूरी कर ली जाए। शिल्प मेला एवं मंडलीय सरस मेला की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि स्थानीय लघु उत्पादों की प्रतिभागिता अधिक से अधिक रहे। बैठक में महोत्सव के दौरान लगने वाले प्रदर्शनी बुक फेयर, व्यापारी मेला, गेम जोन, खेल प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक कार्यक्रम और टैलेंट आदि की समीक्षा करते हुए कहा कि महोत्सव में स्थानीय उत्पादों एवं स्थानीय कलाकारों को अधिक से अधिक बढ़ावा दिया जाए। मंडलायुक्त ने डीआईजी, जिलाधिकारी एवं अन्य अधिकारियों के साथ चंपा देवी पार्क का निरीक्षण करके महोत्सव के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी कृष्णा करूणेश, मुख्य विकास अधिकारी संजय कुमार मीना, नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल, जीडीए वीसी आनन्द वर्धन, सीईओ गीड़ा अनुज मलिक सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे।

शाहबानो के आंसू कांग्रेस को रुलाते रहेंगे

इंदौर की बेबस तलाकशुदा शाहबानो 1980 के दशक में भारत में मुस्लिम औरतों की बेबसी के प्रतीक के रूप में सामने आई थीं। उसके बाद के कालखंड में जब भी ऐसा लगने लगता है कि देश उन्हें भूलने लगा है, फिर से किसी न किसी रूप में शाहबानो प्रकरण की चर्चा शुरू हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में संसद में संविधान के 75 साल पूरा होने पर हुई चर्चा के दौरान शाहबानो प्रकरण का जिक्र करते हुए कहा कि 'सुप्रीम कोर्ट से शाहबानो को हक मिला था, राजीव गांधी ने सुप्रीम कोर्ट की उस भावना को नकार दिया। वोटबैंक की राजनीति की खातिर संविधान की भावना की बलि चढ़ा दी।' यह सच है कि इंसाफ के लिए तड़प रही एक महिला की बजाय राजीव गांधी ने इस्लामिक कट्टरपंथियों का खुलकर साथ दिया था। संसद में अपने बहुमत के बल पर आनन-फानन में कानून बनाकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को एक बार फिर पलट दिया गया था। दरअसल, शाहबानो केस भारत की राजनीतिक और कानूनी प्रणाली में महत्वपूर्ण मोड़ था। यह मामला 1985 में सामने आया था और इसने देश में एक बड़ी बहस छेड़ दी थी। शाहबानो इंदौर की मुस्लिम महिला थीं, जिन्हें उनके पति ने तलाक दे दिया था। उन्होंने गुजारा भत्ता (भरण-पोषण) की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। निचली अदालतों ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। लेकिन, उनके पति ने इस फैसले को मानने की बजाय सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे डाली। सुप्रीम कोर्ट ने शाहबानो के पक्ष में फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 के तहत तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को भी गुजारा भत्ता पाने का अधिकार है। अदालत ने यह भी कहा कि यह कानून सभी धर्मों के लोगों पर लागू होता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने देश में राजनीतिक भूचाल-सा ला दिया। मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने इस फैसले का विरोध किया और इसे अपने धार्मिक कानूनों में हस्तक्षेप माना। उन्होंने सरकार पर मुस्लिम पर्सनल लॉ में बदलाव का आरोप लगाया। वे किसी भी रूप में शाहबानो के हक में खड़े होने को तैयार नहीं थे। शाहबानो एक बुजुर्ग महिला थीं, उनका साथ देने के लिए कोई भी मुस्लिम संगठन खड़ा नहीं हुआ। सबने उसे अपने हाल पर मरने के लिए छोड़ दिया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सरकार ने इस मामले में अत्यंत ही विवादास्पद कदम उठाया। उन्होंने मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 पारित किया। इस अधिनियम ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया और तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने की जिम्मेदारी उसके पति के बजाय उनके परिवार या वक्फ बोर्ड पर डाल दी। वक्फ बोर्ड ने किसकी-किसकी कब मदद की, यह बात न राजीव गांधी को पता थी और न उनके करीबियों को। राजीव गांधी सरकार के फैसले की व्यापक आलोचना हुई। कई लोगों ने इसे अल्पसंख्यक तुष्टीकरण और लैंगिक न्याय के खिलाफ माना, जो सच भी था। इस मामले ने भारतीय राजनीति में धार्मिक और लैंगिक मुद्दों को केंद्र में ला दिया। शाहबानो केस ने धार्मिक आधार पर भारतीय समाज को ध्रुवीकृत कर दिया। इसने भारत में महिला अधिकारों और लैंगिक न्याय पर नई बहस छेड़ दी। शाहबानो केस ने राजनीतिक दलों की भूमिका और अल्पसंख्यकों के प्रति उनके दृष्टिकोण को उजागर किया। देश के आम अवाम को समझ आ गया कि कांग्रेस मुसलमानों के वोट हासिल करने के लिए किसी भी हद तक समझौता कर सकती है। शाहबानो केस भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण घटना बनी हुई है, जो आज भी प्रासंगिक है। यह मामला बताता है कि कैसे धार्मिक और राजनीतिक मुद्दे सामाजिक न्याय और समानता को प्रभावित कर सकते हैं। शाहबानो केस में मुस्लिम संगठनों का असली चेहरा सामने आ गया। वे तलाकशुदा मुस्लिम महिला को अपने पूर्व पति से गुजारा भत्ता पाने का हकदार नहीं मानते थे। उनका तर्क था कि यह फैसला मुस्लिम पर्सनल लॉ में हस्तक्षेप करता है। इसके बाद ही राजीव गांधी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया था। कांग्रेस ने इस मामले में मुस्लिम समुदाय को खुश करने के लिए तुष्टीकरण की नीति अपनाई। इसके चलते कांग्रेस को देश ने नकारना शुरू कर दिया। शाहबानो केस में कांग्रेस के स्टैंड से सख्त नाराज होकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता और केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान ने पार्टी छोड़ी थी। आरिफ साहब की पहचान मुस्लिम और हिंदू धर्मग्रंथों के विद्वान एवं स्वतंत्र विचारों वाले व्यक्ति के रूप में रही है। वे उदार और बुद्धिजीवी व्यक्ति हैं। आरिफ मोहम्मद खान राजीव गांधी की कैबिनेट में होने के बावजूद शाहबानो मामले में उनसे भिड़ गए थे और मंत्रिपद से इस्तीफा देकर विरोध में खड़े हो गए थे। राजीव गांधी के तुष्टीकरण भरे फैसले ने शाहबानो को झकझोर कर रख दिया। सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले को पलट कर जिसमें तलाकशुदा शाहबानो को गुजारा भत्ता दिए जाने का निर्देश दिया गया था, इसके लिए उन्हें नया कानून बनाना पड़ा। उद्देश्य था- कट्टरपंथी मौलवियों को खुश करना। अर्थ था- संविधान के ऊपर शरीयत की वरीयता। ऐसे में बोलना तो पड़ेगा, विशेषकर कांग्रेस को और उससे भी ज्यादा राहुल गांधी को, जो हर मौके पर हाथ में संविधान की प्रति लेकर खतरा-खतरा चिल्लाते रहते हैं। उन्हें फैसला करना पड़ेगा कि वे संविधान के पक्ष में हैं या शरीयत के। मुल्ला मुस्लिम पर्सनल लॉ के या तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के गुजारा भत्ते के। बड़ी मुश्किल डगर है- एक तरफ कुआं, दूसरी तरफ खाई, किधर जाएगी कांग्रेस।

आधुनिक भारत में आर्थिक बदलाव के सूत्रधार

ANALYSIS

योगेश कुमार गोयल

मनमोहन सिंह ने 92 वर्ष की उम्र में 26 दिसंबर की रात दिल्ली के एम्स अस्पताल में अंतिम सांस ली। अपने शांत स्वभाव और बौद्धिक कौशल के लिए जाने जाने वाले मनमोहन सिंह ने भारत में ऐतिहासिक आर्थिक उदारीकरण की शुरूआत करने में अहम भूमिका निभाई थी। 1991 में व्यापक सुधारों का श्रेय उन्हें ही दिया जाता है, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को खोला तथाकथित लाइसेंस-परमिट राज को खत्म किया और वैश्विक मंच पर भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनने के मार्ग पर मजबूती से स्थापित किया। एक शिक्षाविद, अर्थशास्त्री और राजनीतिज्ञ के रूप में उनकी यात्रा न केवल प्रेरणादायक रही, बल्कि उनके द्वारा किए गए आर्थिक सुधारों और राजनीतिक निर्णयों ने भारत के इतिहास में एक नई दिशा दी। उन्हें आधुनिक भारत के आर्थिक सुधारों का वास्तुकार भी कहा जाता है। डॉ. मनमोहन सिंह ने जुलाई 1991 में अपने बजट भाषण के अंत में फ्रांसिसी लेखक विक्टर ह्यूगो की पंक्तियां उद्धृत करते हुए कहा था- दुनिया की कोई भी ताकत उस विचार को नहीं रोक सकती, जिसका समय आ गया है। मैं इस सम्मानित सदन को सुझाव देता हूं कि भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है।

देश के आर्थिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भारत के 14वें प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के साथ ही एक ऐसे नेता के युग का अंत हो गया, जिसने आधुनिक भारत के आर्थिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मनमोहन सिंह ने 92 वर्ष की उम्र में 26 दिसंबर की रात दिल्ली के एम्स अस्पताल में अंतिम सांस ली। अपने शांत स्वभाव और बौद्धिक कौशल के लिए जाने जाने वाले मनमोहन सिंह ने भारत में ऐतिहासिक आर्थिक उदारीकरण की शुरूआत करने में अहम भूमिका निभाई थी। 1991 में व्यापक सुधारों का श्रेय उन्हें ही दिया जाता है, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को खोला तथाकथित लाइसेंस-परमिट राज को खत्म किया और वैश्विक मंच पर भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनने के मार्ग पर मजबूती से स्थापित किया। एक शिक्षाविद, अर्थशास्त्री और राजनीतिज्ञ के रूप में उनकी यात्रा न केवल प्रेरणादायक रही, बल्कि उनके द्वारा किए गए आर्थिक सुधारों और राजनीतिक निर्णयों ने भारत के इतिहास में एक नई दिशा दी। उन्हें आधुनिक भारत के आर्थिक सुधारों का वास्तुकार भी कहा जाता है। डॉ. मनमोहन सिंह ने जुलाई 1991 में अपने बजट भाषण के अंत में फ्रांसिसी लेखक विक्टर ह्यूगो की पंक्तियां उद्धृत करते हुए कहा था- दुनिया की कोई भी ताकत उस विचार को नहीं रोक सकती, जिसका समय आ गया है। मैं इस सम्मानित सदन को सुझाव देता हूं कि भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है।

मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत ने आर्थिक विकास में उल्लेखनीय वृद्धि की। 2004 से 2014 तक भारत 10वें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया था, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई थी। मनमोहन सिंह ने एक दशक से भी ज्यादा समय तक अभूतपूर्व विकास और वृद्धि की दिशा में देश को नेतृत्व प्रदान किया। उनके द्वारा किए गए प्रमुख सुधारों में उदारीकरण के तहत लाइसेंस राज की समाप्ति और व्यवसाय शुरू करने के लिए सरल प्रक्रियाओं का निर्माण, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के दरवाजे खोलना और विदेशी व्यापार को प्रोत्साहित करना, कर ढांचे को सरल और पारदर्शी बनाना, भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए बाजार पर आधारित सुधार लागू करना, ग्रामीण रोजगार और गरीबी उन्मूलन के लिए मनरेगा लागू करना शामिल हैं। इन सुधारों ने भारत को आर्थिक संकट से बाहर निकाला और उसे विश्व अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित किया। भारत ने डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान ऐतिहासिक वृद्धि दर देखी, जो औसतन 7.7 प्रतिशत रही और उसी के परिणामस्वरूप भारत करीब दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में सफल रहा था। उन्हें न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री रहे, जिन्हें न केवल उन कार्यों के लिए स्मरण किया जाता रहेगा, जिनके जरिये उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया जाएगा। उन्होंने न केवल आर्थिक विकास की गति को बनाए रखा, बल्कि सामाजिक और विकासशील नीतियों पर भी जोर दिया। हालांकि उनका कार्यकाल आलोचनाओं से भी अछूता नहीं रहा। अपने दूसरे कार्यकाल में उन्हें आर्थिक चुनौतियों और भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा और निर्णय लेने में धीमापन उनकी सरकार के लिए नकारात्मक साबित हुए। 2जी घोटाला उनके कार्यकाल के सबसे बड़े विवादों में से एक रहा। इसके अलावा कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाले को कोलगेट के नाम से जाना गया। उनके दूसरे कार्यकाल में आर्थिक सुधारों की गति धीमी रही। 22 मई 2004 से 26 मई 2014 तक दो बार भारत के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह की छवि बेहद कम बोलने वाले और शांत रहने वाले व्यक्ति की रही। हालांकि जब भी वे कुछ बोलते थे, वह सुर्खियां बन जाती थी। मनमोहन सिंह ने ही कहा था कि राजनीति में लंबे समय तक कोई दोस्त या दुश्मन नहीं होता। वह कहा करते थे कि मैं एक खुली किताब की तरह हूं और मेरे दस वर्ष का कार्यकाल इतिहासकारों के मूल्यांकन का विषय है। उन्होंने 27 अगस्त 2012 को संसद में कहा था कि हजारों जवाबों से अच्छी मेरी खामोशी है, जिसने न जाने कितने सवालों की आबरू रखी। डॉ. मनमोहन सिंह को उनके अलोचकों द्वारा मूक प्रधानमंत्री की संज्ञा दी जाती थी, लेकिन उन्होंने आमतौर पर इस पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी। इस पर उनकी पहली प्रतिक्रिया दिसंबर 2018 में उनकी पुस्तक द चेजिंग इंडिया के विमोचन के अवसर पर सामने आई थी, जब उन्होंने कहा था कि जो लोग कहते हैं कि मैं एक मूक प्रधानमंत्री था, मुझे लगता है कि मेरी ये पुस्तकें बोलती हैं। बतौर प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह लोकसभा में 23 मार्च 2011 को विपक्ष के सवालों का जवाब दे रहे थे। उस दौरान सदन में नेता प्रतिपक्ष सुषमा स्वराज ने उन पर तंज करते हुए कहा था, तू इधर-उधर की न बात कर, ये बता कि कारवां क्यों लुटा, मुझे रहजनों से गिला नहीं, तेरी रहबरी का सवाल है। इसके जवाब में डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था, माना कि तेरी दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक तो देख, मेरा इंतजार तो देख। डॉ. मनमोहन सिंह ने जनवरी 2014 में बतौर प्रधानमंत्री अपनी आखिरी प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया के उन सवालों का जवाब देते हुए, जिनमें कहा गया था कि उनका नेतृत्व कमजोर है और कई अवसरों पर वे निर्णायक नहीं रहे, कहा था कि मैं यह नहीं मानता कि मैं एक कमजोर प्रधानमंत्री रहा हूं, बल्कि मैं ईमानदारी से यह मानता हूं कि इतिहास मेरे प्रति समकालीन मीडिया या संसद में विपक्ष की तुलना में ज्यादा उदार होगा, राजनीतिक मजबूरियों के बीच मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। उन्होंने कहा था कि परिस्थितियों के अनुसार मैं जितना कर सकता था, उतना किया। यह इतिहास को तय करना है कि मैंने क्या किया है या क्या नहीं किया है। उनका कहना था कि मुझे उम्मीद है कि मीडिया की तुलना में इतिहास मेरा मूल्यांकन करते समय ज्यादा उदार होगा। 26 सितंबर 1932 को पंजाब (अब पाकिस्तान में) के गांव गाह में जन्मे मनमोहन सिंह का परिवार विभाजन के समय भारत आ गया था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में हुई थी, जिसके बाद उच्च शिक्षा के लिए वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए, जहां उन्होंने अर्थशास्त्र में ट्रिपोस किया और फिर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी.फिल की उपाधि प्राप्त की। उनकी उच्च शिक्षा ने उन्हें न केवल एक उत्कृष्ट अर्थशास्त्री बनाया, बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य और आर्थिक सोच की गहराई भी प्रदान की।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

कर्म के धरातल पर अत्यंत समृद्ध थे डॉ. मनमोहन सिंह

'हजारों जवाबों से अच्छी है मेरी खामोशी, न जाने कितने सवालों की आबरू रखी।' अपनी इसी खामोशी के साथ 26 दिसंबर 2024 को फेफड़े में गंभीर संक्रमण के कारण 92 वर्ष की आयु में रात्रि 9 बजकर 51 मिनट में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह इस असार संसार का त्याग कर चुके थे। उनके शरीरांत के पश्चात उनकी वही 'खामोशी' इन दिनों मुखर होकर सबको बेचैन कर रही है। डॉ. सिंह ने दस वर्षों के अपने कार्यालय में 'देशहित' को सर्वोपरि रखा। उन्होंने कभी प्रधानमंत्री पद पाने की चाह भी व्यक्त नहीं की थी। कांग्रेस नेतृत्व ने खुद उनसे प्रधानमंत्री पद स्वीकार करने का आग्रह किया था। वे वाचाल नहीं थे, आत्मप्रशंसक भी नहीं थे, सत्तालोलुप नहीं थे। विपक्षी दलों के लिए कभी अपशब्द का प्रयोग नहीं करते थे। सच तो यह है कि उन्होंने किसी नेता-नेत्री को आरोपित तक नहीं किया। वे न तो भाषणों में जोश दिखाते थे और न ही किसी विवाद को जन्म देते थे। वास्तव में उनका काम ही उनकी पहचान थी। उनके चरित्र की सबसे बड़ी विशेषता थी कि वे जो भी करते थे, शालीनता के साथ। उन जैसा व्यावहारिक भारतीय अर्थशास्त्री न कल था और न ही आज है। भविष्य में भी कोई नजर नहीं आ रहा। डॉ. मनमोहन सिंह जैसा सुशिक्षित एवं अनुभव संपन्न प्रधानमंत्री आजादी के बाद से आज तक कोई नहीं हुआ। उनका अर्थबोध अद्वितीय रहा है। हम यदि उसके क्रम को समझें तो वे अर्थशास्त्र में वरिष्ठ व्याख्याता, उपाचार्य (रीडर), प्राध्यापक थे। वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास-सम्मेलन (अंकटाडझ यूएनसीटीएडी) में भी सक्रिय थे। भारतीय रिजर्व बैंक के निदेशक तथा गवर्नर, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के निदेशक, योजना आयोग के उपाध्यक्ष, दक्षिण आयोग के महासचिव, विदेश व्यापार मंत्रालय के सलाहकार, 'दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स' अंतरराष्ट्रीय व्यापार के प्राध्यापक, वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे। यही कारण था कि वे विषम आर्थिक परिस्थितियों को भी अपनी कुशाग्र बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुए अपने अनुकूल कर लेते थे। हमें वर्ष 1991 का वह समय स्मरण रखना होगा, जब विश्व गंभीर आर्थिक संकट के दौर गुजर रहा था। वैसी विषम परिस्थिति में पीवी नरसिम्हा राव के प्रधानमंत्रित्व काल में डॉ. मनमोहन सिंह को वित्तमन्त्री बनाया गया। उस समय भारत का विदेशी मुद्रा भंडार रिक्त हो चुका था। देश पर अत्यधिक ऋण का दबाव था। ऐसे में उनकी तीन आर्थिक नीतियोंझ (1) उदारीकरण (2) निजीकरण (3) वैश्विकरण ने भारतीय अर्थव्यवस्था को नई सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। उन्होंने अपनी सुशिक्षा और अनुभव के बल पर भारतीय अर्थव्यवस्था में अभिनव युग की शुरूआत की। उनकी आर्थिक उदारीकरण की नीति 'मील का पत्थर' साबित हुई, जिसके अंतर्गत उन्होंने व्यापार, उद्योग तथा निवेश के क्षेत्रों में लोकोपयोगी सुधार किए थे, जिससे भारत को वैश्विक अर्थतंत्र के साथ जोड़ने मे सहायता मिली। उन्होंने ही शासकीय उद्यमों को निजी क्षेत्र के लिए खोलने की शुरूआत की। निजीकरण के साथ विदेशी निवेश को भी प्रोत्साहित करने का श्रेय उन्हें जाता है। उन्होंने विदेशी कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित किया। उनकी नीतियों का ही परिणाम था कि सूझबूझ एवं दूरदर्शिता के साथ उन्होंने कई दशक से भारतीय अर्थव्यवस्था में सुस्त वृद्धि और भ्रष्टाचार के स्रोत 'लाइसेंस-परमिट राज' को समाप्त कर दिया था। कर (टैक्स) कम कर दिए थे। यही कारण था कि उनके वित्त मंत्रित्व काल में भारत की आर्थिक दशा-दिशा पूर्णतः स्वस्थ एवं समृद्ध रही। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपनी कृति 'ए प्रामिस्ड लैंड' में डॉ. मनमोहन सिंह की आर्थिक नीतियों की सराहना करते हुए लिखा थाझ वर्ष 1990 के बाद वे लगातार भारत की सुदृढ़ अर्थव्यवस्था बनाने में तत्पर और सन्नद्ध रहे। वे भारतीय अर्थव्यवस्था को ऊंचाई पर ले जाने वाले प्रमुख शिल्पी बने। डॉ. मनमोहन सिंह वर्ष 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री बने रहे। उन्होंने अपने उन दस वर्षों के कार्यकाल में कभी अवकाश नहीं लिया, सिवाय वर्ष 2009 में जब उन्हें बाईपास सर्जरी करानी पड़ी थी। वे प्रतिदिन 18 घंटे क्रियाशील थे। बताया जाता है कि वे प्रतिदिन 300 फाइलों का परीक्षण करते थे। डॉ. सिंह भारत के ऐसे प्रधानमंत्री थे, जो पं. जवाहरलाल नेहरू के बाद पूरे पांच वर्षों का कार्यकाल पूर्ण करने के बाद दोबारा प्रधानमंत्री बने। उनके कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र में कई क्रांतिकारी सुधार किए गए थे। उन्होंने 'शिक्षा का अधिकार अधिनियम' लागू किया था, जिसके अंतर्गत छह से चौदह वर्ष के बालक-बालिकाओं के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की गारंटी दी गई थी। हमें भूलना नहीं होगा कि डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए सरकार ने वर्ष 2006 में 'मनरेगा' (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी-अधिनियम) को लागू किया था, जिसमें ग्रामीण भारत के निर्धन परिवार को 100 दिनों के रोजगार देने की व्यवस्था रही। उनके कार्यकाल में भारत ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई। बीपीओ और आईटी उद्योग ने लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न किए थे। टेलीकॉम-क्षेत्र में कराए गए सुधार ने देश के कोने-कोने में मोबाइल और इंटरनेट कनेक्टिविटी का विस्तार किया। डॉ. मनमोहन सिंह की दूरदर्शिता तब और मुखर रूप में सामने आई, जब वर्ष 2008 में भारत-अमेरिका का परमाणु समझौता हुआ था, जो भारत को असैनिक परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था।

Social Media Corner

सच के हक में...

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति श्री जिमी कार्टर के निधन पर गहरा दुख हुआ। एक महान दूरदर्शी राजनेता, उन्होंने वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए अथक प्रयास किया। मजबूत भारत-अमेरिका को बढ़ावा देने में उनका योगदान रिश्ते एक स्थायी विरासत छोड़ते हैं। उनके परिवार, दोस्तों और अमेरिका के लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।

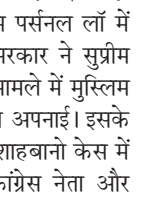

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड में प्रतिदिन औसतन 5 लोगों की हत्या हो रही है। एससीआरबी द्वारा जारी आंकड़े के मुताबिक, इस वर्ष जनवरी से अक्तुबर तक के बीच 1400 लोगों की हत्या की जा चुकी है। इस दौरान सिर्फ आमलोग ही नहीं बल्कि पुलिस अधिकारी, अधिवक्ता और जनप्रतिनिधि भी असमय मौत के घाट उतार दिए गए हैं। झारखंड में अपराध का ग्राफ चिंताजनक रूप से ऊपर चढ़ रहा है। विधि व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखना राज्य सरकार की जिम्मेवारी है, लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी नागरिकों की सुरक्षा में बुरी तरह विफल साबित हो रहे हैं। झारखंड में बढ़ता अपराध आमलोगों के जेहन में खौफ पैदा कर रहा है। अगर तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो राज्य की स्थिति और भयावह हो सकती है। राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन को अपराध नियंत्रण के लिए मजबूत इच्छाशक्ति के साथ ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

दूध उत्पादन को बढ़ावा दे रही मोदी सरकार

बीते दिनों केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने दस हजार नई प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) की शुरूआत करते हुए कहा कि अगले पांच साल में दो लाख पैक्स बनाने का लक्ष्य समय से पहले हासिल हो जाएगा। पैक्स के जरिए कृषि उत्पादों की देसी-विदेशी बाजारों तक पहुंच बनेगी। उल्लेखनीय है कि वैश्विक दूध उत्पादन में भारत की 24 प्रतिशत हिस्सेदारी है, लेकिन विश्व निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बहुत कम है। दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार ने पैक्स के जरिए श्वेत क्रांति 2.0 की शुरूआत की है। यह पहल ऑपरेशन फ्लड की सफलता पर आधारित है, जो 1970 में शुरू हुई थी और सहकारी समितियों के माध्यम से भारत को विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक बना दिया। श्वेत क्रांति 2.0 का वित्त पोषण राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के माध्यम से होगा। इस धन का उपयोग दूध संग्रहण केंद्र स्थापित करने, कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं बढ़ाने और प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि के लिए किया जाएगा। वास्तव में अभी दूध उत्पादन से जुड़े 6.5 करोड़ ग्रामीण परिवार सहकारी क्षेत्र के दायरे से बाहर हैं। उचित मूल्य न मिलने के कारण इन ग्रामीण परिवारों को शोषण का सामना करना पड़ रहा है। डेरी कारोबार से जुड़े देश के आठ करोड़ ग्रामीण परिवारों में से मात्र 1.5 करोड़ परिवार ही सहकारी क्षेत्र से जुड़े हैं। मोदी सरकार ने इन 6.5 करोड़ ग्रामीण परिवारों को सहकारी क्षेत्र से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इससे डेरी किसानों की बाजार तक बेहतर पहुंच बनेगी। श्वेत क्रांति 2.0 को चार प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित किया गया है। इसमें महिला किसानों को सशक्त बनाना, स्थानीय दूध उत्पादन को बढ़ाना, डेरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और डेरी निर्यात को बढ़ावा देना शामिल हैं। श्वेत क्रांति 2.0 का प्राथमिक लक्ष्य अगले पांच वर्षों में देश भर में दूध संग्रह को 50 प्रतिशत तक बढ़ाना है। इसका उद्देश्य वित्त वर्ष 2028-29 तक दैनिक दूध खरीद को 660 लाख किलोग्राम से बढ़ाकर 1007 लाख किलोग्राम करना है। डेरी ऐसा क्षेत्र है, जिसमें अधिकतर महिलाएं कार्यरत हैं। डेरी क्षेत्र के कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत है। अकेले गुजरात में डेरी क्षेत्र से जुड़ी महिलाएं सालाना 60,000 करोड़ रुपये का कारोबार कर रही हैं। स्पष्ट है श्वेत क्रांति 2.0 महिलाओं का सशक्त बनाने का कारगर हथियार साबित होगी। भारत विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। वित्त वर्ष 2022-23 में 23 करोड़ टन दूध का उत्पादन हुआ। डेरी उद्योग भारत के कृषि उत्पादन का 40 प्रतिशत हिस्सा है। उत्पादित दूध का लगभग 63 प्रतिशत बाजार में पहुंचता है जिनमें से अधिकांश असंगठित क्षेत्र से आता है जबकि सहकारी समितियां संगठित क्षेत्र के उत्पादन को नियंत्रित करती हैं। उल्लेखनीय है कि सहकारी समितियां आपरेशन फ्लड की रीढ़ रही हैं। वर्तमान में देश में 1.7 लाख डेरी सहकारी समितियां हैं, जो 30 प्रतिशत गांवों को कवर करती हैं। देश के कुल दूध उत्पादन का 10 प्रतिशत इन सहकारी समितियों के माध्यम से आता है, लेकिन इनका कवरेज असमान है। कवरेज बढ़ाने के लिए एनडीडीबी अगले पांच वर्षों में 56,000 नई सहकारी समितियां स्थापित करने और 46,000 मौजूदा समितियों में सुधार की योजना पर काम कर रहा है। एनडीडीबी का ध्यान उत्तर प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों पर है, जहां डेयरी सहकारी समितियां कम विकसित हैं। सरकार ने डेरी किसानों के लिए देश भर में रुपे किसान कार्ड और डेरी सहकारी समितियों में सूक्ष्म एटीएम की भी शुरूआत की है। श्वेत क्रांति की ही उपलब्धि है कि भारत लंबे से समय विश्व का अग्रणी दूध उत्पादक बना हुआ है। आज वैश्विक स्तर पर जहां दूध उत्पादन में सालाना दो प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी हो रही है वहीं भारत में यह छह प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। वैश्विक दूध उत्पादन में भारत की 24 प्रतिशत हिस्सेदारी है, लेकिन विश्व निर्यात में भारत की हिस्सेदारी एक प्रतिशत से भी कम है। आज भारत का डेरी एवं पशुपालन उद्योग देश की जीडीपी में पांच प्रतिशत योगदान कर रहा है।

निरापदता में ही सुरक्षा

लोग जिन परिसरों को निरापद समझते हैं, उससे उनमें एक सहजता की भावना आती है। वे इन इलाकों में चौकन्नापन छोड़ तनावमुक्त हो जाते हैं। निरापद परिवेश में अगर कोई हमला हो, तो यह उस भावना या भरोसे पर कुठाराघात होगा। चेन्नई के अन्ना विश्वविद्यालय परिसर में हुई यौन हमले की हालिया घटना में, एक युवा छात्रा की न सिर्फ शारीरिक अखंडता का घृणित उल्लंघन हुआ है, बल्कि उसके भरोसे पर बड़ा आघात हुआ है, जो शायद उतना ही तकलीफदेह है। इस 23 दिसंबर को, तमिलनाडु के शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में से एक, राज्य-संचालित अन्ना विश्वविद्यालय में, इस इंजीनियरिंग छात्रा और उसके एक छात्र दोस्त ने रात के खाने के बाद टहलने का फैसला लिया। टहलते-टहलते एकांत हिस्से में पहुंचने पर उनके साथ भयावहता शुरू हुई। एक अजनबी ने पुरुष दोस्त के साथ अभद्रता की, उसे धमकाया और फिर लड़की पर यौन हमला शुरू कर दिया। इस अप्रिय अनुभव से सदमाग्रस्त लड़की ने अगले दिन पुलिस हेल्पलाइन (100 नंबर) पर फोन किया और पास के महिला थाने की एक टीम विश्वविद्यालय पहुंची और उसकी शिकायत ली। उसने घटना का पूरा ब्योरा दिया और उन्हें आश्वस्त किया कि अगर वह अपराधी को दोबारा देखेगी तो उसे पहचान लेगी। बुधवार को पुलिस ने सड़क किनारे सामान बेचने वाले ज्ञानशेखरन को, शिनाख्त परेड में उसकी शिनाख्त होने के बाद, गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ पहले से कई छोटे-मोटे मामले हैं। ऐसा लगता है कि कर्मचारी नहीं होने के बावजूद, वह विश्वविद्यालय परिसर में अक्सर आया-जाया करता था, क्योंकि उसकी पत्नी को विश्वविद्यालय ने परिसर में काम करने के लिए ठेका मजदूर के रूप में रखा था। इस घटना के बाद उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि पूरे परिसर में ज्यादा रोशनी का इंतजाम किया जाएगा और तमाम बढ़ी हुई झाड़ियों की छंटाई की जाएगी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

What Dhirubhai Ambani's faith & resilience tell us

1932, in Chorwad, Saurashtra, Gujarat, India, Dhirajlal Hirachand Ambani was born to Jamnaben and Hirachand Gordhanbhai Ambani, an ordinary school teacher. To the world, he was Dhirubhai Ambani, a visionary, the architect of Reliance, and the man who transformed India's entrepreneurial landscape. To me, he was my father – a guiding star, a source of boundless inspiration, and a living embodiment of resilience.

Through his life, I found not just lessons on business but the very essence of what it means to live purposefully and leave an indelible mark. The foundation of his greatness lay in his unshakeable faith, humility, and relentless determination. My father often found solace in the teachings of the Hanuman Chalisa, his go-to source of wisdom and strength. Like Hanuman, he believed that with faith and effort, even the seemingly impossible becomes achievable.One line he frequently quoted was: "Buddhiheen Tanu Jaanike, Sumirau Pavan Kumar; Bal Buddhi Vidya Dehu Mohi, Harahu Kalesh Vikaar" – Understanding my limitations, I bow to Hanuman; bless me with strength, wisdom, and knowledge, and remove my flaws and grief. For him, this prayer was not just a call to Hanuman for divine help but a reminder of the infinite potential within each of us, waiting to be unlocked through persistence and faith. My father's journey from a modest Gujarati village to the pinnacle of Indian business was nothing short of a modern epic.Starting with a mere few rupees in his pocket, he dreamed of creating a company that would serve millions. "Dream big," he would always say. His belief in hard work echoed the words of Hanuman Chalisa: "Ram Kaj Karibe Ko Aatur" – Eager to fulfil the work of Lord Ram. He approached every challenge with the same fervour – be it setting up Reliance in a world dominated by multinational giants or overcoming the cynicism of naysayers. For him, work was worship, and every obstacle was an opportunity to serve a larger purpose.

As his son, I had the privilege of witnessing his unwavering commitment to empowering others. He always believed that wealth is a means to create a better society, not an end in itself. He often reminded us, "A leader is not the one who leads; a leader is the one who builds more leaders and can attract followers."

The most profound lesson I learned from him was to never lose faith in the face of adversity. Like Hanuman's leap to Lanka, his life was a testament to the idea that no distance is too far, no mountain too high, if your intentions are pure and your heart resolute. "Naasai Rog Harai Sab Peera, Japat Nirantar Hanumat Beera" – He destroys all ailments and suffering for those who chant his name continuously. Today, as I walk in his footsteps, I hold his lessons close to my heart. He was, and always will be, my greatest teacher – a living example of what it means to dream fearlessly, live purposefully, and lead with humility.My father prayed daily to the rising sun as a sign of humility and commitment. He would say, "Aditya Hridayam Punyam." It reminds us that the sun is a reflection of divine strength. It teaches us courage, energy, and focus. My father would tell me, it means life will challenge you, but like the sun, rise again every day, undeterred.

May his spirit continue to inspire countless others to leap across their own oceans of doubt and achieve the extraordinary. When I asked my mother Kokilaben, "Why did papa leave us so suddenly?" She answered calmly, "Your father had done all he could here on earth – for us, for Reliance, and above all for India…God wanted him to come to heaven and serve Him there."

Time to strike new-age notes in Carnatic music

T M Krishna is rare in defying his own privileged origin to raise voice against casteism in Carnatic music. He deserves the art's top honour as he ticks all the boxes. Meanwhile, the music's elite preserves should adapt to the times

It is that time of the year in Chennai when the city goes Carnatic. The December event, popularly called the Margazhi music season after the Tamil month, is only four years from completing a century. Its creators may not have imagined the shape it would take, as much on YouTube and other online forums as the cherished sabha halls of Chennai.However, a lot has not changed in the fuddy-duddy Carnatic world, with minds not being broad enough to take in music's vast horizons. That is what makes for a controversy hotter than sambar poured on piping hot idlis at many sabha canteens.The real food for thought should be the entrenched habits of Carnatic elitism. Despite all efforts, the season remains a Tamil Brahmin preserve in a land famous for its anti-Brahmin movement.A recent Supreme Court ruling that this year's recipient of what's arguably the music's highest honour, the Sangita Kalanidhi—Thodur Madabusi Krishna—should not be declaring himself an awardee of the honour named after M S Subbulakshmi until an appeal by the legendary singer's grandson V Shrinivasan is decided, is the latest in a row that smells strongly of entrenched orthodoxy.Krishna has allegedly besmirched Subbulakshmi's legacy with his controversial view on how she gained acceptance among the elite Brahmins, and her family's claim that the late singer had willed no award to be set up in her name.I had highlighted in an earlier column the class differences between the eminent elite who dominate the Madras Music Academy that awards the Sangita Kalanidhi, and those who aspire to glory from humbler origins.

Krishna is unique in the sense that he has defied his own privileged origins to raise his voice against casteism in his field. He certainly deserves the art's top honour as he ticks all the boxes: a solid vocalist grounded in rigorous tradition, a music historian to boot and one with a track record that shows excellence in many dimensions. And it was indeed nice to see a glasnost spirit at the Academy when Krishna performed there to a standing ovation this Christmas day after almost a decade.

But what I would like to question are some visible assumptions and conventions in the Carnatic world.

First, we need to ask if the Madras Music Academy should necessarily be the Mecca of Carnatic music. It is a closed private club. Its members just happen to have pioneered a culture of excellence, but need not be the only ones lording over things. There was a time when the Filmfare awards were considered the top honour in Indian cinema. We now have Screen, IIFA and other awards that have shown that many flowers can bloom in an artistic garden.

Then there is my persnal view on Subbulakshmi. The late vocalist had an amazing voice, was hugely popular, became the first Indian musician to perform at the UN General Assembly and even received the Bharat Ratna. But connoisseurs with rigorous classical yardsticks may put their money on someone like the late Semmangudi Srinivasa Iyer, or enjoy comparing female vocalists like M L Vasanthakumari or D K Pattammal with Subbulakshmi—with no one declared a winner. An icon may not necessarily impress nuanced critics in a peer review.It is also time for Carnatic music to shed its Chennai-centrism. There is a distinct unconscious Tamil Nadu bias that needs affirmative action to get some balance. I have heard excellent musicians from Andhra Pradesh, Telangana, Karnataka and Kerala and know of local clubs to match, but Chennai remains for the Carnatic world what Lord's is to cricket.

Born just about two decades ago, the Jaipur Literature Festival is now considered one of the world's biggest shows of its kind, and has international editions in the US, Canada, Australia and even Spain. Maybe the Carnatic season needs to travel in time and space. The Cleveland Thyagaraja Festival already throws us a hint.

Though the Carnatic world has embraced the violin, the electronic keyboard, the guitar, the piano, the saxophone and the mandolin, Krishna's attempts to break its social glass ceiling from above have met with quiet but stubborn resistance. There are also allegations of nepotism and unwarranted conservatism in the sabha culture. We need an Alt-Carnatic culture.I recall an afternoon with L Subramanian, the violinist who took the Carnatic style to jazz and classical fusion, when he ruefully spoke about how he faced resistance from an orthodox set in his own home patch. I have read Subbudu, one of Carnatic music's respected and controversial critics, writing that composer Thyagaraja should not be made to wear a Western suit. Last year's Grammy, awarded to Indo-jazz group Shakti enriched over the years by Shankar Mahadevan's vocals, Vikku Vinayakaram's ghatam and Zakir Hussain's tabla, should settle the debate.It is sad that few speak today of L Shankar, Shakti's original violinist, whose magic fingers, honed in Carnatic tradition, led to his invention of a two-necked violin playfully named the LSD, or L Shankar's double-violin. It covers five-and-a-half octaves and takes the cello's range to a more portable form. His reverse swing is largely unsung.Much like cricket, whose rulebooks and formats have changed over time, the Carnatic world needs to shed some of its conservatism with some new-age tricks, structures and venues.

PSU losses in HP

Bold and sustainable reforms needed

THE financial health of Himachal Pradesh's public sector undertakings (PSUs) continues to deteriorate, with cumulative losses exceeding Rs 4,900 crore across 12 entities, as per the Comptroller and Auditor General's (CAG) 2022-23 report. The Himachal Road Transport Corporation (HRTC) and Himachal Pradesh State Electricity Board (HPSEB) alone account for losses of Rs 3,500 crore. Their being in the red has been exacerbated by social welfare responsibilities like subsidised power and transportation. Successive governments have failed to address this crisis, burdened by entrenched inefficiencies and resistance to reforms. Chief Minister Sukhvinder Singh Sukhu's push to merge loss-making PSUs offers a glimmer of hope. Other steps like withdrawing power subsidies for income tax payers and reducing free travel for certain groups also signal fiscal prudence.

Sukhu's proposal to merge Agro Industries Corporation with the Horticulture Produce Marketing and Processing Corporation is a pragmatic start. Such mergers can reduce administrative overheads, streamline operations, and consolidate resources. But these efforts must address employee concerns through transparent dialogue, retraining programmes and assurances of job security as employee opposition remains a major roadblock to effective mergers. The adoption of modern management practices, such as digital transformation and efficiency audits, could curtail recurring losses. The HRTC could benefit from route optimisation and an upgraded fleet, while the HPSEB might reduce transmission losses by investing in renewable energy infrastructure. Governance reforms are equally critical. Appointing a capable leadership, setting performance benchmarks and fostering accountability at all levels can ensure long-term sustainability. Public-private partnerships could also unlock growth potential in sectors like tourism and horticulture.With the state's debt burden nearing Rs 90,000 crore, the need for decisive action has never been more urgent. While the road ahead is fraught with challenges, tackling this contentious issue may well determine HP's economic stability in the long run.

Homeschooling: Affordable and holistic education option

Homeschooling is transforming its image from an unconventional option to a widely accepted educational route as many parents opt for this affordable choice

With the rising costs of living, an increasing number of parents are reevaluating the conventional approach to education. An increasing number of families nationwide are viewing homeschooling as a legitimate and empowering option compared to traditional education systems.The choice is influenced not only by financial considerations but also by a commitment to nurture the child in a manner that aligns with their unique needs and the family's values. For many years, traditional educational institutions have been the cornerstone of childhood learning. However, nowadays, an ever-growing number of parents are questioning whether the significant expenses associated with private education, or even the costs of public schooling, truly justify the investment. The homeschooling movement presents a compelling argument: education can occur beyond the confines of traditional classrooms. The main factor driving this change is the expense involved. Education, particularly in private schools, often presents a challenging list of costs: tuition, uniforms, transportation, extracurriculars, and supplies. Homeschooling greatly alleviates these financial burdens. Parents now have the opportunity to invest in essential resources such as top-notch educational materials, online courses, or tailored coaching—all designed to cater to their child's unique needs.Moreover, homeschooling encourages families to tap into their creativity and resourcefulness. Libraries, free online resources, and community programmes provide abundant learning opportunities with minimal or no expense. In a time filled with numerous digital resources, parents have the ability to craft a curriculum that is both cost-effective and thorough. In addition to reducing expenses, there are numerous other factors contributing to the rising popularity of homeschooling.

Parents hold the view that homeschooling can significantly enhance a child's personal and academic development. In contrast to conventional educational institutions, homeschooling offers remarkable flexibility, allowing lessons to align with a child's interests, learning pace, and preferred methods of engagement.A student passionate about science, for instance, can dedicate additional time to experiments and practical activities, while those with a flair for the arts can unleash their creativity free from the limitations of a rigid schedule. Another key factor is the importance of comprehensive development. Homeschooling transcends traditional textbooks and offers genuine, real-world learning experiences. Cooking transforms into a blend of maths and chemistry; gardening embodies principles of biology and sustainability; a visit to the museum or park imparts lessons in history and ecology.These activities, along with practical knowledge, foster family connections—something that seems rare in today's world. Certainly, homeschooling comes with its drawbacks. Concerns have been voiced by critics regarding socialisation and the stress it imposes on parents. Nevertheless, families who choose to homeschool have found innovative ways to address these issues, including forming co-op groups, engaging in community sports, and coordinating group field trips.

This signifies a movement towards appreciating cost-effectiveness, adaptability, and personal expression in education—a tendency expected to expand as households adjust to financial circumstances. Ultimately, homeschooling transcends being merely an educational option; it embodies a declaration of empowerment. For parents aiming to reshape education in a way that resonates with their values, this journey offers not just information but a profoundly rewarding experience for both themselves and their children.

Markets Decline In Early Trade Amid Unabated Foreign Fund Outflows, Weak Global Trends

Mumbai. Benchmark indices Sensex and Nifty declined in early trade on Monday amid unabated foreign fund outflows and weak trends in the global markets. The 30-share BSE benchmark Sensex declined 142.26 points to 78,556.81 in early trade. The NSE Nifty dipped 48.35 points to 23,765.05.

From the 30 blue-chip pack, Infosys, Mahindra & Mahindra, HCL Technologies, Titan, Power Grid, Tech Mahindra, Kotak Mahindra Bank and Tata Motors were among the biggest laggards. Adani Ports, Zomato, UltraTech Cement and ITC were among the gainers. Foreign Institutional Investors (FIIs) offloaded equities worth Rs 1,323.29 crore on Friday, according to exchange data.In Asian markets, Tokyo, Shanghai and Hong Kong were trading lower while Seoul quoted higher. US markets ended in the negative territory on Friday.Global oil benchmark Brent crude went up 0.07 per cent to USD 74.22 a barrel. The BSE benchmark climbed 226.59 points or 0.29 per cent to settle at 78,699.07 on Friday. The Nifty went up by 63.20 points or 0.27 per cent to 23,813.40.

Reliance's refinery at Jamnagar completes 25 years

NEW DELHI. Reliance launched its first refinery at Jamnagar, Gujarat, 25 years ago, on December 28. Today, Jamnagar has become the world's refining hub.When Reliance Industries, first spoke of building an oil refinery to process and convert crude oil pumped out of ground and from below seabed, into fuels like petrol (gasoline) and diesel (gasoil), majority of the experts had said that it would be impossible for an Indian company to set up the world's largest grassroots refinery in three years.

But Reliance achieved that in 33 months. The first private sector refinery of India added 25%to India's total refining capacity and made India self-sufficient in transport fuels, sources said.

Indian Railways employees take note! Home delivery of medicines from Railway-run hospitals may start soon

NEW DELHI. Indian Railways is currently in discussions with with online pharmacy services to enable doorstep delivery of medicines from its network of hospitals, according to officials. RailTel Corporation of India Limited plans to seek tenders in January 2025 for this initiative, with bidding based on discounts from retail medicine prices."This service can be extended to all government-owned hospitals if successful," a senior official told ET, noting that discussions with the health ministry have taken place.

Indian Railways currently serves approximately 10 million beneficiaries through 129 hospitals and 586 health units, primarily catering to railway staff, retirees and their families."Beneficiaries need to physically come to railway hospitals and health units for treatment and getting medicines. Both these issues can be addressed through utilising eSanjeevani - India's National Telemedicine Service - alongside home delivery of medicines," the official explained.Also Read | Japan's Shinkansen bullet trains to be tweaked for India's first Mumbai-Ahmedabad high-speed rail corridor - details hereThe medicine delivery service is anticipated to function through RailTel's Hospital Management Information System (HMIS), which currently facilitates appointment bookings, laboratory results access, and electronic medical records management.The Comptroller and Auditor General reports that healthcare delivery at railway hospitals cost Rs 20,734 crore between 2017-22, with medicine purchases comprising 11% of this sum.Healthcare represents 1-2% of Indian Railways' yearly spending across revenue and capital expenditure.

VIL welcomes government's Bank Guarantee waiver, says will boost 4G, 5G investment

NEW DELHI. Telecom service provider Vodafone Idea Limited (VIL) has welcomed the Indian government's decision to waive the Bank Guarantee (BG) requirement for the purchase of spectrum, calling it a significant relief for the telecom industry.The company added that this move would not only ease the financial burden on telecom operators but also boost investments in 4G and 5G network infrastructure in India.The government's move is particularly beneficial to Indian telecom operators, especially Vodafone Idea, which has been grappling with significant financial strain.

Under the 2021 telecom reform package, the government had already waived the BG requirement for spectrum auctions conducted after the reforms, citing that the industry had matured and no longer needed this form of financial security.

"Department of Telecommunication, Government of India further extended its support to the telecom industry by dispensing with the requirement of Bank Guarantee to be submitted for spectrum auctions held prior to reform package i.e. for spectrum auctions of 2012, 2014, 2015, 2016 and 2021, provided the pro-rated value of spectrum used from the date of allocation till the end of three (3) months after the due date of payment of next instalment is less than the value of payment made by the telecom operator on an NPV basis," said Vodafone Idea in an exchange filing.

Australia trade pact completes two years; India exports up 14% in FY24

A press statement by the Ministry of Commerce says since the signing of ECTA, bilateral merchandise trade has more than doubled, surging from $12.2 billion in 2020-21 to $26 billion in 2022-23.

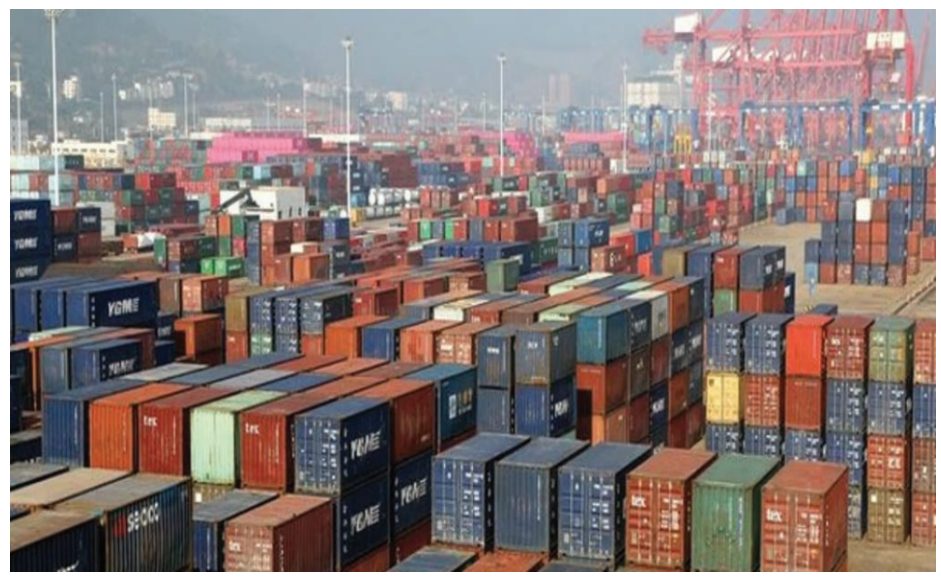

NEW DELHI. The India-Australia Economic Cooperation and Trade Agreement (Ind-Aus ECTA), which completed two years on Sunday, has helped India increase its exports by 14% to the Indo-pacific nation in FY24. However, it is still lower than exports in 2021-22.A press statement by the Ministry of Commerce says since the signing of ECTA, bilateral merchandise trade has more than doubled, surging from $12.2 billion in 2020-21 to $26 billion in 2022-23.Total trade, however, moderated in the year 2023-24 to $24 billion in 2023-24, with India's exports to Australia growing by 14%."The current fiscal year continues to reflect strong momentum. Total merchandise bilateral trade from April-November 2024 reached $16.3 billion," says the statement. However, after signing of the agreement, India's trade deficit with Australia had increased from $8.5 billion in 2021-22 to $12 billion in 2022-23.It fell to $8.2 billion in 2023-24. After the signing of the trade pact, exports of textiles, chemicals, and agriculture goods have shown substantial growth. It has also boosted exports on new lines of products such as gold studded with diamonds and turbojets, highlighting the diversification enabled by the agreement. When it comes to imports, India has mostly imported from Australia essential raw materials, such as metalliferous ores, cotton, wood and wood products.According to the commerce ministry, imports from Australia have fuelled India's industries, contributing to the win-win nature of this partnership. Imports of electronics and engineering have room for growth. Both the countries are committed to building on the momentum created by the ECTA, and to achieve the target of trade to reach AUD 100 billion by 2030 between India and Australia.

Unimech Aerospace IPO listing: Check latest GMP and share price prediction

NEW DELHI. The initial public offering (IPO) of Unimech Aerospace and Manufacturing Limited garnered an overwhelming response, with a subscription rate of 174.93 times by the final day of bidding.The three-day window for the IPO, open from December 23 to December 26, saw substantial interest from various investor categories.The issue was subscribed 317.63 times by qualified institutional buyers (QIBs), 263.40 times by non-institutional investors (NIIs), and 56.16 times by retail investors.In the grey market, Unimech Aerospace shares are commanding a robust premium of Rs 715, reflecting strong demand. This indicates a potential listing price of around Rs 1,500 per share, combining the upper price band of Rs 785 with the grey market premium.

Such a listing would represent a gain of more than 90% over the issue price.

The grey market premium (GMP) often serves as an early indicator of investor sentiment and can hint at the stock's potential performance on its debut day.However, it's essential to note that GMP trends may not always translate directly into actual listing performance, as broader market dynamics also play a role.Unimech Aerospace and Manufacturing Limited specialises in high-precision engineering solutions for sectors like aerospace, defence, energy, and semiconductors.With its expertise in complex manufacturing, the company is well-positioned to cater to high-demand, high-tech industries.As Unimech Aerospace gears up for its stock market debut, all eyes will be on its listing performance, which could set a strong precedent for upcoming IPOs in the precision engineering sector.

Discount broking is the future: HDFC Sec MD

MUMBAI. HDFC Securities, which entered the discount-broking space a little over a year ago, expects its low-cost broking arm HDFC Sky to turn profitable in the next fiscal.This is on the back of the runaay success it notched up in the past 13 months in terms of customer acquisition (over 1.1 million as of December) and the rising trading volume on the platform. The company is not planning any share sale, citing strong financial performance.The full-service brokerage and its discount broking arm have added 1.2 million new customers this fiscal so far, taking the total to 6.1 million.However, the number of active clients remains at 1.4 million. Of this, total additions - as much as 1.1 million - have been onboarded through the new platform.

"Discount broking is the future of broking in our country and full-service brokerages will get limited to just HNIs (high-net-worth individuals), going forward. This is because a large majority of investors coming to the market now are all choosing only discount platforms," Dhiraj Relli, MD & chief executive of HDFC Securities, told TNIE.

"The message that customers are choosing discount brokers is clear from the huge number of customers we've added in just about 13 months alone—1.1 million, and this is also underlined by the much faster growth of similar other platforms," he said.

On the profitability part, Relli said, "Next fiscal we should be making cash profit and in FY27 we should break-even." This is despite the fact that he has no plans to increase the charges for retail customers on the Sky platform. Currently it charges R20 per order for buying and selling.

HDFC Securities, which offers the longest days of margin funding—as many as 270 trading days--has a large margin funding book of R7,500 crore and charges 13-15% interest on margin funding per month, making it a very profitable revenue stream. Relli expects to close the current fiscal with a revenue of R3,300 crore and a net income of R1,165 crore, up from R950 crore of net profit last fiscal.

"We don't need capital at all. So there is no need for fund raising through an IPO. Last year also we raised R1,000 crore through a rights issue and had earned R950 crore in net income," Relli said.Overall, he said investors should not expect high returns from the market in 2025, as he sees only modest returns from Nifty.

"The Nifty shows only modest upside potential, as it is now trading at 23xFY25 and 20.5x FY26 consensus EPS, indicating modest upside potential in the next 12 months. This implies that investors may face a period of lower-than-expected returns, as the broader market may have already priced in some of the expected growth," he said, adding the Nifty may touch 26580 points sometime next year.Since the advent of the low/discount broking spearheaded by Zerodha—the most profitable brokerage for the past many years—full-service players have been losing market share and today discount broker Groww is the largest with over 13.1 million active customers followed by Zerodha at 8.1 million, Angel One at 7.

ITR filing simplified: 5 updates you should know

NEW DELHI. Filing income tax returns often feels like a daunting task, but recent changes in tax rules aim to turn this challenge into a smoother experience. With enhanced transparency, simplified processes, and increased flexibility, taxpayers now have more tools at their disposal to file returns accurately and efficiently.

Whether it's the revamped Form 26AS or the introduction of pre-filled ITRs, these updates are designed to make compliance less stressful.

ENHANCED TRANSPARENCY WITH FORM 26AS

The revamped Form 26AS now offers taxpayers a detailed view of their tax transactions. It includes tax deductions, collections, payment details, demands, refunds, and specified financial transactions (SFTs). This transparency helps taxpayers monitor their financial activities, ensuring accurate income disclosure.

PRE-FILLED ITRS FOR HASSLE-FREE FILING

Pre-filled ITRs now ease the process by automatically populating data like salary income, bank interest, and dividends. This reduces manual effort, minimises errors, and makes tax filing more efficient for individuals.

FILING FLEXIBILITY WITH UPDATED RETURNS

Under Section 139(8A) of the Income-tax Act, taxpayers can file updated returns within two years of the relevant assessment year. This allows individuals to voluntarily correct mistakes or omissions by paying additional taxes. The e-verification scheme also streamlines reporting of unreported income.

SIMPLIFIED PERSONAL TAX REGIME

The alternative tax regime, introduced in 2020 and further refined in 2024, offers lower tax slabs for those who opt to forgo specific exemptions and incentives. This aims to make the tax structure more straightforward for individual taxpayers.

EXPANDED SCOPE OF TDS AND TCS

The tax base has widened with the inclusion of transactions like large cash withdrawals, luxury car purchases, foreign remittances, e-commerce sales, and virtual asset transfers under TDS (tax deducted at source) and TCS (tax collected at source). This ensures greater compliance and accountability.

These reforms make tax compliance more seamless and transparent, empowering taxpayers with tools and options to stay on track with their filings while reducing complexities in the process.

Big AI bets, demand reboot: Indian IT sector `bytes' into 2025 with cautious optimism

Industry analysts predict a rebound in growth and profitability by late 2025 or the second half of FY26, provided conditions remain favorable.

NEW DELHI. The Indian IT industry enters 2025 with optimism, buoyed by expectations of increased tech spending and a stronger deal pipeline as businesses make bold investments in artificial intelligence. However, the industry's progress will closely depend on global macroeconomic trends and the United States' policies on trade and high-skilled immigration, with President-elect Donald Trump set to take office next month.

The second-quarter results of leading IT companies have sparked hopes of improved client demand in the coming quarters. Industry analysts predict a rebound in growth and profitability by late 2025 or the second half of FY26, provided conditions remain favorable. Tech mergers and acquisitions are also expected to gain momentum throughout the year, driven by interest in big data, cloud computing, and generative AI.

The IPO market, which saw significant activity in 2024, is gearing up for another robust year as numerous tech startups prepare for their debut to capitalize on investor enthusiasm.Sindhu Gangadharan, chairperson of Nasscom, expressed confidence in a full recovery in tech and discretionary spending by late 2025, contingent on stabilizing global macroeconomic conditions and easing geopolitical tensions. Reflecting on 2024, she noted a steady but uneven recovery in demand for tech services, with strong growth in areas like AI, cloud computing, and cybersecurity. She emphasized that companies are prioritizing investments in these transformative technologies to boost efficiency and resilience.Gangadharan highlighted that 2025 will likely witness accelerated tech adoption, increased IT budgets, and a recovery in verticals such as BFSI, retail, and healthcare. She stated that cloud migration and AI-driven solutions would play a crucial role in expanding deal pipelines and improving profitability.

Generative AI, which created a significant impact in 2024, has now reached a transformative inflection point, set to redefine industries and drive global innovation. The tech sector is expanding its offerings to include GenAI-powered analytics, intelligent automation, and personalized customer experiences. Meanwhile, non-tech sectors are bracing for disruption, with Generative AI poised to transform marketing, operations, research and development, and other key functions.Businesses are expected to

prioritize investments in cloud migration, AI/ML applications, and cybersecurity as they prepare for resilient and future-ready infrastructures. Companies are also ramping up hiring in areas such as AI, machine learning, generative AI, and cybersecurity, as these technologies become integral to digital transformation strategies.Puneet Chandok, President of Microsoft India and South Asia, said that robust demand for specialized roles in AI, data science, and cybersecurity within the Indian IT and tech sectors.

He emphasized the importance of upskilling and reskilling the workforce to meet evolving technological demands and predicted a significant rise in opportunities within Tier 2 cities, signaling a more geographically distributed tech talent pool.

Deepak Jotwani, Vice President and Sector Head, Corporate Ratings at ICRA, noted that while revenue contributions from GenAI deals remain limited, they are expected to grow over the medium term as technology adoption becomes more pervasive. He observed some recovery in sectors such as BFSI in recent months, although manufacturing and retail continue to lag behind.Akhilesh Tuteja, Partner and Head of Clients and Markets at KPMG in India, expressed optimism about the return of discretionary tech spending by late 2025 as global companies stabilize growth and invest in digital capabilities.

For now, management commentary remains cautiously optimistic for the export-driven tech industry, with major players like Infosys and HCLTech raising sales forecasts for FY25. Back home, a stellar year of IPOs has set the stage for numerous startups and digital businesses to join the queue for listings next year, aiming to capitalize on the ongoing market rally.

Delhi air quality improves to 'moderate', minimum temperature dips to 10°C

After two days of rainfall and snowfall in the hills, the minimum temperature in the national capital, along with many cities across north India, is expected to drop by 3 to 6 degrees on New Year's Eve, according to the IMD.

NEW DELHI. Delhi, on Monday, witnessed a further drop with the minimum temperature dipping to 10 degrees Celsius while the overall air quality in the national capital improved to 'moderate' category as the AQI stood at 183, coming as a huge relief to the citizens.The minimum temperature in Delhi was recorded at 10 degrees Celsius at 8.30 am and 12 degrees Celsius at 5.30 am, which was more than five notches above normal. Similarly, the minimum temperature was 13 degrees Celsius in the national capital on Sunday, which was again six degrees Celsius higher than normal.

At 6 am, several parts of Delhi, including North Campus, Burari, Bawana, Chandni Chowk, Lodhi Road and Dilshad Garden, reported an AQI below 200 while AQI at many places, including Okhla, Munirka and Anand Vihar remained in the 'poor' category with Nehru Nagar reporting the highest AQI today at 268.

The overall AQI recorded for Delhi was 225, which is in the 'poor' category, for Sunday.

After two days of rainfall and snowfall in the hills, the minimum temperature in the national capital, along with many cities across north India, is expected to drop by 3 to 6 degrees on New Year's Eve, IMD scientist Dr Naresh Kumar told news agency ANI.

After receiving significant rain last week, there is no forecast of further rain in the national capital for the remaining two days of the year.Dense Fog Reduces Visibility To Zero In Punjab And Haryana.

The entire north India was covered by a blanket of dense to very dense fog on Monday.Zero visibility was recorded across many parts of Punjab and Haryana. Visibility at Chandigarh, Amritsar, Jammu and Ambala was zero while visibility at Delhi's Safdarjung was 600 meters at 5.30 am.

Many areas across Uttar Pradesh, Rajasthan, Madhya Pradesh and Uttarakhand reported visibility below 200 meters.In a huge relief to flyers, the visibility reported at Delhi's Indira Gandhi International Airport was 1500 meters at 7.30 am with no reports of flight delays.

Tax dept to tap Digi yatra data to go after evaders

The tax department would start issuing notices in 2025 based on the Digi Yatra data, said sources.

NEW DELHI. If you are a frequent user of Digi Yatra app but don't file income tax returns, don't be surprised if you get a notice from the tax department.

According to sources, the tax department has accessed the entire passenger data captured on the Digi Yatra app, and the same is being reconciled with tax filings to check for discrepancies in the declared income. The tax department would start issuing notices in 2025 based on the Digi Yatra data, said sources.

Digi Yatra app is a civil aviation ministry-led initiative to make air traveller's journey seamless and paperless. It uses facial recognition technology, and collects passengers ID, biometrics, and details of air tickets to give easy access at airports. It is, however, not mandatory for fliers to download or use the app.

According to sources, the tax department will first go after those who don't file tax returns, and then target those who under-report their income to avoid paying taxes. The department is perusing the data of both international and domestic air travellers. Frequent or high-value travel, particularly international trips, could flag individuals whose reported earnings do not justify such expenditures, prompting further scrutiny."Data provided by Digi Yatra is inherently clean, reliable, and verifiable, making it a robust source for government use in tax administration. Once integrated and reconciled with income tax filings, it can effectively identify non-filers, placing them at the forefront of scrutiny. Subsequently, taxpayers engaging in income suppression or under-reporting could also be systematically targeted," said a source.

According to tax experts, Digi Yatra data holds immense potential as an alternative to the government's earlier attempts to gather travel data through loyalty programmes of air travel companies—a move constrained by privacy concerns."By leveraging such data, authorities can achieve greater transparency and precision in tracking high-risk taxpayers, provided that appropriate safeguards for data privacy and proportionality are in place," says Rajat Mohan, senior partner, AMRG & Associates.

Questions sent to the tax department and Digi Yatra on the issue remained unanswered till the time of filing of this report.It must be recalled that air travellers have raised privacy concerns over the collection data on the app. However, the authorities have maintained that data is not stored in any central repository, and that it is stored locally in the phone of the passenger.

Globetrotters under the lens

According to sources, the financial records of frequent international fliers could be subjected to scrutiny to check for any income suppression in their I-T returns

Crackdown on illegal immigrants: 15 Bangla nationals deported

NEW DELHI. The Delhi Police have deported 15 Bangladeshi nationals, including a family of eight, police said on Sunday.Those deported include Jahangir, his wife, and their six children; Mohd Umor Faruk, Riyaj Miyan (also known as Remon Khan), and five women.Deputy Commissioner of Police (Southwest) Surendra Choudhary stated that the Vasant Kunj South police station team was assigned to identify illegal immigrants.

"As part of the intensified efforts to address concerns about unauthorised migrants, the police carried out

door-to-door verifications of 400 families in Rangpuri. Verification forms were sent to suspected individuals' addresses in West Bengal, and a special team was dispatched to manually verify their documents," he said.During the verification drive, the team identified Jahangir and his family, who confessed to their Bangladeshi origins during questioning, the DCP said. The deportation process was carried out in coordination with the Foreigners Regional Registration Office (FRRO).

In a separate operation, the south district police apprehended seven people from Bangladesh. DCP (South) Ankit Chauhan said that on Saturday, they received specific information about illegal migrants.

Following this, a raid was conducted near Arjan Garh metro station, resulting in the detention of the seven people.During interrogation by the police, they disclosed that they had illegally migrated from Bangladesh.

'Misleading': Delhi Transport Commissioner refutes AAP chief's inquiry claim

NEW DELHI. Delhi Transport Commissioner Prashant Goyal has refuted allegations made by AAP leader Arvind Kejriwal regarding a supposed inquiry into the free bus ride scheme for women.

In a letter to Delhi Chief Minister Atishi dated December 26, Goyal clarified that no such investigation was being planned."My attention is drawn to news reports on television and social media wherein former Chief Minister Arvind Kejriwal is seen alleging that an inquiry is being contemplated in

the Transport Department implicating your good self. I would like to place on record that no such inquiry has even been contemplated by the Transport Department," Goyal wrote.

Also, no communication has either been received from the Vigilance Department, GNCTD in this regard. The aforesaid claim is absolutely misplaced and misleading," he added.The clarification follows Kejriwal's press conference on December 25, where he, alongside Atishi, accused the BJP-led Central government of using investigative agencies to fabricate cases against the AAP leadership.

"We got to know from our sources that a meeting was held and the investigative agencies have been ordered by the BJP to arrest CM Atishi in a fake case. They are trying to distract the AAP from campaigning for the upcoming assembly polls," Kejriwal alleged.Defending the free bus ride scheme, a signature initiative of the AAP government, Kejriwal assured its continuation.

West Himalayas record sharp rise in wildfires in a yr

NEW DELHI. Forest fires in Western Himalaya region increased manifold during the wildfire season (November to June) this year, compared to a year ago. Uttarakhand, Himachal Pradesh and Jammu and Kashmir registered a sharp rise in forest fire incidents, causing extensive damage to forest coverage.

According to the 18th biennial assessment of India's forests — India State of Forest Report 2023 (ISFR 2023) — released recently by the Forest Survey of India (FSI), there is a phenomenal rise in forest fire incidents in the western Himalayan states during the forest fire season between November 2023 and June 2024.For instance, in Jammu and Kashmir, there has been 18 times increase in forest fire incidents compared to the previous year. As per ISFR data, there were 327 fire incidents recorded in the state this season, while only 19 incidents were reported in last year.

Similarly, in Himachal Pradesh, there has been 10 times rise in forest fire incidents. The FSI recorded 985 forest fires this year, against 97 incidents last year. Likewise in Uttarakhand, 2,442 forest fires were reported this year, against 576 last year.Experts cite the emergence of the El Nino phenomenon this year, which caused a record rise in temperature during the deficit summer monsoon, as one of the reasons behind the rise in fires. Also, the winter in 2023-24 was dry, which increased forest fuel loads and created a conducive condition for forest fires.

"Last year, lesser forest fires had increased fuel loads in the forest. This contributed to a large number of forest fires in western Himalayas this year," said Nishant Mandhotra, Himachal Pradesh nodal officer for controlling forest fires.

According to the ISFR, fires are causing problems in the western Himalayan region due to fires in pine forests and transhumance pastoralists, who move livestock from one grazing ground to another in a seasonal cycle. "Chir pine trees do not allow the grass to grow, which is important for pastoralists. So they cause a fire, to increase grasslands for their sheep and goats," said Mandhotra.

This year, a total of 34,562 sq km of forest area was burnt across the country. The maximum fire-affected forest areas have been observed in Andhra Pradesh (5,286.76 km2), followed by Maharashtra (4,095.04 km2) and Telangana (3,983.28 km2).

The highest percentage of recorded forest areas affected by forest fire has been observed in Telangana (14.82%), followed by Andhra Pradesh (13.94%) and Bihar (10.71%).However, this year's overall forest fire incidents were comparatively lower than in the last two years, except in the western Himalayan regions.

Explainer: Key Events Leading To BPSC 70th Exam Protest

Students have levelled allegations of irregularities in the examination, the poor quality of the question paper, and the similarities between the questions in the exam and model papers from coaching institutes.

New Delhi. The controversy surrounding the 70th Combined Preliminary Exam of the Bihar Public Service Commission (BPSC) is assuming critical proportions with every passing day. Students have levelled allegations of irregularities in the examination, the poor quality of the question paper, and the similarities between the questions in the exam and model papers from coaching institutes. They are, therefore, demanding a complete cancellation of the exam and a re-conduct of the examination.Opposition parties such as the Rashtriya Janata Dal (RJD), Congress, CPI (M-L), and Jan Suraaj are supporting the students' demands, slamming the government for jeopardising the future of students. BPSC has rejected these allegations, calling them "irrational" and has appealed to students to focus on preparing for the main exam.

Key developments so far

The controversy surrounding BPSC's 70th Combined Preliminary Exam, which began on December 6, 2024, continues to be a topic of discussion. The advertisement for this exam was released in September 2024, and 483,000 candidates applied, out of which 325,000 appeared for the exam.The exam was conducted for 2,031 positions, including 200 SDMs, 136 DSPs, and other gazetted officer posts, making it one of the largest vacancies in recent years.The preliminary exam was held on December 13, 2024, between 12 PM and 2 PM, with candidates answering 150 questions on general knowledge.

Timeline of events:

December 6: Students raised concerns about normalisation, accusing BPSC of introducing the practice. BPSC dismissed these allegations, calling them "rumours," stating there were no plans for normalisation.

December 13: A disturbance occurred at the Bapu Pariksha Parisar (Bapu Examination Complex) in Patna, where the question papers were delayed. As a result, BPSC decided to re-conduct the exam for 12,000 candidates from this centre on January 4, 2025.

December 18: Protests intensified at the Gardanibagh protest site, with students demanding the complete cancellation of the exam. The protest still continues.

Leave ego aside: Opposition slams Bihar government after aspirants lathi-charged

NEW DELHI. Opposition parties on Sunday launched a scathing attack on the Nitish Kumar government after police lathi-charged protesting Bihar Public Service Commission (BPSC) aspirants, who are demanding a re-examination of the 70th BPSC preliminary exams.Leaders from Opposition parties, including the Rashtriya Janata Dal (RJD), the Congress and the Aam Aadmi Party (AAP) were among the people slamming the Bihar government for the use of force against thousands of protesting students.Former Bihar Deputy Chief Minister Tejashwi Yadav called the police action on protesting BPSC aspirants "painful" and condemned it.

"It is very painful how BPSC aspirants were beaten up by the police. Many people are badly injured in this. We condemn this. The visuals that have surfaced are painful. I am a young man and can understand their situation," the RJD leader said in a video statement on Sunday.

On Sunday, lathi-charged and used water cannons to disperse thousands of protesting BPSC aspirants at Patna's Gandhi Maidan. The students were demanding a re-examination of the 70th BPSC prelims.Tejashwi Yadav also raised questions over the BPSC for cancelling the preliminary exam for just one centre, where the alleged paper leak took place."On December 15-16, the BPSC announced the cancellation of the exam at one centre. If the paper had been leaked, then why is the exam being cancelled only at one centre? It is a kind of normalisation. That is why students are protesting for the re-examination. I also support this," he said.

RJD's INDIA bloc partner Congress echoed Tejashwi Yadav and slammed the Bihar government for the "merciless" action against the students, sharing a video of the incident."Watch this video. First, the Bihar government used water cannons on the youth in the intense cold and then used lathi-charge mercilessly. The police did not spare anyone. They just kept raining blows with batons," the Congress posted on X.

"Unemployed youth in Bihar have been protesting against the rigging in BPSC exams for several days, but the government is not ready to listen to them. The government should leave its ego aside and talk to the youth and accept their demands," it added.Meanwhile, AAP Rajya Sabha MP Sanjay Singh called the whole fiasco an example of the "dictatorship of the autocratic government", saying that this was not expected from someone like Chief Minister Nitish Kumar.

Deadly lathi-charge by police on BPSC candidates. The treatment like animals to the youth who have been on hunger strike for many days is an example of the dictatorship of the autocratic government. Nitish ji, who was born out of the student movement. This was not expected from you," Sanjay Singh wrote on X and posted a video of the lathi-charge.

He demanded from the Bihar government that it resolve the demands of the students, stressing that the "country will be run not by sticks but by dialogue and the Constitution".Also, Prashant Kishor, the founder of the Jan Suraaj Party, also extended his support to the protesting students and called for an end to systemic corruption in Bihar's examinations.

NEWS BOX

Biden declares January 9 as national day of mourning for Jimmy Carter

WASHINGTON. US President Joe Biden on Sunday declared January 9 a national day of mourning for Jimmy Carter, calling on Americans to visit their places of worship to "pay homage" to the late US leader."I call on the American people to assemble on that day in their respective places of worship, there to pay homage to the memory of President James Earl Carter, Jr," Biden said in a White House proclamation."I invite the people of the world who share our grief to join us in this solemn observance."

Hotel fire in popular Bangkok tourist area kills three foreigners

BANGKOK.A fire broke out at a hotel on Bangkok's Khao San Road, a popular tourist destination, killing three foreigners and injuring several other people, Thai police said.The three who died in the fire on Sunday night were all foreign tourists, Police Colonel Sanong Saengmanee told The Associated Press.One was found dead at the scene and the other two died after being transported to the hospital.

The fire erupted on the 5th floor of the six-story Ember Hotel, police said. Khao San Road is a popular backpacker street in the Thai capital that's also known for its lively nightlife.The flames were eventually contained and the cause of the blaze is under investigation.Seventy-five people were staying at the hotel at the time of the fire. Seven people were injured, including two Thai nationals and five foreigners.Bangkok Governor Chadchart Sittipunt emphasized the importance of safety following the incident, especially as New Year's Eve countdown festivities approach, with fireworks and other celebrations planned across the city.

Go To Hell": Trump Refuses To Wish Clemency Recipients 'Merry Christmas'

World. US President-elect Donald Trump has made headlines with his stark Christmas Day message, refusing to extend holiday wishes to federal death-row inmates and criminals whose sentences were commuted by President Joe Biden this month. Instead, Trump took to Truth Social to declare, “Go to hell!”

Donald Trump directed his ire at the 37 individuals who received clemency from Mr Biden, referring to them as “the 37 most violent criminals, who killed, raped, and plundered like virtually no one before them, but were just given, incredibly, a pardon by Sleepy Joe Biden.”He added, “I refuse to wish a Merry Christmas to those lucky ‘souls' but, instead, will say, go to hell!”

Outgoing President Biden, 82, commuted the sentences of 37 federal death-row inmates, reducing their punishment to life imprisonment without the possibility of parole. The White House described the decision as part of the outgoing president's commitment to fostering “a fair and effective justice system.” Among those granted clemency are individuals convicted of heinous crimes, including child murders and mass killings.Trump's Christmas message wasn't limited to criticism of the clemency decision. He also took the opportunity to lambast China, Canada and his political adversaries, while revisiting controversial geopolitical topics like US control over the Panama Canal and his interest in acquiring Greenland.

He wrote, “Merry Christmas to all, including to the wonderful soldiers of China, who are lovingly, but illegally, operating the Panama Canal (where we lost 38,000 people in its building 110 years ago), always making certain that the United States puts in Billions of Dollars in ‘repair' money, but will have absolutely nothing to say about ‘anything'.”Turning his attention northward, Donald Trump addressed Canadian Prime Minister Justin Trudeau, suggesting that Canada would benefit from becoming the 51st state. “If Canada was to become our 51st State, their taxes would be cut by more than 60 per cent, their businesses would immediately double in size, and they would be militarily protected like no other country anywhere in the world,” Trump added.

Greenland also featured in Donald Trump's message, as he reiterated the territory's strategic importance to US national security and claimed its residents welcomed American involvement.Not one to miss a chance to criticise his political opponents, Mr Trump said, “Merry Christmas to the radical left lunatics, who are constantly.

Key moments in life of Jimmy Carter

WASHINGTON. Jimmy Carter's 1977-1981 presidency included successes like the Camp David peace accords, but also enough controversy for US voters to see him as weak -- and send him packing after only one term.Carter's legacy however was largely built on his post-presidency, the longest in US history.Here are a few key moments in the life of Carter, who died Sunday at the age of 100.

Panama canal

During his first year in office, Carter went back on a campaign promise and decided to hand back management of the Panama Canal -- which had been in US military control since its construction at the start of the 20th century."Fairness, and not force, should lie at the heart of our dealings with the nations of the world," he said at the signing of the canal treaties with Panamanian leader Omar Torrijos on September 7, 1977.Carter was ridiculed for the move, which gave Panama control over the canal linking the Atlantic and Pacific Oceans at the end of 1999.History, however, has looked upon the deal as a deft bit of diplomacy.Giving Panama a meatier role in the canal's management in the run-up to the transfer allowed for stability, and broke with America's image as an overbearing imperialist power in Latin America.Reacting to Carter's death on Sunday, President Jose Mulino said the former US leader helped Panama achieve "full sovereignty of our country."

Morality in politics

Upon his arrival in the Oval Office, Carter looked to distance himself from the realpolitik practiced by his predecessors -- a vestige of the Cold War -- and placed human rights at the heart of his agenda.

"Our principal goal is to help shape a world which is more responsive to the desire of people everywhere for economic well-being, social justice, political self-determination and basic human rights," he said in a 1978 speech at the US Naval Academy.In concrete terms, Carter notably signed the International Covenant on Civil and Political Rights in 1977. It was eventually ratified by the United States in 1992 after being blocked for years by the Senate.Camp David accordsIn September 1978, Carter invited Israeli premier Menachem Begin and Egyptian president Anwar Sadat to Camp David, the presidential retreat outside Washington.

After 13 days of secret negotiations under

Carter's mediation, two accords were signed that ultimately led to a peace treaty the following year.The diplomatic triumph was cited when Carter was awarded the Nobel Peace Prize.

Crisis of confidence

In the summer of 1979, the economy rocked by inflation and his approval rating in free fall, Carter addressed the American people in a nationwide televised speech on July 15.

In that half-hour, he responded to his critics on his lack of leadership, instead laying the blame on a national "crisis of confidence."

"The erosion of our confidence in the future is threatening to destroy the social and the political fabric of America," he said.The speech was poorly received and would come back to haunt him. Five cabinet members resigned that week.

Iran hostage crisis

The hostage crisis -- more than 50 Americans were held for 444 days at the US embassy in Tehran from November 1979 to January 1981 -- was the death knell for Carter's presidency.A failed military rescue mission in April 1980 all but extinguished his chances of reelection later that year.Operation Eagle Claw was thwarted by sandstorms and mechanical problems -- eventually, the mission was aborted. In the subsequent withdrawal, two American aircraft collided, killing eight servicemen.In the following days, then secretary of state Cyrus Vance resigned, and the mission's failure symbolized Carter's inability to resolve the crisis.The hostages were eventually freed on the same day that Republican Ronald Reagan took office, after thumping Carter at the polls in November 1980.

The Carter Center

Carter remained extremely active into his 90s despite his retirement from political life.

In 1982, he founded the Carter Center, which has focused on conflict resolution, promoting democracy and human rights.

German security chiefs to face questions over Christmas market attack

BERLIN. German security and intelligence chiefs are due on Monday to face questioning about the car-ramming attack that killed five people and wounded more than 200 at a Christmas market 10 days ago.

They will be quizzed about possible missed clues and security failures before the December 20 attack in the eastern city of Magdeburg, where police arrested the 50-year-old Saudi psychiatrist Taleb al-Abdulmohsen at the scene.Interior Minister Nancy Faeser, Saxony-Anhalt state officials, and the heads of Germany's domestic and foreign intelligence services are expected to face a closed-door committee hearing in parliament from 1200 GMT.Abdulmohsen is the only suspect in the attack in which a rented BMW sport utility vehicle ploughed through the crowd of revellers at high speed, leaving a trail of bloody carnage.Investigators have yet to declare a suspected motive in the assault that used a motor vehicle as a weapon, which recalled past jihadist attacks, including in Berlin and in the French city of Nice in 2016.

Abdulmohsen, by contrast, has voiced strongly anti-Islam views, sympathies with the far right, and anger at Germany for allowing in too many Muslim war refugees and other asylum-seekers.According to unconfirmed media reports citing

unnamed German security sources, he has in the past been treated for mental illness and tested positive for drug use on the night of his arrest.The Saudi suspect has been remanded in custody in a top-security facility on five counts of murder and 205 counts of attempted murder, prosecutors said, but not so far on terrorism-related charges.Chancellor Olaf Scholz, who faces elections in February, has declared that Germany needs to "investigate whether this terrible act could have been prevented"."No stone must be left unturned," he told news portal t-online on Friday, echoing similar comments by Faeser.

Repeated clues

Scholz said that "over the years, there have been repeated clues" about the suspect, adding that "we must examine very carefully whether there were any failings on the part of the authorities in Saxony-Anhalt or at the national level".German media digging through Abdulmohsen's past and his countless social media postings have found expressions of anger and frustration, and threats of violence against German citizens and politicians.Saudi Arabia said it had repeatedly warned Germany about Abdulmohsen, who came to Germany in 2006 and was granted refugee status 10 years later.A source close to the Saudi government told AFP that the kingdom had in the past sought his extradition.Germany has not officially commented on this claim, but would usually deny requests to send people granted asylum back to the country they fled.Abdulmohsen had a history of brushes with the law and court appearances in Germany, media have reported, including for threats of violence.

16,000 Indian Construction Workers Enter Israel, Replace Barred Palestinians

World Wearing a safety belt, helmet and work boots, Raju Nishad navigates the scaffolding, hammering blocks that will form part of a building in a new neighbourhood in central Israel's town of Beer Yaakov.While he and other Indians working alongside him do not look out of place on the expansive construction site, they are relative newcomers to Israel's building industry.They are part of an Israeli government effort to fill a void left by tens of thousands of Palestinian construction workers barred from entering Israel since Hamas's unprecedented October 7, 2023 attack.If that attack had not happened, this site, with its slowly emerging high-rise towers, homes, roads and pavements, would have teemed with labourers speaking Arabic -- unlike the Hindi, Hebrew and even Mandarin of today.The Hamas attack triggered the deadliest war yet between Israel and Hamas in the Gaza Strip.It later spread to include other Ian-backed groups including Hezbollah in Lebanon and Huthi rebels in Yemen, and even direct confrontation with the Islamic republic itself.

None of this deterred Nishad, 35, from coming to Israel.

"There's nothing to be afraid of here," he said, despite several air raid warnings that have sent him running for the shelters."Once it (the siren) stops, we just resume our work," he told AFP.High earnings in Israel, where some workers can make three times what they would back home, are the key to why people like Nishad flock here, thousands of kilometres (miles) away."I'm saving for the future, planning to make wise investments and do something meaningful for my family," Nishad said.

He is just one of around 16,000 workers who have come from India over the past year -- and Israel has plans to bring thousands more.

New recruitment drive

India is the world's fifth-largest economy and one of the fastest growing, but it has also struggled to generate enough full-time jobs for millions of people.Indians have been employed in Israel for decades, thousands as caregivers looking after elderly Israelis, while others work as diamond traders and IT professionals.

But since the war in Gaza escalated, recruiters have launched a drive to bring Indians in for Israel's construction sector also.Samir Khosla, chairman of Delhi-based Dynamic Staffing Services, which has sent about 500,000 Indians to work in more than 30 countries, has so far brought more than 3,500 workers to Israel, a new market for him.Khosla himself arrived for the first time a month after the October 7 attack, after the authorities appealed for foreign workers in the construction industry, which ground to a halt when the Gaza war broke out."We didn't know much about the market, and there wasn't an incumbent workforce from India here," Khosla said.We really had to move around and understand the needs," he said, adding that he believed India was a natural choice for Israel given their "excellent relations".

New York Teacher Sexually Abused Teen Student In 'Escape Room' And Home 'Bat Cave': Report

World. A disturbing report has revealed allegations of sexual abuse against Scott Biski, a 50-year-old music teacher at Jamaica Gateway to the Sciences High School in Queens. Investigators claim that Biski created a manipulative "escape room" environment to exploit a female student, whom he allegedly began grooming when she was just 14 years old. The abuse allegedly escalated into a sexual relationship when the student was a senior. Biski is also accused of inviting the student to his home, referred to as "the bat cave," for illicit encounters when his family was away, the New York Post reported.

"I now understand that these weird hugs, embraces were actually just groping. He was touching me for sexual pleasure without my consent," the now 25-year-old ex-student told investigators in 2022. Biski allegedly created a manipulative environment in his music classroom and office by setting up "makeshift dividers and old desks" and inviting students to hang out in his so-

called "escape room." According to the report, Biski made unwanted advances towards the student, touching her breasts and attempting to kiss her. The girl promptly pulled away and left.

Biski also invited the girl to his home under the guise of playing board games with other students. However, on one occasion, she arrived tooutfit?" he texted her during her first year in college. The student, who saw Biski as a "father figure," reported feeling "disgusted" by his behaviour.Carter was considered a friend of India.

He was the first American president to visit India after the removal of emergency and victory of the Janata Party in 1977.In his address to the Indian parliament, Carter spoke against authoritarian rule.”India's difficulties, which we often experience ourselves and which are typical of the problems faced in the developing world, remind us of the tasks that lie ahead. Not the Authoritarian Way," Carter said on January 2, 1978.

Flags fly at half-mast as South Korea probes its worst plane crash

MUAN. Flags flew at half-mast on Monday as South Korea mourned 179 people killed in the worst plane crash on its soil, as investigators probe why the Jeju Air plane crash-landed and burst into flames.

The country has started seven days of national mourning, with the acting president flying to the crash site in southwestern Muan for a memorial as teams of US and South Korean investigators raced to establish what caused Sunday's disaster.The Boeing 737-800 was carrying 181 people from Thailand to South Korea when it made a mayday call and belly-landing before crashing into a barrier and bursting into flames.

Everyone on board Jeju Air Flight 2216 was killed, save two flight attendants pulled from the wreckage.Officials initially cited a bird strike as a likely cause of the crash, which flung passengers from the plane and left it "almost completely destroyed", according to fire officials.However, Seoul said on Monday it would conduct a special inspection of all 101 Boeing 737-800s in operation in the country, with US investigators, possibly including from the beleaguered plane manufacturer Boeing, joining the probe into the crash."We are reviewing plans to conduct a special inspection on B737-800 aircraft," said Joo Jong-wan, head of the aviation policy bureau at South Korea's transport ministry.South Korea has a solid air safety record and both black boxes from Flight 2216 -- the flight data recorder and the cockpit voice recorder -- have been found.

South Korean investigators said Monday that 141 of the 179 victims had now been identified using DNA analysis or fingerprint collection, according to a statement from South Korea's ministry of land.Victims' families camped out at the airport overnight in special tents set up in the airport lounge after a long, painful day waiting for news of their loved ones.

"I had a son on board that plane," said an elderly man waiting in the airport lounge, who asked not to be named, saying that his son's body had not yet been identified.

Memorial

At the crash site early Monday, a middle-aged man and woman kept their gaze fixed through the fence, where remnants of the plane -- seats, gates, and twisted metal parts -- were still scattered across the field near the charred tail.

The smell of blood was still in the air.

Soldiers carefully combed through a field of reeds next to the runway, engaged in what appeared to be a search for body parts.

South Korea's acting president, Choi Sang-mok, who has only been in office since

Friday, said the government was making "every effort" to identify victims and support bereaved families.Choi, an unelected bureaucrat who became acting president after his two predecessors were impeached, said on Monday a "thorough investigation into the cause of the accident" would be conducted.He also said South Korea would conduct "an urgent safety inspection of the overall aircraft operation system" to prevent future aviation disasters.The passengers, aged from three to 78, were all Korean apart from two Thais, authorities said.Low-cost carrier Jeju Air said it "sincerely" apologised, with top officials shown bowing deeply at a news conference in Seoul.

Criticism grows

Another Jeju Airlines flight using the same model aircraft experienced a malfunction linked to the landing gear and was forced to return to Seoul's Gimpo airport shortly after takeoff, the Yonhap News Agency reported.

“We are aware of the return incident and looking into the cause," a Jeju Air representative told AFP."We can't say at this moment it was related to landing gear malfunction pending an investigation."Officials have pointed to a bird strike -- a warning was issued by the control tower minutes before the crash -- as a likely factor in Sunday's crash.

However, a growing chorus of criticism from experts analysing dramatic video footage of Flight 2216's landing has focused on whether airport construction could have played a part.

NEWS BOX

India's sporting highs and lows of 2024

CHENNAI.A cricket World Cup, half a dozen Olympic medals, two chess world champions and a historic double in Chess Olympiad, the year 2024 gave Indian sports fans many reasons to celebrate. Besides, there were heartbreaks as well with New Zealand clean-sweeping Rohit Sharma & Co in a three-Test series, shuttlers and boxers returning empty-handed from Paris. A look at the highs and lows of 2024...

T20 World Cup

Cricket connoisseurs from the country were awaiting an ICC title for more than a decade and their prayers were finally answered in June when India defeated South Africa in the final to lift the T20 World Cup. Since 2013, when they last won an ICC title (Champions Trophy), Indian cricket team had endured heartbreaking losses in the knockouts, including 2023 ODI World Cups and two World Test Championships finals. The T20 trophy in Barbados healed all those wounds and restored fans' faith in their favourite stars.

Euphoria in chess

Chess witnessed an unprecedented success as 18-year-old D Gukesh became the youngest-ever world champion, a record that had been held by Garry Kasparov for decades followed by Koneru Humpy's triumph at the FIDE Women's World Rapid Chess Championship. Before these twin titles, India achieved stellar success at the 2024 Chess Olympiad in Budapest with the men's and women's teams winning gold in their respective categories, cementing India's dominance in the game.

Shooters' show in Paris

After two successive failures in the 2016 and 2020 Olympics, Indian shooters returned to winning ways, clinching three bronze in Paris. Manu Bhaker became the first Indian athlete to clinch two medals at the same Games. She first bagged a bronze in the women's 10m air pistol event and then teamed up with Sarabjot Singh to win bronze in the 10m air pistol mixed team event. Swapnil Kusale made it three by finishing third in the 50m rifle 3 positions.

Rise of para athletes

The country's para-athletes bagged 29 medals at 2024 Paralympics for their most successful campaign ever at the Games. India finished 18th on the overall medals table, and in all, they won seven gold.

Yashasvi Jaiswal's caught-behind dismissal sparks controversy

- Third umpire Saikat overruled the Snicko, which showed no spike, leading to chants of "cheater, cheater" around the Melbourne Cricket Ground.

MELBOURNE. India opener Yashasvi Jaiswal's contentious dismissal sparked a controversy on the final day of the fourth Test against Australia here on Monday, as third umpire Saikat Sharfuddoula ruled him out despite no edge being registered on the Snicko.Jaiswal, who was batting on 84, miscued a hook off pacer Pat Cummins' short-pitched, down-the-leg delivery, and the batter was initially given not out by on-field umpire Joel Wilson after Australia appealed for a caught-behind dismissal.

However, upon review, third umpire Saikat adjudged that there was a deflection off Jaiswal's gloves/bat based on the visual evidence.Saikat overruled the Snicko, which showed no spike, leading to chants of "cheater, cheater" around the Melbourne Cricket Ground.Jaiswal was ousted after playing a solid 84 off 208 deliveries.At one stage, he seemed to steer India to a draw before the visitors lost wickets in clusters in their chase of 340, eventually going down by 184 runs.The left-hander argued with the on-field umpires over the decision before walking back.In my view the decision was out. The third umpire did make the correct decision in the end," Former ICC Elite Panel umpire Simon Taufel told Channel 7."With the technology protocols, we do have a hierarchy of redundancy and when the umpire sees a clear deflection off the bat there is no need to go any further and use any other form of technology to prove the case."

"The clear deflection is conclusive evidence. In this particular case what we have seen from the third umpire, is they've used a secondary form of technology, which for whatever reason hasn't shown the same conclusive evidence of audio to back up the clear deflection.""In the end the third umpire did the right thing and went back to the clear deflection and overturned the umpire field. So, in my view correct decision made," he added.This incident follows a similar controversy in the opening Test in Perth, where opener KL Rahul's dismissal sparked a debate.

After on-field umpire Richard Kettleborough had ruled in Rahul's favour following Australia's appeal, the home team used DRS to challenge the decision.

Third umpire Richard Illingworth had overturned the call despite not having the benefit of a split-screen view which would have given him a clearer picture of whether the Mitchell Starc delivery actually grazed the bat or the snicko responded to a hit on the pads.

IND vs AUS: Was Yashasvi Jaiswal out or not out Controversial DRS call explained

Melbourne. A huge DRS controversy struck in the Melbourne Cricket Ground on the final day of the 4th Test match when youngster Yashasvi Jaiswal was given out by the third umpire. The decision caused widespread controversy across the cricketing world, as Jaiswal was the last specialist batter for India, fighting to save the Test match. Jaiswal was given caught behind by the third umpire despite the snicko meter showing that he did not edge the ball.The incident occurred in the 71st over of the match when Jaiswal was batting at 94. The left-hander miscued his pull shot after he failed to get a clean connection. The ball flew to the leg side of wicketkeeper Alex Carey, seemingly touching the glove of the batter. Carey completed a good catch on his wrong side and appealed to the umpire.On-field umpire Joel Wilson was not convinced by the appeal and judged Jaiswal not out. Bowler and captain Pat Cummins was not happy with the on-field call and immediately reverted to the third umpire, using one of the Decision Review System (DRS) referrals that he had.And here's where the controversy happened.There was a long check on the DRS - ultra edge showed that there was no spike when the ball went pas the batter but third umpire Sharfuddoula Saikat adjudged it out based on the visual evidence of the deflection.While the Australians went up in celebrations, Jaiswal stood there stunned at the third umpire's call.Commentator Sanjay Manjrekar tried to make sense of the decision by the third umpire. Manjrekar said on commentary that the reverse angle from behind the stumps indicated that the ball changed its trajectory after taking a deviation from Yashasvi Jaiswal's bat and glove.Manjrekar argued that, while the snicko meter did not show any spike on its radar, the umpire decided to go with the visual evidence and give Jaiswal out. Manjrekar further called the decision a brave one by the third umpire."Any other umpire would have gone the other way. They would have said that I love snicko as a technology and I trust snicko and would have given it a not out And that also would have been accepted by us as a pretty okay call," Sanjay Manjrekar said while commentating during the match.

Who will have the last laugh

New Delhi. It is finally here. Day five of a Test match between India and Australia at the Melbourne Cricket Ground. In what has been a contest that saw multiple records get made over the past four days, Australia went into the sunset on Sunday with 228/9, leading by 333 runs.

The last time these two teams played a fifth day of a Test in a Test fixture that was not affected by rain, was the 2023 World Test Championship Final. In the time since Australia have played 18 Tests and India 16 (three Tests between the two) and not one have gone into the final day without the weather playing its part.Here, in Melbourne, the first and foremost credit perhaps would go to the MCG head curator Matt Page who promised an entertaining contest. However, no one deserves more than a small group of players who made it possible. Jasprit Bumrah who kept India in the contest through the series while scaling one mount after another on a personal front has taken eight wickets in the match and almost had his ninth in the final over of Sunday. Nitish K Reddy and Washington Sundar showed their value with the bat and ensured the visitors did not succumb.

Then, of course, there were partnerships between Marnus Labuschagne-Pat Cummins and Nathan Lyon-Scott Boland. When Bumrah, Mohammed Siraj and Akash Deep were breathing fire on a day where the ball seamed more than it ever did over the past three days, Australia were on the ropes. They were down to 91/6 and the lead was less than 200.However, as he has done on numerous occasions, Cummins put up a defiant effort along with Labuschagne. Such was the impact Bumrah had that even the latter was protecting Cummins from the Indian pacer. He had already taken four wickets in the first innings and added four more in the second, becoming the first-ever bowler in the history of the sport to take 200 Test wickets at an average of less than 20. They knew that every over, hour and session they spent in the middle, Bumrah would be overworked.It has been India's go-to strategy. Start with Bumrah, rotate around the rest for a while and bring him back. Even on Sunday, he had bowled 24 off the 82 overs India sent down despite them fielding six bowlers.Australians did not want to face Bumrah. They tried to negate him as much as possible while keeping the scoreboard moving against others. That they had already secured a 105-run lead helped.

EXPLAINED: How India can retain the Border Gavaskar Trophy despite Melbourne defeat

New Delhi. India's famed batting line-up caved in onc nd it proved decisive as the Australians took a 2-1 lead by winning the fourth Test in Melbourne by 284 runs on Monday.

Other than Yashasvi Jaiswal's 84, none of the Indian batters could stay on the crease long enough to force a draw. Only during the 88-run partnership between Jaiswal and Pant (30) did India look to be moving towards safety, but a rush of blood from the Indian wicketkeeper saw him gifting his wicket away to part-time spinner

Travis Head with an unnecessary pull shot.From 121 for 3, India lost their last seven wickets for just 34 runs to be bowled out for 155 and succumb to a big defeat.While it gave the Aussies a 2-1 lead and a brightened their chances of reclaiming the BGT for the first time since 2014, India can still retain the trophy.As per the rules, the defending champions keep the possession of the trophy if the series ends in a draw, which means that if the visitors can turn their fortunes around with a win in Sydney to end the series at 2-2, they will retain the BGT as the last edition's winners.

However, the defeat virtually ended India's chances of qualifying for the World Test Championship final, with Australia now the frontrunners to play South Africa, who have already secured a spot in the title clash scheduled for June next year at Lord's.

Conor McGregor vs Logan Paul at Wankhede Stadium UFC star responds to speculation

- Conor McGregor, one of the most decorated UFC stars in the history of combat sport, nearly confirmed the bout in Mumbai, responding to a news report on social media. The Wankhede Stadium, which hosted the cricket World Cup final in 2011, is speculated to host the bout.

New Delhi. Mumbai is abuzz with speculation about a high-stakes boxing bout between Irish MMA superstar Conor McGregor and YouTuber-turned-boxer Logan Paul. Reports suggest the event could be staged in India's financial capital, marking a historic moment for combat sports in the country.

Conor McGregor, one of the most decorated UFC stars in the history of combat sport, nearly confirmed the bout in Mumbai, responding to a news report on social media. McGregor and Paul are reported to earn USD 250 million each from the bout, which is scheduled for 2025. The bout will be part of the 'Visit India' campaign, aimed at promoting tourism in the country.The speculation about Logan Paul's dream match-up against McGregor comes weeks after his brother Jake took on Mike Tyson in a boxing match in November.The financial stakes are staggering, with industry insiders

estimating the fight purse to exceed $100 million, bolstered by pay-per-view sales, sponsorships, and ticket revenue. Logan Paul, known for his extravagant bouts against Floyd Mayweather and other celebrities, is expected to command a significant share of the earnings. Meanwhile, McGregor, whose career has been synonymous with record-breaking paydays, would be seeking a lucrative return to the spotlight.

Mumbai's selection as a potential venue has added to the intrigue. Traditionally, boxing super fights are hosted in global hubs like Las Vegas or London. However, Mumbai's growing reputation as a sports and entertainment hub may have tipped the scales in its favour. Sources indicate that major stakeholders, including international promoters, are eyeing the city's iconic Wankhede Stadium as a potential venue, with a capacity to host tens of thousands of fans.This fight would mark McGregor's return to combat sports after a period of inactivity following his devastating leg injury during a UFC bout against Dustin Poirier in July 2021. McGregor, a former two-division UFC champion, has been teasing a comeback, with rumours linking him to both MMA and boxing ventures. His infamous 2017 boxing match against Floyd Mayweather, which ended in a tenth-round TKO, remains one of the highest-grossing combat sports events of all time.

Logan Paul, on the other hand, has successfully transitioned from internet stardom to the boxing ring, taking on high-profile opponents and attracting massive audiences. His potential clash with McGregor promises to blend star power and entertainment value, drawing fans from diverse backgrounds.

4th Test: Australia break India's resistance to win MCG thriller, end 13-year streak

- Australia vs India, 4th Test: Australia rode on an all-round bowling show on Day 5 to beat India by 184 runs and take a 2-1 lead in the five-match series on Monday. India paid the price for their big stars, including Rohit Sharma and Virat Kohli, not showing enough fight with the bat in the final innings.

Melbourne. One of the most enthralling Test matches in the history of the Border-Gavaskar Trophy culminated in a victory for Australia after five days of intense action at the Melbourne Cricket Ground, witnessed by a record-breaking crowd. The two teams traded blows in a gripping contest, as Australia's relentless approach clashed with India's resilience in fighting back from precarious situations. The match delivered exhilarating cricket, serving as a brilliant advertisement for the enduring appeal of Test cricket in an era often dominated by the glamour of T20.India's 13-year-long unbeaten run in the Boxing Day Test in Australia ended finally as the home side clinched a 184-run victory in the final session of the final day's play. India were not able to repeat the heroics of Sydney 2021 where they batted an entire day to save a Test match. After they were set a target of 330, India saw their big guns, including Rohit Sharma and Virat Kohli, failing to step up when the team needed them the most.

It was also the first time Australia have won a red-ball Test match against India in their home soil since 2018.

YASHASVI'S MARATHON IN VAIN

Yashsavi Jaiswal's valiant knock of 84 off 208 delivered went in vain as Australia wrapped

up the Test before the second new ball was taken in the final hour of the fifth day's play. Washington Sundar, who hit a fifty in the first innings, remained unbeaten on 5 after facing 45 balls, but he ran out of partners.

India were 33 for 3 at the lunch break on Day 5 after Rohit Sharma and Virat Kohli failed. However, Yashasvi Jaiswal and Rishabh Pant batted out 27.5 overs and added an unbeaten 78-run stand, not giving a wicket to Australia in the second sesssion.

Just when it looked like India were comfortably headed towards a draw, Rishabh Pant threw it away, hitting a half-tracker from Travis Head, Australia's part-time bowler, to the long-on fielder after the Tea break.India collapsed from there, losing three wickets for the next nine runs, eventually folding for 155. India battled it out for 79.1 overs, but they were not able to last the final day with the bat.Captain Pat Cummins was at his absolute best on Day 5 as he led from the front when India were trying to escape with a draw. The fast bowler picked three wickets, including the crucial one of Yashasvi Jaiswal in the final session, and was spot on with his tactics o the field as Australia were rewarded for their never-say-die attitude.

Kriti Sanon

Attends Rahat Fateh Ali Khan's Performance In Dubai With Kabir Bahia, Varun Sharma, Nupur

Kriti Sanon has been hitting the headlines for her rumoured relationship with UK-based businessman Kabir Bahia. She recently celebrated Christmas with him, and pictures from the celebration went viral on social media. Now, Kriti's sister Nupur Sanon has shared pictures and videos which show Kriti Sanon and her enjoying Rahat Fateh Ali Khan's performance at an event in Dubai. They were also joined by singer Stebin Ben, actor Varun Sharma and Kriti's rumoured boyfriend Kabir Bahia.Pictures from last night show Kriti Sanon, Varun Sharma, and Nupur having a gala time as they enjoyed Rahat Fateh Ali Khan's show. Nupur shared a video clip that shows her, Kriti, Varun and Stebin singing along Rahat Fateh Ali Khan's song 'Main Tenu Samjhawan Ki'. Kriti looked beautiful in a blue dress. While the video clip did not feature Kabir Bahia, Nupur shared another photo in which she was seen sitting on stage with Stebin, Kabir Bahia, and another friend. Tagging them, she wrote, "With my main 3 handsome men!" Kabir was seen in a black shirt with matching pants. Another picture that has surfaced on Instagram shows Kriti Sanon, Kabir Bahia, Nupur, cricketer MS Dhoni, and others together on the stage, enjoying Stebin's performance. "A moment to remember," read the caption. Several other pictures from the event have surfaced on Instagram. Check them out below.

Kriti Sanon's Christmas celebration with Kabir Bahia

Meanwhile, Kriti Sanon rang in Christmas with her rumoured boyfriend Kabir Bahia and his family, but what really stole the show was none other than former Indian cricket captain Mahendra Singh Dhoni playing Santa Claus.In one of the pictures that Kriti took to Instagram to share, she can be seen posing with MS Dhoni, who brought the holiday spirit to life in a Santa costume. Meanwhile, in another oh-so-cute shot, Kriti put her feet up (literally!) in Christmas-themed socks, with Kabir's feet right next to hers exuding some cozy couple vibes.

Who is Kabir Bahia?

Kabir Bahia is said to be a UK-based businessman who did his schooling at a boarding school in England. Hailing from an affluent family, he is also the founder of Worldwide Aviation and Tourism Limited. He is the son of Kuljinder Bahia, the owner of Southall Travel, a UK-based travel agency.

Fatima Sana Shaikh

Drops Inside Pictures From Manish Malhotra's Star-Studded House Party

Ace designer Manish Malhotra is known for hosting some of the most stunning parties in B-town. Last night, Malhotra yet again organised a get-together at his lavish residence, and it was attended by who's who of the industry. Actress Fatima Sana Shaikh delighted her fans with stunning inside glimpses from the event, featuring many of her close friends.Fatima Sana Shaikh dropped photos on Instagram posing with Tamannaah Bhatia, Nora Fatehi and other guests at the party. In the photos, the girls are seen wearing white-hued ensembles, matching their vibes with the classy vibe of Manish Malhotra's party. The first snap in Fatima's post featured her capturing a selfie with the ever-so-gorgeous Nora on one side. Meanwhile, Tamannaah was seen giving a peck of love on Fatima's cheeks, making it a lovely frame.

Continuing the fun, Fatima shared a mirror selfie with Vijay Varma, who raised his hands in the air while striking a joyful pose. The consecutive photos featured Abhay Verma, Avinash Tiwary, Raveena Tandon's daughter Rasha Thadani and the host Manish Malhotra. The Dhak Dhak star opted for no caption for the post and just dropped three red heart emojis.On the other hand, Tamannaah reposted a photo featuring Manish on her Instagram stories, and wrote, "Just the warmest host evaa."

Tamannaah even shared a cute video on her Instagram stories. It featured the actress striking a cool avenger pose alongside Vijay Varma and Rasha Thadani. Sharing it, she penned, "Avengers but made it cute."As for the other striking elements of Manish Malhotra's house party, the lavish decorations perfectly matched the festive mood. A series of candles, floral arrangements, and silver utensils on the dining table exuded luxury in every sense.

Food is always the highlight of any fun party, and Manish Malhotra's bash was no exception. A delicious spread was displayed on the table, featuring an assortment of fruits served alongside a few sweet delights. One glance at it, and it was clear that the dish was a treat for both the eyes and the taste buds.

Mika Singh Shares Nightmare Experience With Bipasha Basu And Karan Singh Grover: 'They Created Drama'

In 2020, Mika Singh, known for his hit songs and larger-than-life persona, decided to step into the world of film production with the series Dangerous. Determined to play it safe for his debut as a producer, he collaborated with Vikram Bhatt, the filmmaker behind successful thrillers like Raaz. Mika brought on Bhatt's entire team to ensure the project was executed smoothly and initially planned to cast actor Karan Singh Grover alongside a newcomer to maintain the budget. However, the dynamic shifted when Bipasha Basu expressed interest in starring opposite her husband, Karan. What seemed like a dream team quickly turned into a nightmare for Mika, leaving him with a bitter taste for production.Speaking on the podcast KADAK, Mika shared his frustrations, saying, "I wanted to cast Karan Singh Grover and a newcomer girl so that the movie remains in budget and we make something nice, but Bipasha Basu jumped in this and was like, 'We can both be part of this series.' They did come in the budget only, but the experience was horrible."

The troubles began early and snowballed as production progressed. Mika revealed that what was supposed to be a three-month shoot stretched into six, causing a significant financial burden. "I took a team of 50 to London for a month-long schedule. However, it extended to two months. Karan and Bipasha created a lot of drama. They were a married couple so I booked a single room for them. But, they were like, 'No, we need our separate rooms.' I didn't understand the logic. They then demanded to shift to a different hotel. We did that as well," he recalled.

The difficulties didn't end there. During filming, Karan Singh Grover fractured his leg, further delaying production. Mika also faced challenges during post-production. "They even created issues while dubbing the film. They were giving excuses that they have sore throat and other things. I couldn't understand the drama, especially when they were paid for their work," he added.

Shah Rukh Khan's Swades Co-Star SLAMS MLA For Questioning Her Character, Writes To CM Devendra Fadnavis

Veteran Marathi films and television actress Prajakta Mali slammed Bharatiya Janata Party (BJP) MLA Suresh R. Dhas for making certain scurrilous remarks against her, demanding a public apology, here on Saturday. Speaking to media persons, Mali, 35, also said that she had complained to the Maharashtra State Commission for Women (MSCW) and plans to write and meet Chief Minister Devendra Fadnavis and the Deputy CMs on the issue.

The actress – who started her film career at the age of 15 with a bit role in Shah Rukh Khan's 'Swades' (2004) – took strong umbrage at the ruling BJP MLA Dhas (from Ashti in Beed district) for his insinuating remarks targeting her character and reputation. Breaking down several times during the media meet, she cautioned Dhas and other politicians from "involving the names of film personalities who are soft targets" for their personal political aims.

"All this has been going on for over a month-and-half, but I did not react… Just because I was silent doesn't imply my tacit consent to whatever is said about me," said Mali.Her ire was especially against Dhas' remarks naming her along with a couple of other Marathi actresses, while speaking on his political rival, ruling ally Nationalist Congress Party (NCP) Minister Dhananjay Munde and the boiling row over the killing of Massajog Sarpanch, Santosh Pandit Deshmukh on December 9.

Among other things, Dhas hinted that actresses like Prajaktta Mali keep coming to Parli, and certain other insinuations that left her livid, shocked he film fraternity and agonised her family.

Strongly condemning Dhas' baseless and tasteless remarks pointing fingers at her character, she said that he probably had no inkling of the damage caused to her dignity and reputation. "He was referring to just one brief meeting at a public function and a photograph. He made baseless statements. But the media and social media blew it out of proportion with thousands of videos going viral. We are all suffering, my mother couldn't sleep the whole night, and my brother has blocked all his social media accounts," she said, while tears welled up in her eyes several times during her media encounter.